हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com भोपाल, बुधवार 16 सितंबर 2026

महाराष्ट्र के जालना में 4 करोड़ की गणेश प्रतिमा

108 किलो चांदी पर चढ़ा सोने का आवरण

जालना। महाराष्ट्र के जालना में गणेश उत्सव के दौरान भगवान गणेश की भव्य प्रतिमा आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। यहां एक पंडाल में 108 किलोग्राम चांदी से बनी भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई है। प्रतिमा पर सोने का आवरण चढ़ाया गया है और इसकी कीमत करीब 4 करोड़ रुपए बताई गई है। मंगलवार को आई तस्वीर में पंडाल में विराजमान गणेश प्रतिमा की भव्यता देखते ही बन रही है।

सीएम ने कहा-इस तरह के नवाचार से अधोसंरचना विकास को नई दिशा मिलेगी

सीएसआईआर, एम्प्री के साथ लोक निर्माण विभाग ने किया एमओयू

मप्र में अब 'फ्लायऐश' आधारित सीमेंट फ्री 'सड़कें' बनाई जाएंगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सीएम ने कहा कि लोक निर्माण विभाग तकनीक को साथ लेकर नवाचार कर रहा है। विभाग खुद फंड इकट्ठा कर इंफ्रास्ट्रक्चर बना रहा है, यह बड़ी बात है

मप्र में अब फ्लायऐश आधारित सीमेंट फ्री सड़कें बनाई जाएंगी। मप्र में यह पहला प्रयोग है। इसे लेकर मंगलवार को सीएसआईआर, एम्प्री (वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद- प्रगत पदार्थ तथा प्रक्रम अनुसंधान संस्थान) भोपाल और लोक निर्माण विभाग के बीच इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण के लिए एमओयू किया गया।

इस तरह के नवाचार से अधोसंरचना विकास को नई दिशा मिलेगी। मप्र में बनने वाले सरकारी भवन अब ग्रीन बिल्डिंग टेक्नोलॉजी पर बनेंगे। एमपीआरडीसी अगले एक साल में लगभग 2 लाख करोड़ रुपए लागत के कार्य करेगा। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय अभियंता दिवस समारोह में कही। उन्होंने इंजीनियरों ने कहा कि राज्य सरकार उनके कल्याण के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि 19-20 वीं शताब्दी में एक महान शख्सियत मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया थे। उन्होंने कई विख्यात संरचनाएं बनाईं। उनकी एक-एक रचना उनकी सोच को दर्शाती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंजीनियर में मुझे इंजन शब्द का आभास होता है। इंजन का अर्थ ही यही है कि जो सारी ताकत और क्षमता लगाकर संचालन करे। उन्होंने कहा कि विभाग तकनीक को साथ लेकर नवाचार कर रहा है। विभाग खुद फंड इकट्ठा कर इंफ्रास्ट्रक्चर बना ▶▶ शेष पेज 4 पर

मप्र में यह प्रयोग पहली बार किया जा रहा

समारोह में सीएम की मौजूदगी में एमओयू का आदान-प्रदान करते हुए

» ***मप्र में सरकारी भवन अब ग्रीन बिल्डिंग टेक्नोलॉजी पर बनेंगे***

» ***एमपीआरडीसी अगले एक साल में लगभग 2 लाख करोड़ रुपए लागत के कार्य करेगा***

समस्या का समाधान है इंजीनियरिंग

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि सर विश्वेसरैया ने कहा था कि इंजीनियरिंग केवल एक तकनीक नहीं है, यह समस्याओं का समाधान निकालने की एक क्षमता है। हमारे इंजीनियर समस्याओं और चुनौतियों से आगे बढ़कर नए रास्ते खोजते हैं। लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव सुखवीर सिंह ने कहा कि लोक निर्माण विभाग ने लोक कल्याण के लिए नवाचारों को अपने संकल्प के साथ जोड़ा है। एमपीआरडीसी ने लगभग 30 हजार करोड़ लागत के कार्य पूर्ण किए हैं। सिंह ने कहा ▶▶ शेष पेज 4 पर

'हरिभूमि' नॉलेज गाइड

भारत की सड़कों में फ्लाय ऐश का इस्तेमाल 1976 से

भारत में फ्लाय ऐश (थर्मल पावर प्लांट की राख) आधारित सीमेंट और कंक्रीट सड़कों का निर्माण मुख्य रूप से महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, गुजरात, और तमिलनाडु जैसे राज्यों में बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। भारतीय सड़कों में फ्लाई ऐश के इस्तेमाल की शुरुआत प्रायोगिक तौर पर वर्ष 1976 में इंडियन रोड्स कांग्रेस के दिशा-निर्देश जारी होने के बाद से ही शुरू हो गई थी। भारत सरकार के पर्यावरण मंत्रालय और नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के नियमों के तहत थर्मल ▶▶ शेष पेज 4 पर

निवेशकों के डूब गए नौ लाख करोड़ रुपए

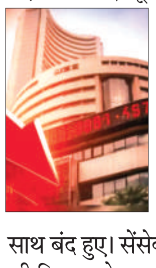

मुंबई। शेयर बाजार में मंगलवार को भूचाल आ गया। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख के बीच घरेलू शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 778 अंक की गिरावट के साथ 74,004 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 280 अंक की गिरावट रही, ये 23,119 पर बंद हुआ। निवेशकों के करीब नौ लाख करोड़ डूब गए। ऑटो, मेटल, फार्मा, रियल्टी और बैंकिंग शेयर्स में ज्यादा बिकवाली रही। सेंसेक्स की 30 कंपनियों के शेयर में करीब छह% की गिरावट रही।

पीथमपुर की मित्तल कंपनी में नाइट्रोजन टैंक में धमाका

तीन श्रमिक घायल, दो लोग गंभीर, मची अफरा-तफरी

घटना स्थल का जायजा लेते अधिकारी, हादसे में घायलों को अस्पताल ले जाते हुए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ धार

इंदौर से सटी औद्योगिक नगरी पीथमपुर में मंगलवार सुबह मित्तल कंपनी की फैक्ट्री में नाइट्रोजन गैस के रिसीवर टैंक में जोरदार धमाका हो गया। सेक्टर-3 के इंडोरामा क्षेत्र स्थित फैक्ट्री में करीब 11 बजे हुए विस्फोट की आवाज दूर तक सुनाई दी। धमाके के बाद फैक्ट्री परिसर में अफरा-तफरी मच गई और कर्मचारी जान बचाकर बाहर की ओर भागे। हादसे में फैक्ट्री में काम कर रहे तीन श्रमिक घायल हो गए। साथी कर्मचारियों और राहत दल ने तत्काल ▶▶ शेष पेज 4 पर

■ विशेषज्ञों की टीम कारणों की जांच कर रही

पिथौरागढ़ में अचानक सड़क पर गिरी थी पहाड़ी

केदारनाथ में बिना हेलमेट यात्रियों को अब एंट्री नहीं

केदारनाथ मंदिर

एजेंसी ▶▶ चमोली

उत्तरकाशी और देहरादून में मूसलाधार बारिश हो रही है। चमोली में भी हाईवे पर मलबा और बोल्डर आने से आवाजाही प्रभावित हुई है, जबकि पौड़ी के पाबौ बाजार में भूस्खलन और भू-धंसाव से खतरा बढ़ा है। रुद्रप्रयाग में केदारनाथ पैदल मार्ग पर चीरबासा के पास पत्थर गिरने के खतरे के बीच यात्रियों को हेलमेट पहनाकर सुरक्षित निकाला जा रहा है। केदारनाथ यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए बिना हेलमेट किसी को भी आगे जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। वहीं, पिथौरागढ़ में आदि कैलाश मार्ग पर दोबाट ▶▶ शेष पेज 4 पर

■ यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए लिया फैसला

राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में उठा पटवारियों के विरोध का मुद्दा

रजिस्ट्री का काम प्राथमिकता से कराने के निर्देश

स्वामित्व योजना को लेकर 'पटवारियों' को समझाएं कलेक्टर: सीएम डॉ. यादव

▶▶ प्राथमिकता से कराएं रजिस्ट्री, योजना सरकार की, वे उलझेंगे नहीं

▶▶ मुख्यसचिव ने कहा- 4-5 की जगह एक माह में पूरी करें रजिस्ट्रियां

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में स्वामित्व योजना के तहत पटवारियों द्वारा रजिस्ट्री के विरोध का मुद्दा उठा। इस पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल से कहा कि कलेक्टर पटवारियों को समझाएं कि उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है। शासन स्तर से यह काम कराया जा रहा है, इसलिए पटवारी इसमें नहीं उलझेंगे। उन्होंने रजिस्ट्री का काम प्राथमिकता से कराने के निर्देश देने को कहा। बैठक में मुख्य सचिव ने रजिस्ट्री की समय-सीमा 4-5 महीने से घटाकर एक महीने ▶▶ शेष पेज 4 पर

कैबिनेट बैठक में सीएम व मंत्रिगण

इस आधार पर पटवारी कर रहे विरोध

प्रदेश में 17 सितंबर से स्वामित्व योजना के तहत रजिस्ट्री शुरू होनी है। पटवारी रजिस्ट्रीकर्ता के रूप में अपना नाम दर्ज किए जाने का विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि ड्रोन सर्वे या आबादी रिकॉर्ड में गलती होने पर रजिस्ट्री की जिम्मेदारी ▶▶ शेष पेज 4 पर

भाजपा ऑफिस के पास विराजे गणेश जी।

पंडालों और घरों में विराजे बप्पा, गणेशोत्सव की धूम में मंत्रोच्चार के साथ पूजा कर सुख-समृद्धि की कामना

शाम होते ही शहर के गणेश पंडाल हो रहे श्रद्धालुओं से गुलजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शहर में गणेशोत्सव उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। गणपति बप्पा की प्रतिमाओं की स्थापना के दूसरे दिन मंगलवार को पंडालों और घरों में भक्ति का माहौल नजर आया। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। शाम होते ही शहर के विभिन्न गणेश पंडाल श्रद्धालुओं से गुलजार हो रहे हैं।

आरती, भजन-कीर्तन और धार्मिक आयोजनों से वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। विभिन्न गणेश उत्सव समितियों की ओर से आकर्षक पंडाल और झांकियां तैयार की गई हैं। कहीं भव्य विद्युत सजावट लोगों को आकर्षित कर रही है तो कहीं धार्मिक, सामाजिक और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े संदेश दिए जा रहे हैं। घरों में भी लोगों ने छोटी-बड़ी गणेश प्रतिमाएं स्थापित की हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक पूजा-अर्चना और आरती में उत्साह से शामिल हो रहे हैं। कई स्थानों पर प्रसाद वितरण सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

जिंसी पर गणेश की प्रतिमा।

बाजारों में बढ़ी रौनक, पूजा सामग्री की जमकर खरीदारी

गणेशोत्सव को लेकर शहर के बाजारों में भी खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। फूल, पूजा सामग्री, सजावटी सामान, मालाएं और प्रसाद की दुकानों पर खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है।

कुमारपुरा में विराजी प्रतिमा।

भोपाल के राजा का पुष्पों से श्रृंगार

पीपल चौक के गणेशजी आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। मंगलवार को बप्पा का पुष्पों से आकर्षक श्रृंगार किया गया। यहां गणेशजी को अलग-अलग दिनों में विशेष भोग अर्पित किए जाएंगे। तीन क्विंटल लड्डू, ढाई से तीन क्विंटल फल का भोग अर्पित कर वितरण किया जा रहा है।

गणेश भगवान ने दिया पर्यावरण और शिक्षा का संदेश

श्री नवयुवक प्रगतिशील गणेश एवं दुर्गा उत्सव समिति चिकलोद रोड जहांगीराबाद की ओर से पर्यावरण और शिक्षा का संदेश को ध्यान में रखते हुए। झांकी सजाई गई। जहां पर गणपति बप्पा लोगों को पर्यावरण बचाने का संदेश दे रहे हैं।

जहांगीराबाद में भगवान गणेश जी अलग ही अंदाज में प्रतिमा।

17 सितंबर से रेलवे स्टेशनों पर चलेगा स्वच्छता अभियान

भोपाल। पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा-2026 अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान रेलवे स्टेशन, प्लेटफॉर्म, यात्री प्रतीक्षालय, ट्रेन, कॉलोनी, कार्यालय और यार्ड में विशेष सफाई अभियान होंगे। इस वर्ष अभियान की थीम स्वच्छता में सहभाग; स्वच्छ भारत, विकसित भारत रखी गई है। अभियान में यात्रियों, रेलकर्मियों, विद्यार्थियों, युवाओं और स्वयंसेवी संगठनों की भागीदारी कराई जाएगी। लंबे समय से गंदगी वाले स्थानों को चिन्हित कर उनकी सफाई, कचरा हटाने और सौंदर्यीकरण पर विशेष जोर रहेगा। कचरा पृथक्करण, प्लास्टिक कचरे में कमी तथा सफाई मित्रों की सुरक्षा और सम्मान से जुड़ी गतिविधियां भी होंगी। 1 अक्टूबर को सुबह 8 बजे एक दिन, एक घंटा, एक साथ अभियान के तहत सामूहिक श्रमदान होगा। वहीं, 2 अक्टूबर को स्वच्छ भारत दिवस पर स्वच्छता शपथ, श्रमदान, पौधरोपण और जनजागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके बाद 1 से 15 अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाड़ा और 2 से 31 अक्टूबर तक विशेष अभियान 6.0 चलेगा।

रेलवे बोर्ड ने सभी जोन-मंडल को दिए निर्देश, जबलपुर में शुरू हुआ अभियान

पेंट्रीकार में अब चूहे-कॉकरोच की तलाश करेंगे रेलकर्मी, ट्रेन रवाना होने से पहले होगी जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

ट्रेनों की पैंट्री कार यानी चलती-फिरती रसोई में अब चूहे, कॉकरोच और गंदगी मिली तो जिम्मेदारों पर कार्रवाई होगी। यात्रियों को स्वच्छ और हाइजीनिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए रेलवे बोर्ड ने सभी जोन और मंडलों को पैंट्री कार की सफाई और कीट नियंत्रण को लेकर सख्त निर्देश जारी किए हैं। ट्रेन के यार्ड या डिपो से रवाना होने से पहले जिम्मेदार रेलकर्मी पैंट्री कार की सघन जांच करेंगे। इस दौरान रसोई में चूहे, कॉकरोच या अन्य कीड़े-मकौड़ों की मौजूदगी के साथ साफ-सफाई की स्थिति भी देखी जाएगी।

रेलवे बोर्ड के पर्यावरण एवं गृह प्रबंधन निदेशक लव शुक्ला ने इस संबंध में 14 पेज की गाइडलाइन जारी की है। इसमें पैंट्री कार में स्वच्छता बनाए रखने, पेस्ट और रोडेंट कंट्रोल और फ्यूमिगेशन की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। बोर्ड ने माना है कि पैंट्री कार में गंदगी और कीटों की मौजूदगी यात्रियों के स्वास्थ्य के साथ रेलवे की छवि पर भी असर डालती है। उल्लेखनीय है कि भोपाल रेल मंडल की ट्रेनों और स्टेशनों पर मिलने वाले खानपान को लेकर यात्रियों द्वारा हर महीने 3-4 शिकायतें दर्ज कराई जाती हैं, जिनमें मुख्य रूप से खराब गुणवत्ता, तय कीमत से अधिक वसूली (ओवरचार्जिंग) और अवैध वेंडरों की समस्याएं शामिल होती हैं। तो वहीं देशभर में हर साल हजारों यात्रियों के द्वारा शिकायत की जाती है।

एआई इमेज

ट्रेन छूटने से पहले होगी पैंट्री की जांच

अब ट्रेन को रवाना करने से पहले सफाई टीम और संबंधित रेलकर्मी पैंट्री कार के अंदर बारीकी से जांच करेंगे। रसोई के फर्श, खाद्य सामग्री रखने की जगह, किचन उपकरणों और अन्य हिस्सों में गंदगी, चूहे या कॉकरोच की मौजूदगी देखी जाएगी। यदि कहीं कीटों का प्रकोप मिलता है तो उसे दूर करने के बाद ही आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

फ्यूमिगेशन और रोडेंट कंट्रोल अनिवार्य

रेलवे बोर्ड ने समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए केवल सामान्य सफाई पर निर्भर रहने के बजाय विशेष व्यवस्था करने को कहा है। पैंट्री कार में गहन सफाई के साथ फ्यूमिगेशन यानी धुएं के जरिए कीटनाशक उपचार और रोडेंट कंट्रोल की व्यवस्था अनिवार्य की गई है। इसका उद्देश्य पैंट्री कार में चूहों और अन्य कीटों के प्रवेश व प्रजनन को रोकना है। खाने-पीने से जुड़ी शिकायतों को लेकर आईआरसीटीसी को भी निर्देश दिए गए हैं। पैंट्री कार में भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता या कीटों से संबंधित शिकायत मिलने पर जिम्मेदार अधिकारियों को कार्रवाई करनी होगी।

जबलपुर में जांच शुरू, कई पैंट्री कारों में मिली गंदगी

रेलवे बोर्ड के निदेशों का असर पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल में भी दिखाई दिया। सोमवार और मंगलवार को मंडल से गुजरने वाली विभिन्न ट्रेनों की पैंट्री कारों की जांच की गई। जांच के दौरान करीब 12 पैंट्री कारों में गंदगी व खराब खाना मिलने पर संबंधित जिम्मेदारों पर जुमार्ना लगाया गया। वहीं भोपाल मंडल में अभी इस तरह का विशेष अभियान शुरू नहीं हुआ है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार भोपाल मंडल में भी जल्द ही ट्रेनों की पैंट्री कारों की सघन जांच शुरू की जाएगी।

दो सौ ट्रेक्टर-ट्रॉलियों से आए थे किसान

बैरसिया में ज्ञापन सौंप ईंटखेड़ी में किसानों का डेरा, 3 मांगें मानने के बाद वापस लौटे

आज कलेक्टोरेट का घेराव करने का था प्लान, अफसरों ने किसानों को मनाया

एक दिन पहले से कलेक्टोरेट के मुख्य गेट पर बेरिकेडिंग कराई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

असमय बारिश से सोयाबीन फसल को हुए नुकसान, वर्ष 2024-25 का बकाया फसल बीमा, एमएसपी पर सोयाबीन खरीदी और खाद का इंतजाम की मांग को लेकर मंगलवार को दो सौ ट्रैक्टर-ट्रॉलियां भरकर किसान बैरसिया एसडीएम दफ्तर पहुंचे, जहां उन्होंने एसडीएम शिवांगी बघेल को ज्ञापन सौंपा।

मंगलवार शाम को किसानों का काफिला ईटखेड़ी पर रात्रि विश्राम के लिए रुका, जिसको देखते हुए चार घंटे की बातचीत के बाद कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने नजीराबाद में खाद वितरण केंद्र खोलने, फसल मुआवजा देने और अतिरिक्त केंद्र खोलने की मांगों पर सहमति दे दी है। भारतीय किसान संघ ने किसानों की मांगों को लेकर बुधवार को जिला मुख्यालयों पर ज्ञापन सौंपने का कार्यक्रम रखा था। बुधवार को किसान करीब दो सौ ट्रेक्टर-ट्रॉलियों से कलेक्टोरेट का घेराव करने की योजना बनाई गई थी। किसान संघ के जिलाध्यक्ष गिरवर राजपूत ने बताया कि भगवान बलराम किसान न्याय यात्रा के तहत नजीराबाद से बैरसिया और भोपाल कलेक्टोरेट तक किसान अपनी मांगों को लेकर कलेक्टर प्रियंक मिश्रा को ज्ञापन दिया गया, जिसमें हमारी तीन मांगों को मान लिया गया है।

कंडों की अंगीठी जलाई, दाल-बाटी बनाकर खाई

बैरसिया से भोपाल की तरफ कूच करने वाले किसानों ने ईटखेड़ी में डेरा डाला है। जहां पर किसान अपने साथ कंडों की अंगीठी बनाकर दाल-बाटी बनाकर खाई। मांगें मान लेने के बाद किसान अपने घर की तरफ वापस लौट गए हैं।

एम्स नागपुर में आयोजित हुआ सम्मेलन

सीटीवीएस में उत्तम नैदानिक प्रक्रिया-एम्स का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

एम्स नागपुर द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय रोगी सुरक्षा सम्मेलन 2026' में एम्स भोपाल को सम्मानित किया गया। यह सम्मेलन राष्ट्रीय रोगी सुरक्षा सचिवालय (एनपीएसएस), स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस), केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से आयोजित किया गया। एम्स भोपाल को 'ऑपरेशन थियेटर (सीटीवीएस) में उत्तम नैदानिक अभ्यास' विषय पर सर्वश्रेष्ठ प्रैक्टिस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह प्रमाण-पत्र संस्थान की रोगी सुरक्षा एवं देखभाल की गुणवत्ता में उत्कृष्ट योगदान की मान्यता है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सहयोग से हुआ आयोजन

पति की लंबी उम्र के लिए महिलाओं ने शहर के कई मंदिरों में की शिव-पार्वती की पूजा

महिलाओं ने सुबह पूजन कर किया फुलेरा विर्सजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

हरतालिका तीज पर सोमवार को महिलाओं ने पति की लंबी उम्र के लिए निर्जला व्रत रखा और शिव पार्वती की पूजा-अर्चना की। तो वहीं, मंगलवार को सूर्योदय के बाद महिलाएं सरोवरों व तलाब आदि के किनारे पहुंचकर सामूहिक पूजा-अर्चना की। इसके बाद फिर अपना व्रत खोला। साथ ही फुलेरा का विर्सजन किया। इसके चलते राजधानी की शीतलदास की बागिया सहित अन्य तलाब घटों में सुबह से ही महिलाओं की बड़ी संख्या में भीड़ देखने को मिली।

मप्र के 23 आयुर्वेद और यूनानी के दो कॉलेज को मिली मान्यता

भोपाल। मप्र समेत देशभर में 439 एएसयूएस यानी आयुर्वेद, यूनानी, सिद्धा, सोवा-रिग्पा आयुष कॉलेजों को सत्र 2026-26 के लिए यूजी स्नातक की मान्यता मिल गई है। आयुष मेडिकल एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. राकेश पाण्डेय ने बताया कि इसमें आयुर्वेद के नवीन पांच कॉलेज भी शामिल हैं। डॉ. पाण्डेय ने आयुष मंत्रालय भारत सरकार व एनसीआईएसएम से अनुरोध किया है कि चाहे सरकारी कॉलेज हो अथवा निजी आयुर्वेद, यूनानी, सिद्धा व सोवा-रिग्पा आयुष मेडिकल कॉलेज, सभी में मापदंडों का समान रूप से पालन कराकर ही मान्यता प्रदान की जाएं, ताकि पारदर्शिता बनी रहे। मप्र में आयुर्वेद के 23 व यूनानी के दो कॉलेज कॉलेज को मान्यता दी गई है। डॉ. पाण्डेय ने कहा कि आयुष काउंसलिंग प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

शीतलदास की बगिया सहित कई मंदिरों हुई पूजा

पंचमीं पर दोषों की निवृति के लिए महिलाओं ने किया सप्तऋषि पूजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

ऋषि पंचमी पर दोषों की निवृति के लिए महिलाओं ने सप्तऋषि पूजन किया। इस मौके पर शीतलदास की बागिया, खटलापुरा, पटेल नगर दादाजी धाम मंदिर सहित अन्य मंदिरों पर घरों पर महिलाओं ने सामूहिक रूप से पूजा-पाठ कर मंगलवार को ऋषि पंचमी व्रत को श्रध्दा-भक्ति के साथ किया।

इस मौके पर सौभाग्यवती महिलाओं ने व्रत रखा और कुशा से सप्तऋषि और अरुंधति की आकृति बनाकर पूजा अर्चना की गई। मां चामुंडा दरबार भोपाल पुजारी रामजीवन दुबे ने बताया कि रवि योग, स्वाति नक्षत्र में ऋषि पंचमी पर पूजन किया गया। सुबह अपामार्ग की 108 दातून की और

पवित्र स्नान किया। इस दौरान महिलाओं ने व्रत रखा और मध्यामन्न में पूजा-अर्चना की। शहर में अनेक स्थानों पर सामूहिक रूप से एकत्रित होकर महिलाओं ने पूजा-अर्चना की। ऋषि पंचमी पर रजोधर्म के दौरान जाने-अनजाने में स्पर्शा-स्पर्श के कारण जो दोष लगता है। उससे मुक्ति के लिए सप्तऋषि और अरुंधति का पूजन किया जाता है।

पैथोलॉजी-रेडियोलॉजी में एआई बेस्ड सिस्टम होगा विकसित

बीएमएचआरसी और एम्स भोपाल के बीच एमओयू और मानसिक स्वास्थ्य, गैर संचारी रोगों पर साथ करेंगे रिसर्च

एम्स निदेशक कोटवाल और बीएमएचआरसी निदेशक मनीषा ने किए हस्ताक्षर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (बीएमएचआरसी) और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल के बीच अनुसंधान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया गया। मंगलवार को एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल डॉ. नरेंद्र कोटवाल और बीएमएचआरसी की प्रभारी निदेशक डॉ. मनीषा श्रीवास्तव ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। एमओयू के तहत बीएमएचआरसी और एम्स भोपाल मिलकर

रिसर्च के नए अवसरों की पहचान करेंगे और आपसी हितों के लिए संयुक्त रिसर्च प्रोजेक्ट पर काम करेंगे। दोनों संस्थान विशेष रूप से मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में एआई के उपयोग से जुड़े रिसर्च को आगे बढ़ाएंगे। साथ ही गैर संचारी रोग जैसे कैंसर, डायबिटीज, हाइपरटेंशन आदि बीमारियों पर भी साथ मिलकर रिसर्च करेंगे।

वैज्ञानिक और फैकल्टी मिलकर तैयार करेंगे रिसर्च प्रोजेक्ट

समझौते के अनुसार दोनों संस्थानों के वैज्ञानिक और फैकल्टी सदस्य मिलकर रिसर्च प्रोजेक्ट तैयार करेंगे और विभिन्न एजेंसियों से मिलने वाली रिसर्च फंडिंग के लिए संयुक्त प्रस्ताव भी भेज सकेंगे। दोनों संस्थान अपने-अपने विशेषज्ञों को रिसर्च के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में साथ मिलकर काम करने के अवसर उपलब्ध कराएंगे। इसके अलावा दोनों संस्थान सेमिनार, वर्कशॉप, कॉन्फ्रेंस, विद्यार्थियों और फैकल्टी के आदान-प्रदान तथा अन्य वैज्ञानिक गतिविधियों में भी सहयोग की संभावनाएं तलाशेंगे। यह एमओयू प्रारंभ में पांच वर्ष के लिए किया गया है।

कल्पना चावला गार्डन में उत्सव समिति की तैयारी को लेकर हुई बैठक

कोलार की सबसे बड़ी मातारानी की झांकी का भूमिपूजन 20 को

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कोलार की सबसे बड़ी झांकी मातारानी की निरंतर 16 वें वर्ष में स्थापना को लेकर मां वैष्णोदेवी उत्सव समिति की मंगलवार को बैठक हुई।

कल्पना चावला गार्डन बी सेक्टर सर्वधर्म कॉलोनी में आयोजित बैठक में दुर्गा उत्सव मनाने की तैयारियों को लकर समिति के पदाधिकारियों ने चर्चा की। मां वैष्णोदेवी उत्सव एवं जन कल्याण समिति के अध्यक्ष राहुल सिंह राठौड़ ने बताया कि 20 सितंबर रविवार को मातारानी की

कोलार में मां की झांकी को लेकर आयोजित हुई बैठक।

स्थापना के लिए झांकी का भूमिपूजन किया जाएगा। इस वर्ष माता वैष्णो देवी के कटरा स्थित दरबार की स्थापना की जा रही है, जिसमें माता वैष्णोदेवी की तीनों पिंडियों के साथ त्रिकूट पर्वत पर स्थित गुफा में स्थित स्वर्ण मंदिर के भी दर्शन होंगे, जिसमें वैष्णोदेवी के साथ महाकाली, महालक्ष्मी एवं महासरस्वती भी प्रतिमा भी विराजित होगी। बैठक में मुकेश शाह, मोनू अहिरवार, मुकेश नवले, नवल किशोर सोनी, राधेश्याम पटेल, विष्णुकांत सराठे, कुंवर रामांश प्रताप सिंह समेत समिति के पदाधिकारी मौजूद थे।

भोपाल
बुधवार, 16 सितंबर 2026
भाद्रपद मास शुक्ल पक्ष-5
वर्ष : 13, अंक : 166
पृष्ठ : 14 मूल्य : 4.00 **

मौसम
अधि. 29
न्यून. 23

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

वित्तमंत्री ओपी बोले- सेवा, संकल्प अभियान है विकसित भारत का विजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

देश की राजनीति में 17 सितंबर 2026 एक ऐतिहासिक पड़ाव के रूप में दर्ज होने जा रहा है। नरेंद्र मोदी बतौर मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री लगातार 25 वर्ष पूरे करने वाले स्वतंत्र भारत के पहले नेता बन रहे हैं। इसी दिन वे अपने जीवन के 75 वर्ष भी पूर्ण करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संवैधानिक पद (मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री) पर 25 वर्ष पूरे होने और 75वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक एक माह का सेवा संकल्प अभियान चला रही है। इस अभियान की राष्ट्रीय समिति के सदस्य व छत्तीसगढ़ के वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने खास बातचीत में बताया, यह आयोजन केवल संगठन का नहीं, बल्कि समाज, सरकार और संगठन तीनों की सहभागिता से जनसेवा को समर्पित एक ऐतिहासिक पहल है। हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डा. हिमांशु द्विवेदी से खास मुलाकात में ओपी चौधरी ने न केवल इस अभियान की रूपरेखा बताई, बल्कि नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों की राजनीतिक यात्रा, उपलब्धियों और भाजपा की आगे की रणनीति पर भी विस्तार से चर्चा की। प्रस्तुत हैं प्रमुख अंशः-

वित्तमंत्री ओपी चौधरी के साथ डॉ. हिमांशु द्विवेदी की खास बातचीत

■ *सेवा संकल्प अभियान के लिए एक समिति बनी। आपसे जानना यह है, समिति जो बनी उसे कार्यक्रम दिया गया या जो समिति बनी उसने कार्यक्रम बनाया? पहले तो यहां से शुरुआत करते हैं। थोड़ा इस पर रोशनी डालेंगे?*

■ जी, भारतीय जनता पार्टी की जो कार्यप्रणाली है, आप भी बहुत अच्छे तरीके से समझते हैं, बहुत ही सामूहिकता की कार्यप्रणाली होती है और उसमें हर तरह के फीडबैक्स को वेलकम किया जाता है। कोई बहुत जूनियर कार्यकर्ता हो, कोई बहुत सीनियर कार्यकर्ता हो, कोई अनुभवी होते हैं, कोई यंग ब्लड होते हैं, सब तरह के विचारों को सुना जाता है, अलग-अलग फोरम से डेलिब्रेशंस किया जाता है। उसके बाद एक अच्छी योजना बना करके ऐसे काम किए जाते हैं जिससे जनता के दिल में स्थान बने, जिसमें एक्चुअल में जनता को फायदा भी हो। जन्मदिवस अगर नरेंद्र मोदी जी का मना रहे हैं तो 'सेवा दिवस' के रूप में मना रहे हैं। तो हम सेवा की थीम को लेकर के आगे बढ़ें और यह सब एक सामूहिक निर्णय प्रक्रिया के तहत होता है और बहुत ही क्लैरिटी के साथ जनसेवा उसका मुख्य थीम है।

■ *क्या पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने पहले कार्यक्रम की परिकल्पना की फिर आप सबको याद किया, या आप सबको याद किया और फिर कार्यक्रम की परिकल्पना आई?*

■ अलग-अलग प्लेटफॉर्म से, अलग-अलग तरीके से, अलग-अलग लोगों से डेलिब्रेशन करके बहुत सारे कार्यक्रमों की सूची बनी थी। उस सूची को हम लोगों ने तैयार किया, पूरी टीम ने सामूहिकता के साथ सूची तैयार की। उस समिति में, उस कमेटी में जो लोग हैं, उसके बाहर के भी अनेक महत्वपूर्ण लोगों से हमने चर्चा की, उनके फीडबैक लिए, सुझाव लिए और एक कलेक्शन बनाया। और उसके बाद हमने अपने ऊपर के संगठन के, हमारे सीनियर लोगों को दिखाकर के फिर उन्होंने फिर उसको शॉर्टलिस्टेड भी करना था, ऑब्वियस सी बात है बहुत सारे कार्यक्रम नहीं हो सकते, तो फिर बाद में हमारे इस संगठन के अनुभवी लोगों से हमने परामर्श करके शॉर्टलिस्टिंग का काम किया।

■ *तो फाइनल कार्यक्रम का स्वरूप क्या बना है? एक महीने तक कार्यक्रम चलाना है, एक दिन का समझ में आता है, एक हफ्ते का भी समझ में आता है, आप तो एक महीने तक ले बैठे हैं।*

■ भारतीय जनता पार्टी में एक महीना क्या, 365 दिन काम करने वाले हमारे सभी कार्यकर्ता साथी हैं। भारत देश की जनता में भी इतना नरेंद्र मोदी के लिए समर्पण है कि नरेंद्र मोदी के लिए आम लोग, सामाजिक लोग, शैक्षणिक लोग, विभिन्न प्रकार के प्रोफेशनल लोग भी हमेशा उनके लिए कुछ अच्छा करने के लिए प्रतिबद्ध रहते हैं। तो ▶▶ शेष पेज 4 पर

खबर संक्षेप

राज्यपाल की नियुक्ति मामले में फैसला सुरक्षित

जबलपुर। मप्र के राज्यपाल मंगुभाई पटेल का पांच साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद नए राज्यपाल की नियुक्ति नहीं होने को लेकर दायर जनहित याचिका पर मंगलवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद खंडपीठ ने फैसला सुरक्षित रख लिया। मंगुभाई पटेल ने 8 जुलाई 2021 को राज्यपाल पद संभाला था और उनका कार्यकाल 7 जुलाई 2026 को पूरा हो चुका है।

राजपाल को दो हफ्ते में जमा करने होंगे 2 करोड़

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अभिनेता राजपाल यादव को चेक बाउंस मामले में दो हफ्ते के भीतर कम से कम 2 करोड़ रुपए रजिस्ट्री में जमा करने का आखिरी मौका दिया। मामले में उन पर मुरली प्रोडक्शंस के मालिक के करीब 5 करोड़ रुपए बकाया होने का आरोप है। यादव के वकील ने कोर्ट को भरोसा दिलाया कि तय समय में 2 करोड़ रुपए जमा किए जाएंगे और बाकी रकम के लिए जमानत दी जाएगी।

बेरोजगारी दर छह महीने के निचले स्तर पर पहुंची

नई दिल्ली। अगस्त में भारत की बेरोजगारी दर घटकर छह महीने के निचले स्तर 5% पर आ गई, जो जुलाई में 5.1% थी। ताजा आंकड़ों के अनुसार, बेरोजगारी में कमी की प्रमुख वजह ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की स्थिति में सुधार रहा। ग्रामीण बेरोजगारी दर जुलाई के 4.5% से घटकर 4.1% हो गई, जबकि शहरी बेरोजगारी 6.7% से बढ़कर 6.8% हो गई। अगस्त में वर्कर पॉपुलेशन रेश्यो बढ़कर 52.8% हो गया।

नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया का बड़ा ऐलान

यूपीआई से 2000 रु. से अधिक के लेन-देन पर 0.4% तक एमडीआर

यूपीआई शुल्क के मुद्दे पर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर हमला बोला

इससे प्राप्त आय का उपयोग भुगतान बुनियादी ढांचे में निवेश के लिए किया जाएगा। साथ ही, साइबर सुरक्षा, नवाचार और ग्राहक सेवा को बेहतर बनाने में भी मदद मिलेगी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। 15 अक्टूबर से चुनिंदा पर्सन-टू-मर्चेंट (पी2एम) यूपीआई लेन-देन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लगेगा। यह बदलाव डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में एक नया अध्याय शुरू करेगा।

एनपीसीआई के अनुसार, 2,000 रुपए से अधिक के लेनदेन पर व्यापारियों को 0.4 फीसदी का शुल्क देना होगा। 75,000 रुपए या उससे अधिक के प्रति भुगतान पर अधिकतम शुल्क 300 रुपए तय किया गया है। यह नया ढांचा यूपीआई पारिस्थितिकी तंत्र के लिए अधिक टिकाऊ वाणिज्यिक मॉडल बनाने के उद्देश्य से है। इससे प्राप्त आय का उपयोग भुगतान बुनियादी ढांचे में निवेश के लिए किया जाएगा। साथ ही, साइबर सुरक्षा, नवाचार और ग्राहक सेवा को बेहतर बनाने में भी मदद मिलेगी। यह कदम डिजिटल लेनदेन को और मजबूत ▶▶ शेष पेज 4 पर

यह फैसला 15 अक्टूबर से लागू होगा एमडीआर यानी मर्चेंट डिस्काउंट रेट

फाइल फोटो

75,000 रुपए या उससे अधिक के भुगतान पर अधिकतम शुल्क 300 रुपए तय किया गया

अगस्त 2026 में यूपीआई पर करीब 2451 करोड़ लेन-देन हुए, कुल कीमत करीब 29.82 लाख करोड़ रही

15 अक्टूबर से क्या बदलेगा? नए ढांचे के अनुसार:

- 2,000 तक के यूपीआई भुगतान पर एमडीआर नहीं लगेगा।
- 2,000 से अधिक के निर्धारित लेन-देन पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर लागू होगा।
- 75,000 या उससे अधिक के सामान्य लेन-देन पर एमडीआर अधिकतम 300 प्रति लेन-देन रहेगा।
- एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को भेजे जाने वाले यूपीआई भुगतान पर कोई शुल्क नहीं होगा।
- रेलवे, टेलीकॉम, बीमा और ईंधन जैसी कुछ श्रेणियों के लिए अलग रियायती व्यवस्था के तहत 5 रुपए का फ्लैट एमडीआर रखा गया है।

यूपीआई शुल्क पर राहुल गांधी का तंज
अमेरिकी दबाव के आगे सरेंडर कर रहे मोदी

राहुल गांधी

यूपीआई शुल्क के मुद्दे पर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर हमला बोला है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर अमेरिकी दबाव के आगे झुक रहे हैं और सरकार ने 2000 रुपए से अधिक के मर्चेंट यूपीआई लेन-देन पर शुल्क लगाने का रास्ता खोल दिया है। उन्होंने दावा किया कि ऐसे लेनदेन संख्या में भले करीब 5 प्रतिशत हों, लेकिन यूपीआई की कुल ट्रांजेक्शन वैल्यू में इनकी हिस्सेदारी लगभग 65 प्रतिशत है।

छात्रों की गूंज पर विजयवर्गीय बोले
रैपर को बुलाने की जरूरत क्या है राहुल गांधी खुद ही काफी हैं

कैलाश विजयवर्गीय

इंदौर। 19 सितंबर को इंदौर में राहुल गांधी के प्रस्तावित कार्यक्रम छात्रों की गूंज को लेकर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कार्यक्रम में रैपर को बुलाए पर कहा कि रैपर को बुलाने की आवश्यकता क्या है, राहुल गांधी खुद ही काफी हैं। विजयवर्गीय ने बताया कि जिस स्थान पर कार्यक्रम की अनुमति मांगी गई थी, वहां कोर्ट के चलते अनुमति नहीं मिल सकी।

पुलिस भीड़ को नियंत्रित करने के दौरान हल्का बल प्रयोग करते हुए

गर्भवती महिला से मारपीट के आरोप में बवाल
थाना घेरा... पुलिस पर पथराव लाठियों व आंसू गैस से खदेड़ा

- दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई और पीड़ित परिवार को मुआवजे की मांग
- जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग किरनापुर थाने पहुंचे

जिले भर से जुटे लोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बालाघाट

किरनापुर थाने में पति-पत्नी से कथित मारपीट के मामले को लेकर मंगलवार को मरार माली समाज के हजारों लोगों ने प्रदर्शन किया। जिले के अलग-अलग क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग किरनापुर पहुंचे और रैली निकालकर थाने का घेराव किया। प्रदर्शनकारियों ने मामले में दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई और पीड़ित परिवार को न्याय व मुआवजा देने की मांग की। इसी दौरान कुछ लोगों ने थाने के सामने का गेट खोलकर अंदर प्रवेश करने का प्रयास किया। ▶▶ शेष पेज 4 पर

चार पुलिसवाले निलंबित किए जा चुके

घटना 2 सितंबर की है, जबकि मामला 7 सितंबर को सामने आया। मामला सामने आने के बाद एसपी आदित्य मिश्रा ने उपनिरीक्षक दामेंद्र तुरकर, प्रधान आरक्षक आशीष बघेल, आरक्षक कपिल बघेल और महिला आरक्षक मेघा टेकाम को निलंबित कर दिया था। एसपी ने मामले की जांच के लिए डीएसपी प्रतिष्ठा राठौर के नेतृत्व में चार सदस्यीय एसआईटी ▶▶ शेष पेज 4 पर

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा
खड़े ट्रक में जा घुसी कार, 3 श्रद्धालुओं की मौत, एक गंभीर

हरियाणा से सांवरिया सेठ और खाटू श्याम जी के दर्शन के लिए जा रहे थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंदसौर

दुर्घटना के बाद कार की स्थिति

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर मंगलवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा गरोठ थाना क्षेत्र में सुबह करीब 4:30 बजे हुआ, जब हरियाणा से सांवरिया सेठ और खाटू श्याम जी के दर्शन के लिए जा रही एक तेज रफ्तार कार सड़क किनारे खड़े ट्रक ▶▶ शेष पेज 4 पर

कर्नल सोफिया कुरैशी पर टिप्पणी का मामला
शाह के खिलाफ केस चलाने की अनुमति नहीं देगी सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

विजय शाह

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सेना के पराक्रम की जानकारी देश के सामने रखने वाली सैन्य अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित टिप्पणी करने वाले पमंत्री विजय शाह के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति नहीं देने का फैसला सरकार ने किया है। राज्य सरकार इस संबंध में अपनी रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में पेश करेगी। कैबिनेट की अनुशंसा पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल की मंजूरी के बाद गृह विभाग ने आदेश के प्रारूप का विधि एवं विधायी विभाग से परीक्षण कराकर उसे मुख्यमंत्री कार्यालय भेज दिया है। सीएमओ ▶▶ शेष पेज 4 पर

कैबिनेट की अनुशंसा पर राज्यपाल की मंजूरी सुप्रीम कोर्ट में देगी रिपोर्ट

ओवैसी ने विधायक रामेश्वर शर्मा को दी खुली चुनौती
माई के लाल हो तो बताओ मिसाइल कब गिराओगे यहां अकेला ठहरूंगा, हिम्मत है तो गिराकर बताओ

भोपाल की यूसीसी विरोधी सभा में एआईएमआईएम प्रमुख का तीखा हमला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

जनसभा को संबोधित करते ओवैसी

समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के विरोध में भोपाल पहुंचे एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा के 'मिसाइल' वाले बयान पर तीखा पलटवार किया। सेंट्रल लाइब्रेरी ग्राउंड में आयोजित जनसभा में ओवैसी ने मंच से शर्मा को खुली चुनौती देते हुए कहा कि यदि उनमें दम है तो बताएं कि काजी कैंप पर मिसाइल ▶▶ शेष पेज 4 पर

यूसीसी को बताया विविधता खत्म करने की कोशिश

जनसभा और प्रेस कॉन्फ्रेंस में ओवैसी ने यूसीसी को लेकर केंद्र और राज्य सरकारों पर भी निशाना साधा। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 14, 25, 26 और 29 का हवाला देते हुए कहा कि देश के नागरिकों को समानता के साथ धर्म का पालन और संरक्षण करने का अधिकार मिला है। ओवैसी ने आरोप ▶▶ शेष पेज 4 पर

भोपाल के रहवासी इलाकों में कारोबार
62,500 प्रतिष्ठानों के मामले में सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई टली

जस्टिस के अवकाश पर होने से नहीं हो सकी सुनवाई

निगम 8,084 को नोटिस और 190 प्रतिष्ठान बंद करने की रिपोर्ट दाखिल कर चुका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शहर के रहवासी इलाकों में संचालित व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के मामले में मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तावित सुनवाई टल गई। संबंधित जस्टिस के अवकाश पर होने के कारण सुनवाई नहीं हो सकी। अब अगली तारीख बाद में तय की जाएगी। मामले में भोपाल के करीब 62,500 प्रतिष्ठानों का रिकॉर्ड और नगर निगम की अब तक की कार्रवाई अहम है। निगम सुप्रीम कोर्ट में अपनी एक्शन टेकन रिपोर्ट दाखिल कर चुका है, जबकि रहवासियों की ओर से कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए दस्तावेज और आपत्तियां कोर्ट के समक्ष रखी गई हैं। रहवासियों का दावा है कि नगर निगम की कार्रवाई के बावजूद कुछ प्रतिष्ठान दोबारा खुल गए हैं। इससे कार्रवाई की प्रभावशीलता पर सवाल उठ रहे हैं। आवासीय भवनों के व्यावसायिक उपयोग और अवैध निर्माण के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 5 अगस्त को महत्वपूर्ण आदेश दिए थे। इसके बाद नगर निगम ने रहवासी क्षेत्रों में संचालित व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को नोटिस ▶▶ शेष पेज 4 पर

मेटा ने भारत में बच्चों के यौन शोषण से जुड़े मामलों को लेकर बड़ा फैसला किया
ऐसे मामलों की जानकारी भारतीय कानून लागू करने वाली एजेंसियों के साथ साझा करने पर सहमति जताई

इंस्टाग्राम और फेसबुक पर आने वाले गंभीर मामलों की जांच में मिलेगी मदद

अगर मेटा के प्लेटफॉर्म पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़ा कोई गंभीर मामला सामने आता है, तो उसकी जानकारी सिर्फ कंटेंट हटाने तक सीमित नहीं रहेगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत सरकार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बच्चों से जुड़े यौन शोषण और हानिकारक कंटेंट को लेकर सख्त है। इसी बीच मेटा ने ऐसे मामलों की जानकारी भारतीय कानून लागू करने वाली एजेंसियों को देने पर सहमति जताई है। इससे इंस्टाग्राम और फेसबुक पर सामने आने वाले गंभीर मामलों की जांच में मदद मिल सकती है। सरकार सोशल मीडिया कंपनियों के साथ बातचीत कर रही है। मेटा ने भारत में बच्चों के यौन शोषण से जुड़े मामलों को लेकर बड़ा फैसला किया है कंपनी ऐसे मामलों की जानकारी भारतीय कानून लागू करने वाली एजेंसियों के साथ शेयर करने पर सहमत हो गई है। इसका सीधा मतलब है कि अगर मेटा के प्लेटफॉर्म पर ▶▶ शेष पेज 4 पर

फाइल फोटो

आखिर पूरा मामला क्या है?

भारत में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बच्चों की सुरक्षा को लेकर सरकार का दबाव बढ़ रहा है। खासकर बच्चों से जुड़े यौन शोषण के कंटेंट को लेकर कंपनियों से सवाल पूछे जा रहे हैं। इसी सिलसिले में राष्ट्रीय बाल ▶▶ शेष पेज 4 पर

पॉक्सो कानून भी है अहम

भारत में बच्चों के यौन अपराधों से जुड़े मामलों में पॉक्सो कानून लागू होता है। इस कानून के तहत बच्चों को यौन अपराधों से बचाने के लिए सख्त प्रावधान हैं। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर ऐसे ▶▶ शेष पेज 4 पर

हर बूथ तक सेवा संकल्प अभियान के सभी कार्यक्रमों को प्रभावी बनाएं: शिव प्रकाश

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 17 सितंबर को जन्मदिवस पर 'सेवा संकल्प अभियान' की शुरुआत सेवा कार्यों व दीपोत्सव कार्यक्रम के साथ होगी और इसका समापन 17 अक्टूबर को होगा।

प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के सुशासन और जनसेवा के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने का यह अच्छा अवसर है। 25 वर्षों की उपलब्धियों को अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना हमारा लक्ष्य है, ताकि लोगों तक सरकार के कार्यों की जानकारी पहुंचने के साथ-साथ उन्हें योजनाओं का लाभ भी मिल सके। कार्यकर्ता कार्य की प्रकृति के अनुरूप बेहतर परिणाम के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करें।

जन-जन तक सेवा और सुशासन के संकल्प को पहुंचाने का माध्यम बने अभियान: खंडेलवाल

भाजपा की बैठक का आयोजन।

प्रभावी रहे कार्यक्रम

शिव प्रकाश मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में 'सेवा संकल्प अभियान' को लेकर प्रदेश स्तरीय टोली, विभिन्न कार्यक्रमों की प्रदेश स्तरीय टोलियों एवं संभाग प्रभारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हर बूथ तक सेवा संकल्प अभियान के सभी कार्यक्रमों को प्रभावी बनाने के लिए काम करें।

कार्यक्रम का उद्देश्य अधिक लोगों को सेवा कार्य से जोड़ना

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि कार्यक्रमों की संख्या नहीं, बल्कि उनकी प्रभावशीलता, गुणवत्ता और जनभागीदारी अधिक महत्वपूर्ण है। अभियान का उद्देश्य केवल कार्यक्रम करना नहीं, बल्कि अधिक से अधिक लोगों को सेवा कार्यों से जोड़ना है। सेवा से संगठन, संगठन से समाज और समाज से राष्ट्र निर्माण यही 'सेवा संकल्प अभियान' की मूल भावना है। उन्होंने कहा कि अभियान को जन-जन तक सेवा और सुशासन के संकल्प को पहुंचाने का माध्यम बनाएं। खण्डेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजनीति को सेवा, सुशासन और जनकल्याण का माध्यम बनाकर देश के विकास को नई दिशा दी है। 'सेवा संकल्प अभियान' इसी विचार को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और सेवा कार्यों को जनभागीदारी से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बनेगा। बैठक को प्रदेश प्रभारी डॉ महेंद्र सिंह एवं क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने भी संबोधित किया।

नबीन 17 से दो दिन के लिए इंदौर और उज्जैन के प्रवास पर

भोपाल। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन 17 एवं 18 सितंबर को मध्यप्रदेश के प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे इंदौर और उज्जैन में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे। वे 17 सितंबर को दोपहर 1:45 बजे देवी अहिल्याबाई होल्कर विमानतल, इंदौर पहुंचेंगे। तत्पश्चात दोपहर 2:00 बजे स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे। दोपहर 2:55 बजे इंदौर के गांधी नगर ग्राउंड में स्वामित्व योजना के अंतर्गत नई राज्यव्यापी पंजीयन प्रक्रिया का शुभारंभ करेंगे। इसके पश्चात सायं 5:05 बजे उज्जैन पहुंचेंगे। नितिन नबीन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत सायं 6:45 बजे उज्जैन के रामघाट पर शिप्रा आरती, 'आशीर्वाद का दीया' प्रज्ज्वलन में सहभागिता करेंगे। वे रात्रि 8:00 बजे रामघाट पर आयोजित भजन संध्या में भी शामिल होंगे। नबीन 18 सितंबर को प्रातः 4:05 बजे उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर में भस्म आरती में शामिल होंगे। वे प्रातः 9:30 बजे उज्जैन से इंदौर के लिए रवाना होंगे तथा 10:00 बजे इंदौर विमानतल से पंजाब के लिए प्रस्थान करेंगे।

■ अभियान' के तहत आरती, 'आशीर्वाद का दीया' प्रज्ज्वलन में सहभागिता करेंगे

परिवहन विभाग की 11 योजनाओं की निरंतरता के लिए 1166 करोड़ रुपए की मंजूरी

अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण, शिक्षा के लिए 78 हजार करोड़ की कैबिनेट से स्वीकृति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र कैबिनेट ने मंगलवार को प्रदेश के सर्वांगीण विकास, अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण और जनकल्याण को गति देने के लिए 42 हजार 490 करोड़ रुपए से अधिक के प्रस्तावों को मंजूरी दी। स्कूली शिक्षा के विस्तार के लिए केन्द्र प्रवर्तित 'समग्र शिक्षा योजना' की आगामी पांच वर्षों की निरंतरता के लिए 36 हजार 6 करोड़ रुपए से अधिक की स्वीकृति प्रदान की। परिवहन विभाग की 11 योजनाओं के लिए 1 हजार 166 करोड़ रुपए तथा किसानों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से उद्यानिकी विभाग की 8 योजनाओं के लिए 491 करोड़ रुपए की निरंतरता अनुमोदित की गई।

कैबिनेट की बैठक मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रालय में हुई। इसमें उज्जैन की चितावद, सिंगरौली की गौंड तथा अशोकनगर की चंदेरी सिंचाई परियोजनाओं के लिए 2 हजार 600 करोड़ रुपए से अधिक स्वीकृत किए गए। नवगठित जिलों मैहर, मऊगंज और पांढुर्णा में खनिज शाखा की स्थापना के लिए 21 नवीन पदों, अनूपपुर व शहडोल के उन्नयित स्कूलों के लिए 36 पदों के सृजन को स्वीकृति दी गई। रक्षाबंधन पर लाड़ली बहनों को 250 रुपए की अतिरिक्त विशेष सहायता दिए जाने का अनुसमर्थन और मार्कफेड को 2,220 करोड़ रुपए का ब्याज मुक्त ऋण देने का भी महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया।

सिंगरौली की गौंड वृहद, अशोकनगर की चंदेरी माईक्रो के लिए करीब ढ़ाई हजार करोड़ रुपए

रबी विपणन वर्ष 2024-25 के खाद्यान्न साख-सीमा ऋण के लिए ब्याज मुक्त ऋण की स्वीकृति

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक का आयोजन।

समग्र शिक्षा योजना की निरंतरता के लिए 36,006 करोड़ रुपए की स्वीकृति

कैबिनेट ने केन्द्र प्रवर्तित योजना समग्र शिक्षा के वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक निरंतर संचालन के लिए 36,006.22 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है। उड़नदस्ता एवं चेक पॉइंट की स्थापना व्यय के लिए सर्वाधिक 377 करोड़ 41 लाख रुपए तथा जिला स्थापना व्यय के लिए 361 करोड़ 89 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। सड़क हादसों में पीड़ितों की मदद करने वाले नागरिकों को प्रोत्साहित करने के लिए 'नेक व्यक्ति पुरस्कार' के लिए 1 करोड़ 25 लाख रुपए और सार्वजनिक सड़क परिवहन में महिलाओं की सुरक्षा (निर्भया फंड) के लिए आवश्यक वित्तीय प्रावधान को स्वीकृति दी गई है।

सिंचाई परियोजना के लिए 11 करोड़ 49 लाख मंजूर

कैबिनेट ने अशोकनगर जिले में स्थित चंदेरी माईक्रो सिंचाई परियोजना की वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक की निरंतरता के लिए 11 करोड़ 49 लाख रुपए की स्वीकृति दी है। जल संसाधन विभाग के तहत चंदेरी माईक्रो सिंचाई परियोजना का मुख्य उद्देश्य सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली का निर्माण कर अशोकनगर जिले के 28 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराना है।

4 हाई स्कूल के लिए 36 नियमित पदों की स्वीकृति

अनूपपुर और शहडोल में माध्यमिक शाला से हाई स्कूल में उन्नयित एवं संचालित 04 विद्यालयों केल्हौरी, बाड़ीखार एवं भालूमाड़ा जिला अनूपपुर एवं नवलपुर जिला शहडोल के लिए प्राचार्य हाई स्कूल के 04, प्राथमिक शिक्षक के 04 एवं सहायक ग्रेड 3 के 04 कुल 36 नियमित पदों की स्वीकृति दी है।

मुख्यमंत्री आज इंदौर में इंफोसिस के नए सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट ब्लॉक का करेंगे शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 16 सितंबर को इंदौर के सुपर कॉरिडोर स्थित इंफोसिस परिसर में नए सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट ब्लॉक-2 (एसडीबी-2) का शुभारंभ करेंगे। यह ब्लॉक 3 लाख 30 हजार वर्गफीट क्षेत्रफल में विकसित किया गया है जो प्रदेश में उन्नत तकनीकी क्षमताओं तथा रोजगारपरक टैलेंट इको सिस्टम को और सशक्त करेगा। इंफोसिस मप्र के बढ़ते टैलेंट पूल का लाभ लेने के साथ प्रदेश के शैक्षणिक एवं तकनीकी इको सिस्टम के साथ अपना जुड़ाव भी मजबूत करेगी। इसके अंतर्गत स्किलिंग कार्यक्रमों एवं संस्थागत साझेदारियों के माध्यम से आईआईटी इंदौर, आईआईएम इंदौर और देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के साथ सहभागिता को विस्तार दिया जाएगा। इंफोसिस इंदौर में वर्तमान में 3 हजार 300 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं, जो बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं एवं बीमा, हेल्थकेयर, रिटेल, फार्मा एवं लाइफ साइंसेज तथा मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में वैश्विक ग्राहकों को सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। विस्तारित केंद्र से क्लाउड, एप्लीकेशन डेवलपमेंट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग तथा साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में कंपनी की क्षमताओं का विस्तार होगा। इंफोसिस इंदौर में नया भवन पर्यावरण अनुकूल एवं ऊर्जा दक्ष बनाया गया है। ग्रीन बिल्डिंग मानकों के अनुरूप विकसित किया गया है।

सीएम ने कंपनी को सौंपा आशय पत्र

मप्र में सीमेंस एनर्जी की बड़ी पॉवर ट्रांसफार्मर निर्माण इकाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र को ऊर्जा उपकरण विनिर्माण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को मंत्रालय में सीमेंस एनर्जी इंडिया लिमिटेड को उज्जैन स्थित विक्रम उद्योगपुरी फेज-2 में 60.49 एकड़ भूमि का आशय पत्र (लेटर ऑफ इंटेंट) प्रदान किया। सीमेंस कंपनी की ओर से यहां एक बड़ी क्षमता के पॉवर ट्रांसफार्मर के निर्माण के लिए लगभग 2,053 करोड़ रुपए का निवेश करने का प्रस्ताव दिया गया है। कंपनी की यूनिट स्थापना से 1500 से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सीमेंस कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी गुइल्हर्मे मेंडोंका, मुख्य वित्तीय अधिकारी हरीश शेखर तथा हेड-रियल एस्टेट पुनीत बंसल को भूमि का आशय पत्र सौंपा। मप्र औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध संचालक चंद्रमौली शुक्ला भी मौजूद थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मप्र उद्योगों के लिए अनुकूल नीतियों, बेहतर कनेक्टिविटी, उपलब्ध भूमि बैंक, विश्वस्तरीय औद्योगिक अधोसंरचना और निवेशक अनुकूल वातावरण के कारण देश के अग्रणी निवेश गंतव्यों में तेजी से उभर रहा है।

आशय-पत्र सौंपते हुए।

राज्य सरकार हर संभव सहयोग के लिए प्रतिबद्ध

राज्य सरकार औद्योगिक निवेशों के त्वरित क्रियान्वयन तथा रोजगार सृजन के लिए हर संभव सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी की प्रस्तावित परियोजना मप्र को देश के उभरते ऊर्जा उपकरण एवं विद्युत अवसंरचना विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ऊर्जा भंडारण तथा डीकार्बोनाइजेशन समाधानों से जुड़ी अग्रणी कंपनी - सीमेंस एनर्जी इंडिया लिमिटेड ऊर्जा उत्पादन, ऊर्जा संचरण, औद्योगिक विद्युतीकरण, ऊर्जा भंडारण तथा डीकार्बोनाइजेशन समाधानों से जुड़ी अग्रणी कंपनी है। कंपनी का दक्षिण एशिया क्षेत्र में व्यापक परिचालन है और यह वैश्विक स्तर की इंजीनियरिंग एवं अनुसंधान क्षमताओं के लिए जानी जाती है। कंपनी की इस प्रस्तावित इकाई में बड़ी क्षमता के पावर ट्रांसफार्मरों का निर्माण किया जाएगा।

ऊर्जा उपकरण विनिर्माण के एक महत्वपूर्ण केंद्र

परियोजना के क्रियान्वयन के साथ विक्रम उद्योगपुरी फेज-2 में औद्योगिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी तथा उज्जैन और आसपास के क्षेत्र ऊर्जा उपकरण विनिर्माण के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित होंगे। कंपनी का यह निवेश मध्यप्रदेश की औद्योगिक प्रगति, आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य और ऊर्जा अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

वेटरनरी डॉक्टरों की मुख्यमंत्री से गुहार

भोपाल। मप्र पशुपालन विभाग में पदोन्नति को लेकर विवाद थमता नजर नहीं आ रहा है। वेटरनरी डॉक्टर्स एसोसिएशन ने इस मामले में प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के तहत हस्तक्षेप की मांग करते हुए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और सामान्य प्रशासन विभाग को पत्र लिखा है। एसोसिएशन ने कहा है कि कानून के अनुसार हर व्यक्ति को सुने जाने का अधिकार है। इसलिए पदोन्नत कर्मियों के विरुद्ध कोई भी कार्यवाही करने से पहले उन्हें एक बार अपनी बात रखने का अवसर दिया जाना चाहिए। अध्यक्ष डॉ. हीरा सिंह भंवर ने बताया कि पद की गरिमा की रक्षा हेतु सुने जाने के सिद्धांत की अपेक्षा करते हुए शासन को इस संबंध में पूर्व में 21 अगस्त को भी पत्र दिया जा चुका है।

बीयू में अब छात्र भर रहे हुंकार...

राजधानी के बहुचर्चित विश्वविद्यालय में इन दिनों शिक्षण कार्य बड़ी प्रगति के पथ पर तेजी से अग्रसर होता दिख रहा है। यहां प्रवेश से लेकर परीक्षा परिणाम तक सभी में कभी खुशी_ कभी गम के साए के बीच अब चर्चा है कि विवि में छात्रों ने अपनी बात रखने के लिए नई व्यवस्था को जमाना शुरू कर दिया है। बताया गया है कि अब विवि में छात्र हुंकार अभियान शुरू कर रहे हैं। यह कार्यक्रम मंगलवार से शुरू हुआ है, जो 18 सितंबर तक चलेगा। इस अभियान के तहत छात्र आपकी समस्या- आपका सुझाव, हमारी जिम्मेदारी- हमारा प्रयास के तहत कार्य कर रहे हैं। इस अभियान में छात्र हर विभाग में सीधी बात करेंगे। सुबह 7 से 11 बजे के बीच किसी भी विभाग से संबंधित समस्या को लेकर छात्र अपनी बात रख सकते हैं। ऐसे में सुना गया है कि छात्र विवि की व्यवस्थाओं से लेकर प्रशासन तक की बात सीधे रख सकेंगे। अभियान में कहीं न कहीं जेनजी जैसी परछाई नजर आ रही है। यह अभियान एनएसयूआई के माध्यम शुरू किया जाना बताया गया है।

ई-ज्ञान सेतु पर उपलब्ध होंगे सत्यापित ई-कंटेंट

प्रदेश में अब उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अब लगातार नवाचार किया जा रहा है। इसके तहत विभाग ने विद्यार्थियों के लिए वीडियो कंटेंट उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य शुरू किया है। उच्च शिक्षा को अधिक सुलभ, गुणवत्तापूर्ण और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग ने महत्वपूर्ण पहल की है। उच्च शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार ने भी पहले ही ई-ज्ञानसेतु यूट्यूब चैनल पर ई-कंटेंट वीडियो के अपलोड एवं प्रकाशन कार्य की शुरूआत कर दी है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को स्नातक स्तर के विभिन्न विषयों एवं पाठ्यक्रमों की गुणवत्तापूर्ण, प्रमाणिक एवं सत्यापित डिजिटल अध्ययन सामग्री उपलब्ध होगी। बताया गया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप आधुनिक तकनीक के साथ विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा, भाषा और संस्कृति से जोडऩा भी आवश्यक है। इसी दृष्टि से ई-कंटेंट में भारतीय ज्ञान परंपरा से संबंधित विषयों को स्थान दिया जा रहा है। यह उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा कदम बताया गया है।

संजीव सक्सेना

कार्यकर्ताओं ने किया इंदौर पहुंचने का आह्वान

'छात्रों की गूंज' को लेकर कांग्रेस ने किया छात्रों से जनसंपर्क

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

इंदौर में 19 सितंबर को आयोजित होने वाले 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में राहुल गांधी युवाओं और छात्रों से संवाद करेंगे। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर मंगलवार को कोलार में प्रदेश कांग्रेस सचिव राजकुमार सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने 19 सितंबर को इंदौर पहुंचने का किया आह्वान कर छात्रों के बीच पहुंचकर जनसंपर्क एवं संवाद किया।

राजकुमार सिंह ने बताया कि कोलार के छात्रों और युवाओं के चर्चा कर राहुल गांधी कार्यक्रम में सहभागी बनने के लिए आमंत्रित किया गया। साथ ही छात्रों का रजिस्ट्रेशन करवाकर उनकी समस्याओं, सवालों और विचारों को राहुल गांधी तक पहुंचाने के लिए भी संवाद किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों में कार्यक्रम को लेकर उत्साह देखने को मिला। युवाओं से संवाद करते हुए कहा गया कि देश के भविष्य की आवाज को मजबूत मंच मिलना आवश्यक है और छात्रों के सवाल एवं उनकी समस्याएं सीधे तौर पर नेतृत्व तक पहुंचनी चाहिए। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना, अभिषेक शर्मा, राहुल बबेले, रामराज तिवारी, अरविंद चौधरी, निशांत सूर्यवंशी, माही राजपूत, वर्षा अहिरवार, लक्ष्मी प्रजापति, तनिष्क चौरसिया, सौरभ पटेल, ऋषभ भाट, शेरयांश गोस्वामी, अभि वर्मा, देव अहिरवार एवं प्राची वर्मा सहित अन्य छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

भाजपा नेताओं ने पार्टी ध्वज दिखाकर किया रवाना

भाजपा कार्यालय से हरी झंडी दिखाकर रवाना हुई युवा मोर्चा की बाइकर्स टोली

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा और समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने पर भारतीय जनता पार्टी के सेवा संकल्प अभियान के तहत उत्तर प्रदेश के वाराणसी से गुजरात के वडनगर तक आयोजित जल, जन सेवा संकल्प यात्रा में शामिल होने वाली मध्यप्रदेश युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं की बाइकर्स टोली को मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय से पार्टी ध्वज दिखाकर रवाना किया गया।

प्रदेश शासन के मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ प्रभुराम चौधरी, सुरेन्द्र शर्मा, डॉ निशांत खरे, प्रदेश महामंत्री व सेवा संकल्प अभियान के प्रदेश संयोजक राहुल कोठारी, तीर्थ स्थान मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष व अभियान की प्रदेश टोली के सदस्य विनोद गोटिया, प्रदेश मंत्री क्षितिज भट्ट एवं मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर ने हरी झंडी दिखाकर युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं की बाइकर्स टोली को वाराणसी के लिए रवाना किया।

बाइकर्स रैली में शामिल युमो कार्यकर्ता।

बालाघाट जाकर आदिवासी बच्चों के परिजनों से की मुलाकात और उन्हें बंधाया ढांढस

पीड़ित परिवारों से मिले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता

स्वास्थ्य सेवाएं गांव तक पहुंच रहीं तो बीमार बच्चे अस्पताल क्यों नहीं पहुंच सके: पटवारी

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी एवं आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रांत भूरिया ने मंगलवार को बालाघाट पहुंचकर समय पर उपचार नहीं मिलने से दिवंगत हुए मासूम आदिवासी बच्चों के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें ढांढस बंधाया।

नेताओं ने पूरे मामले की जानकारी ली। इसके बाद आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए पटवारी ने आदिवासी बच्चों की मौत को लेकर प्रदेश सरकार पर गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि यदि स्वास्थ्य सेवाएं गांव तक पहुंच रही हैं तो बीमार बच्चे अस्पताल क्यों नहीं पहुंचे? अगर सरकार पहले से सतर्क थी, तो स्थिति गंभीर होने से पहले रोकथाम क्यों नहीं हुई? मुख्यमंत्री से सीधा सवाल है कि आदिवासी बच्चे सरकार की प्राथमिकता में कहां हैं? उन्होंने कहा कि बालाघाट की घटना केवल एक जिले का मामला नहीं है, बल्कि यह मध्य प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था, कुपोषण और आदिवासी क्षेत्रों में सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

प्रदेश सरकार पर खड़े किए कई गंभीर सवाल

जनसभा को संबोधित करते जीतू

जनसभा में मौजूद कांग्रेस पदाधिकारी।

जवाबदेही और न्याय की जरूरत

पटवारी ने कहा कि छोटे-छोटे बच्चों की मौत पर राजनीति नहीं, बल्कि जवाबदेही और न्याय की जरूरत है।उन्होंने आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश में सरकार की लापरवाही और भ्रष्टाचार का सबसे ज्यादा खामियाजा गरीब, आदिवासी परिवारों और बच्चों को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि बालाघाट से लेकर श्योपुर, झाबुआ, अलीराजपुर, धार, मंडला और डिंडोरी तक आदिवासी अंचलों में कुपोषण, स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर लगातार शिकायतें सामने आती रही हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी आदिवासी बच्चों और उनके परिवारों को न्याय दिलाने की लड़ाई सड़क से लेकर विधानसभा तक जारी रखेगी।

हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, बुधवार 16 सितंबर 2026

7 गांधी नगर में बाप-बेटी कर रहे थे गांजे की तस्करी...

8 'संत राग' की सुरमयी प्रस्तुति ने भर दिए करुणा, प्रेम...

एंथ्रोपिक: क्लॉड के फेबल 5.1 बिल्ड डेज के वैश्विक घोषणा वीडियो में मप्र की राजधानी चमकी, विश्वभर में प्रतिभा को मिलेगी पहचान

एआई टेलेंट में दुनिया के टॉप 23 शहरों में भारत से भोपाल का नाम

आत्माराम सोनी ▶▶ भोपाल

अलग खबर

एआई क्षेत्र में भोपाल की बढ़ती पहचान को वैश्विक मंच पर जगह मिली है। क्लॉड के आधिकारिक खाते से जारी फेबल 5.1 बिल्ड डेज के वैश्विक घोषणा वीडियो में शामिल 23 शहरों में भारत से केवल भोपाल का नाम प्रदर्शित किया गया है।

न्यूयॉर्क, सैन फ्रांसिस्को, सिंगापुर, टोक्यो और सिडनी जैसे अंतरराष्ट्रीय शहरों के साथ भोपाल को स्थान मिलना एआई तकनीकी इकोसिस्टम के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। 11 से 25 सितंबर तक चल रही वैश्विक आयोजन श्रृंखला के तहत 20 सितंबर को भोपाल में क्लॉड कोड बिल्ड डे आयोजित किया जाएगा। इसमें स्थानीय युवा एआई की मदद से अपने विचारों को काम करने वाले प्रोटोटाइप में बदलेंगे। प्रतिभागी अकेले या 2 से 4 सदस्यों की टीम में हिस्सा ले सकेंगे।

भविष्य में विश्व की बड़ी टेक कंपनियां स्टार्टअप्स और वैश्विक निवेशक आ सकते हैं भोपाल

भोपाल का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कनेक्शन हुआ ग्लोबल

'कमाल का भोपाल' ने एआई ढांचे पर तेज कार्रवाई की मांग

एआई जनरेटड

क्रेडाई भोपाल के अध्यक्ष और 'कमाल का भोपाल' अभियान के संस्थापक मनोज मीक ने आयोजन को भोपाल के लिए गौरव का विषय बताया। उन्होंने कहा कि वैश्विक घोषणा वीडियो में भारत से अकेले भोपाल का नाम शामिल होना राजधानी की तकनीकी क्षमता और संभावनाओं को दर्शाता है। ने कहा कि 'कमाल का भोपाल' अभियान लगातार राजधानी को ज्ञान और एआई केंद्र के रूप में विकसित करने की पैरवी करता रहा है। उन्होंने आयोजन के लिए स्वयं भी पंजीकरण कराया है। मीक के अनुसार उन्होंने ग्रोथ स्कूल का जनरेटिव एआई बूटकैंप 'ए' ग्रेड से पूरा कर स्किल इंडिया-एनएसडीसी प्रमाणपत्र प्राप्त किया है।

20 सितंबर को युवा बनाएंगे नए एप्लिकेशन

आयोजकों के अनुसार बिल्ड डे में रचनात्मक प्रयोग, कठिन समस्याओं के समाधान और रोजमर्रा के काम आसान बनाने वाले एप्लिकेशन प्रमुख विषय होंगे। चयनित परियोजनाओं को वैश्विक बिल्ड डे मंच पर प्रदर्शित किए जाने का अवसर भी मिल सकता है। कार्यक्रम सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक प्रस्तावित है। भोपाल में इसके स्थानीय मेजबान क्लॉड कम्युनिटी एंबेसडर अनिकेत साहू हैं। स्थल की जानकारी पंजीकरण प्रक्रिया के दौरान दी जाएगी। प्रतिभागियों को अपना लैपटॉप साथ लाना होगा। बता दें कि इस आयोजन के बाद भविष्य में विश्व की बड़ी टेक कंपनियां, स्टार्टअप्स और वैश्विक निवेशक भोपाल आ सकते हैं।

'इकाई' और एआई सिटी की पहल का स्वागत: मीक

मीक ने बताया कि 'कमाल का भोपाल' अभियान ने अध्ययन, अवधारणा-पत्र, प्रकाशित लेखों और शासन को दिए गए अभ्यावेदनों के जरिए भोपाल को नॉलेज एवं एआई हब बनाने का प्रस्ताव आगे बढ़ाया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के समक्ष एआई फैक्ट्रियों और उनसे जुड़ी अधोसंरचना की जरूरत भी रखी गई है। उन्होंने भौंरी में प्रस्तावित नॉलेज एवं एआई सिटी 'इकाई' की दिशा में शासन की पहल का स्वागत किया।

भेल की जमीन पर एआई लाइटहाउस की मांग

मीक के अनुसार 'कमाल का भोपाल' अभियान भेल की अनुपयोगी भूमि पर एआई लाइटहाउस, उन्नत कंप्यूटिंग और डेटा सेंटर विकसित करने की मांग भी उठाता रहा है। उन्होंने बताया कि भूमि राज्य को वापस दिलाने के मामले में केंद्र सरकार से समन्वय के लिए शासन ने उच्चस्तरीय समिति गठित की है।उन्होंने समिति की प्रक्रिया और प्रस्तावित 'इकाई' की अधोसंरचना पर भी तेजी से निर्णय लेने की मांग की। उनका कहना है कि केवल आयोजन और चर्चा तक सीमित रहने के बजाय भोपाल में ऐसा तकनीकी इकोसिस्टम तैयार किया जाना चाहिए, जहां युवा एआई आधारित उत्पाद और सेवाएं विकसित कर सकें।

केस डायरी पेश करने व जमानत पर आपत्ति दर्ज कराने सीबीआई को 1 सप्ताह का समय

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट में मंगलवार को बहुचर्चित ट्विशा शर्मा मौत के मामले में आरोपी पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश गिरिबाला सिंह की जमानत याचिका पर सुनवाई हुई।

सीबीआई ने याचिका का कड़ा विरोध किया। जस्टिस अजय निरंकारी की सिंगल बेंच में सुनवाई के दौरान सीबीआई की ओर से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ने कोर्ट से केस डायरी पेश करने तथा जमानत के खिलाफ औपचारिक आपत्ति दर्ज कराने के लिए समय मांगा। अदालत ने एक सप्ताह की मोहलत देते हुए मामले को अगली सुनवाई के लिए 22 सितंबर को तय की। याचिकाकर्ता के वकीलों की मामले को कॉज लिस्ट में सबसे ऊपर (टॉप ऑफ द लिस्ट) रखने की मांग को कोर्ट ने खारिज कर दिया। कटारा हिल्स थाने में दर्ज एफआईआर के बाद सीबीआई ने 25 मई को मामला दर्ज किया था। इसमें भारतीय न्याय संहिता तथा दहेज प्रतिषेध कानून की धाराएं शामिल हैं। निचली अदालत से मिली शुरुआती जमानत को हाईकोर्ट द्वारा रद्द किए जाने के बाद गिरिबाला सिंह को गिरफ्तार किया गया था।

रात में पनीर की सब्जी खाने के बाद हुई पेट दर्द, उल्टी की शिकायत

जीआईटीओटी के हॉस्टल में फूड पॉइजनिंग, 20 छात्र अस्पताल में

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी में गोविंदपुरा स्थित गवर्नमेंट इंस्टीट्यूटी फॉर ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स (जीआईटीओटी) के हॉस्टल में सोमवार रात के समय खाना खाने से करीब 20 छात्र बीमार पड़ गए। छात्रों ने यहां पनीर की सब्जी खाई थी, जिसके बाद उन्हें पेट दर्द और उल्टी की शिकायत हुई। छात्रों की तबियत बिगड़ने के बाद उन्हें हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। कुछ छात्रों को प्राइवेट अस्पतालों में भी भर्ती कराया गया है। इधर घटना को लेकर संस्थान के ज्वॉइंट डायरेक्टर डीएस ठाकुर ने बार-बार फोन कॉल के बाद भी कॉल रिसीव नहीं किया। इधर प्रबंधन ने इसकी सूचना मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी शिवराज पावक को भी नहीं दी है।

छात्रों का आरोप है कि रात में एंबुलेंस बुलाई गई, लेकिन कॉलेज प्रबंधन ने एम्बुलेंस को गेट से ही वापस लौटा दिया। जिसके बाद छात्र खुद के इंतजाम से अस्पताल पहुंचे। कैंपस में डॉक्टर का भी इंतजाम नहीं था। बताया जा रहा है कि यहां पर मैस नहीं होने से बाहर से खाना मंगवाया जाता है। सोमवार को भोजन से छात्रों को उल्टियां, दस्त शुरू हो गए और 20 छात्र बीमार पड़ गए। हरिभूमि के पास छात्रों के अस्पताल में भर्ती के पर्चे भी मौजूद हैं।

> छात्रों का आरोप: एंबुलेंस बुलाई तो कॉलेज प्रबंधन ने उसे गेट से ही वापस लौटा दिया

» *मैस नहीं होने से बाहर से आता है खाना, डॉक्टर्स ने की फूड पॉइजनिंग की पुष्टि*

» *गवर्नमेंट इंस्टीट्यूटी फॉर ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स प्रबंधन ने नहीं दी सूचना*

हमीदिया अस्पताल में भर्ती बीमार छात्रों के पर्चे।

हॉस्टल में दो दिन से बिजली गुल, पानी भी नहीं

छात्रों ने आरोप लगाया है कि हॉस्टल में आए दिन बिजली की समस्या रहती है। पिछले 2 दिनों से हॉस्टल में न बिजली है और न पानी। छात्र शौचालय जाने और नहाने जैसी बुनियादी जरूरतों के लिए छतों से गिर रहे बारिश के पानी को बाल्टियों में भरने को मजबूर हैं।

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीमों ने तीन होटलों पर जांचे इंतजाम

ड्रैगन हॉर्स बार, राजहंस के किचन में मिले सड़े हुए मशरूम के पैकेट

शहर में फाइव स्टार, थ्री स्टार और अन्य बड़े होटलों में आम लोगों को परोसे जा रहे खाद्य पदार्थों का जांच अभियान जारी है। तीसरे दिन भी खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने एमपी नगर स्थित ड्रैगन हॉर्स बार और भविष्या होटल में छापामार कार्रवाई को अंजाम दिया।

टीम जब किचन में पहुंची तो वहां पांच पैकेट सड़े हुए मशरूम के लिए। किचन में चूहे की लेंडियां और गंदगी देखकर टीम ने प्रबंधक को फटकार भी लगाई। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी शिवराज पावक ने बताया कि मसाले के पैकेट भी एक्सपायर डेट के थे, जिन्हें चूहों ने कुतर भी लिया था। टीम ने बदइंतजामों को लेकर ड्रैगन होटल और क्लब का लाइसेंस सस्पेंड कर दिया है।

> एमपी नगर के इंडियन कॉफी हाउस में मिला मिसब्रांडेड पापड़, वेज-नानवेज का फ्रीजर

» *ड्रेगन के किचन में मिली चूहे की लेंडियां, एक्सपायर मिले मसालों के पैकेट*

» *पैकेट चूहों ने कुतर दिया था, ड्रेगन का लाइसेंस सस्पेंड*

खाद्य पदार्थों की जांच करता अमला।

टीम ने बियर और अरोमा पाउडर के लिए सैंपल

ड्रैगन होर्स का लाइसेंस सस्पेंड करने के साथ टीम ने यहां से किंग फिशर स्ट्रांग बियर और अरोमा पाउडर के सैंपल लेकर राज्य लेबोरेटरी भेजे गए हैं। होटल के किचन में वेज और नानवेज के लिए अलग फ्रीजर नहीं थे, पांच फ्रीजर में दोनों को मिक्स करके रखा गया था।

राजहंस में मिला सड़ा मशरूम, एनॉलाग पनीर का भी शक

टीम जब एमपी नगर जोन टू स्थित राजहंस होटल पहुंची, जहां किचन में जांच करने पर सड़े हुए मशरूम का एक पैकेट मिला। पनीर का बिल देखने पर पता चला कि इसे 250 रुपए प्रतिकिलो के हिसाब से खरीदा गया था। जिसके आधार पर एनॉलाग पनीर शक में इसका सैंपल भी लिया गया है।

कढ़ाहियां मिलीं काली

टीम ने जब एमपी नगर स्थित इंडियन कॉफी हाउस का निरीक्षण किया तो यहां रखे केरल के पापड़ डेमोस्ट्रेशन में मिसब्रांडेड मिले। संचालक सारस ए गोपी ने बताया कि पापड़ केरल से मंगवाए जाते हैं। यहां भी वेज और नॉनवेज को एक साथ रखा गया था। कढ़ाहियां काली हो चुकी थीं। टीम ने यहां से खुले तेल का सैंपल लिया है।

रजिस्ट्रीकर्ता बनाने पर पटवारियों का एतराज

स्वामित्व योजना में काबिज लोगों की रजिस्ट्री कराने से पीछे हटे पटवारी

पटवारियों ने कलेक्टोरेट पहुंचकर ज्ञापन सौंपा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

गांव में स्वामित्व योजना के तहत सरकारी जमीनों पर आबादी में बने मकानों की रजिस्ट्री कराने के काम से पटवारी पीछे हट गए हैं। जिसके लिए सरकार ने पटवारियों को रजिस्ट्रीकर्ता बनाया है। ऐसे में रजिस्ट्री में पटवारी का नाम दर्ज किया जाएगा। जिससे भविष्य में किसी तरह का विवाद होने पर इसके लिए पटवारी सीधे जिम्मेदार होगा। सरकार की इस योजना को लेकर पटवारियों ने विरोध शुरु कर दिया है। जिसके तहत मंगलवार को राजधानी के पटवारियों ने कलेक्टोरेट पहुंचकर ज्ञापन सौंपा।

भोपाल में आबादी की सरकारी जमीन पर काबिज करीब तीस हजार से अधिक परिवारों को स्वामित्व योजना के तहत मुफ्त रजिस्ट्री कराने की तैयारी चल रही है। स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन-2026 योजना लागू होने से पहले पटवारियों ने रजिस्ट्री दस्तावेज में अपना नाम निष्पादक के रूप में शामिल किए जाने का विरोध शुरू कर दिया है। पटवारियों का कहना है कि जमीन का स्वामित्व लाभार्थी और शासन के बीच दस्तावेजी प्रक्रिया है। ऐसे में पटवारी को रजिस्ट्रीकर्ता बनाकर भविष्य की व्यक्तिगत कानूनी जवाबदेही तय करना उचित नहीं है।

हुजूर में सर्वेयर को सांप ने काटा

पटवारी संघ के जिलाध्यक्ष अरविंद गिरी ने बताया कि स्वामित्व योजना में निष्पादक की भूमिका के लिए आपत्तियों पर निर्णय लेने और अधिकार अभिलेख में नाम दर्ज करने जैसी शक्तियां जरूरी हैं। आदेश के हिसाब से पटवारी के पास धारा 129 और 250 जैसी न्यायिक शक्तियां नहीं हैं। इसलिए उसे निष्पादक बनाया जाना नियमों के अनुरूप नहीं है। इधर बारिश के दिनों में खेतों के अंदर जाकर गिरदावरी एप्प पर सर्वे करना भी मुश्किल हो रहा है। सोमवार को हुजूर तहसील में एक सर्वेयर को सांप ने फुफकार दिया, जिससे उसका हाथ झुलस गया है।

सास को फोन कर दामाद ने दी सूचना

तीसरी बेटी के जन्म के बाद युवक ने खाया जहर, मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पत्नी ने कुछ दिन पहले ही तीसरी बेटी को जन्म दिया था। घर में नवजात के आने के बाद पत्नी की देखभाल के लिए भोपाल में रह रहा शुभम कुशवाहा रविवार शाम अचानक घर से निकल गया। कुछ देर बाद उसने अपनी सास को फोन किया और कहा कि उसने जहर खा लिया है। घबराई सास उसे लेने माता मंदिर के पास पहुंची और गंभीर हालत में हमीदिया अस्पताल लेकर गई। सोमवार रात इलाज के दौरान शुभम की मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार, शुभम मूल रूप से आष्टा का रहने वाला था और खेती-किसानी करता था। करीब पांच साल पहले उसने रोशनपुरा चौराहे के पास कठपुतली मोहल्ले में रहने वाली युवती से प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद दंपती की तीन बेटियां हुईं। तीसरी बेटी का जन्म हाल ही में हुआ था। इसके चलते शुभम पत्नी और बच्चों के साथ भोपाल में किराये के मकान में रह रहा था। रविवार शाम वह घर से निकलने के बाद माता मंदिर क्षेत्र में पहुंचा था। इसके बाद उसने सास को फोन कर जहर खाने की बात बताई। सास के पहुंचने तक उसकी हालत बिगड़ चुकी थी। परिजनों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार आत्महत्या के कारणों की पुष्टि नहीं हुई है।

पारा 3 डिग्री बढ़कर 32 डिग्री पर पहुंचा, अभी पड़ती रहेंगी बौछारें

शहर से मानसून की विदाई इसी महीने, तीन दिन बाद राजस्थान से हो सकती है शुरुआत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेशभर में अभी मौसम मिलाजुला है। इस बीच अब प्रदेश में दक्षिण पश्चिमी मानसून की विदाई को लेकर संभावनाएं सामने आ चुकी हैं। मानसून अब 3 से 4 दिन बाद पश्चिमी राजस्थान से विदाई लेना शुरू कर देगा। धीरे-धीरे 10 से 15 दिन में प्रदेश से भी विदाई होने की उम्मीद है। प्रदेश में मंगलवार तक सामान्य से करीब 6 फीसदी बारिश कम हुई है, लेकिन भोपाल में 102 मिमी ज्यादा हो चुकी है।

मौसम केंद्र के अनुसार अगले 3 से 4 दिन मौसम में ज्यादा बदलाव की उम्मीद नहीं है। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार मानसून अपने तय समय के आसपास से ही विदाई लेना शुरू कर सकता है। आमतौर पर मप्र से 30 सितंबर तक विदाई होती है।

स्थान: निशातपुरा समय: शाम 6.49 बजे।

धूप से बढ़े पारे के साथ उमस में बढ़ोतरी

राजधानी में मंगलवार को दिन के तापमान में 3 डिग्री की बढ़त के साथ पारा 32 डिग्री रहा। यह सामान्य से करीब एक डिग्री ज्यादा है। धूप से बढ़े पारे के साथ उमस में बढ़ोतरी रही है। अगले 2 से 3 दिन में शहर में हल्की बौछारों के साथ तापमान में उतार चढ़ाव जारी रहेगा। हालांकि, अभी कुछ दिन में एक दौर तेज बारिश का भी हो सकता है।

एम्स के डॉक्टरों का कमाल: थ्री-डी प्रिंटिंग तकनीक से की जबड़े के कैंसर की सर्जरी

पैर की फाइबुला से बनाया जबड़ा, पहले जैसी हुई चेहरे की बनावट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

एम्स भोपाल के डॉक्टरों ने एक मरीज के जबड़े में मौजूद बड़े ट्यूमर को निकालकर, उसी जगह पैर की फाइबुला (पैर के निचले हिस्से में टिबिया के पास स्थित पतली हड्डी) से नया जबड़ा बनाने में सफलता हासिल की है। यह पूरी प्रक्रिया वर्चुअल सर्जिकल प्लानिंग (कंप्यूटर आधारित शल्य योजना, वीएसपी) और थ्री-डी प्रिंटिंग तकनीक की मदद से पूरी की गई।

खास बात यह रही कि इसका हर चरण एम्स भोपाल के भीतर ही तैयार किया गया। ऑपरेशन के एक महीने बाद जांच में हड्डी सामान्य रूप से जुड़ती पाई गई, चेहरे की बनावट बहाल हुई और मरीज सामान्य रूप से चबा और बोल पा रहा है।

मरीज के दाहिने निचले और ऊपरी जबड़े के बीच में था एक बड़ा ट्यूमर

एम्स में मरीज को मिला नया जीवन, चिकित्सकों को सफलता

उपचार के बाद मरीज सामान्य रूप से चबा और बोल पा रहा है

बनाया गया नया जबड़ा।

सर्जिकल ऑन्कोलॉजी के विभागाध्यक्ष डॉ. विनय कुमार ने बताया कि मरीज के दाहिने निचले जबड़े और जबड़े के बीच के हिस्से में एक बड़ा ट्यूमर था, जिसे शल्य क्रिया द्वारा निकाला गया। इसके बाद मरीज के बाएं पैर से फाइबुला (पैर के निचले हिस्से में टिबिया के पास स्थित पतली हड्डी) निकालकर उससे जबड़े का पुनर्निर्माण किया गया। चेहरे की समरूपता और कार्यक्षमता बनाए रखने के लिए डॉक्टरों की टीम ने ऑपरेशन से पहले थ्री-डी प्रिंटेड जबड़े के मॉडल पर एक अभ्यास सर्जरी (मॉक सर्जरी) भी की। आमतौर पर इस तरह की वर्चुअल सर्जिकल प्लानिंग के लिए अस्पताल बाहरी एजेंसियों की मदद लेते हैं, लेकिन एम्स भोपाल ने सीटी स्कैन आधारित योजना से लेकर थ्री-डी प्रिंटिंग तक पूरी प्रक्रिया संस्थान के भीतर ही पूरी कर, जटिल पुनर्निर्माण सर्जरी में आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है।

कई विभागों के विशेषज्ञों ने मिलकर किया काम

ट्यूमर निकालने की जिम्मेदारी शल्य ऑन्कोलॉजी विभाग (सर्जिकल ऑन्कोलॉजी) के विभागाध्यक्ष डॉ. विनय कुमार के नेतृत्व में निभाई गई। वर्चुअल सर्जिकल प्लानिंग और थ्री-डी प्रिंटिंग का काम मुख एवं जबड़ा शल्य चिकित्सा (ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी) के डॉ. बाबूलाल सोनी और अस्थि रोग विभाग (ऑर्थोपेडिक्स) के डॉ. सौरभ कुमार सिन्हा ने संभाला। पुनर्निर्माण सर्जरी प्लास्टिक सर्जरी टीम के डॉ. दीपक कृष्णा और डॉ. राहुल डुबेपुरिया ने की।

जैकेट का शेष...

मप्र में अब...

रहा है, यह बड़ी बात है। कार्यक्रम में ईश्वर सिंह चंदेली, मानवेंद्र सिंह सेंगर, मनीष कुमार शर्मा, अर्चित लाहौटी, अमन अग्रवाल, नितिन अग्रवाल, नितिन बरसैया, राजेश दायमा, शशांक शर्मा, हर्षिता वार्ष्णेय, दीपक नामदेव, साहित्य तिवारी, अनिल श्रीवास्तव, पुष्कल प्रताप, मोहन किशोर, महेंद्र डोलिया, शिवेंद्र सिंह, रामसिंह रघुवंशी, आशीष मंडल का सम्मान किया गया। इस दौरान सेवानिवृत्त सचिव लोक निर्माण विभाग सतीश चंद्र पांडे और सेवानिवृत्त प्रमुख अभियंता जीएस पल्नितकर को विशेष सम्मान दिया गया।

दो तरह की सड़कों पर काम

1. वर्तमान में सीमेंट उद्योग भारत में फ्लाई ऐश का सबसे बड़ा खरीदार है (लगभग 65% सीमेंट अब पोज़ोलाना पोर्टलैंड सीमेंट यानी पीपीसी होता है, जिसमें फ्लाई ऐश मिली होती है)।
2. अब बिना सीमेंट वाली (जियोपॉलिमर) फ्लाई ऐश सड़कों की ओर कदम बढ़ाए जा रहे हैं।

समस्या का समाधान ...

कि पिछले 9 महीने में तुलनात्मक रूप से ब्लैक स्पॉट के कारण होने वाली दुर्घटनाओं में मृत्यु दर में कमी आई है। पीडब्ल्यूडी (भोपाल परिक्षेत्र) के प्रमुख अभियंता आरएल वर्मा ने सर मोक्षगुंडम विश्वेसरैया का जीवन परिचय दिया।

भारत की सड़कों ....

पावर प्लांट के 300 किलोमीटर के दायरे में आने वाली सभी सड़क परियोजनाओं में फ्लाई ऐश का उपयोग अनिवार्य है। छत्तीसगढ़ में 2024 से 2026 के बीच यहां की सड़क परियोजनाओं में 2.7 करोड़ मीट्रिक टन से अधिक फ्लाई ऐश खपाई जा चुकी है। तेलंगाना में 2019-20 में तेलंगाना (रामागुंडम) में एनटीपीसी द्वारा भारत की पहली लंबी सीमेंट-रहित शत-प्रतिशत फ्लाई ऐश आधारित (जियोपॉलिमर कंक्रीट) सड़क का सफल प्रदर्शन किया गया था। महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में फ्लाई ऐश की सर्वाधिक पैदावार होती है। गुजरात, पंजाब, राजस्थान, हरियाणा, और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों ने भी सड़कों और फ्लाईओवरों के निर्माण में उपयोग में 90% से 100% तक की उपयोगिता दर हासिल की है।

तीन श्रमिक घायल, ...

घायलों को बाहर निकाला। प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को सागौर कुटी स्थित श्रीनाथ हॉस्पिटल ले जाया गया। प्रारंभिक दो घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। धमाके की सूचना मिलते ही पुलिस, फायर ब्रिगेड और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। राहत एवं बचाव दल ने स्थिति संभालते हुए घायलों को अस्पताल पहुंचाया। धमाका क्यों हुआ? इसकी जांच की जा रही है।

केदारनाथ में बिना...

में भी कहीं-कहीं छोटी पहाड़ियों के गिरने की जानकारी मिली है। मौसम विभाग ने प्रदेश के सभी जिलों में बारिश का अनुमान जताया है।

स्वामित्व योजना को ....

करने का सुझाव दिया, जिस पर मुख्यमंत्री ने अपनी सहमति दी। पहले पटवारियों और रजिस्ट्री की पावर रखने वाले अफसरों को एक दिन में 40 रजिस्ट्री करने का टारगेट दिया गया था। अब इसे बढ़ाया जाएगा। कैबिनेट बैठक से पहले मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री सुगम परिवहन बस सेवा की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसका शुभारंभ 25 सितंबर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर होगा। इसके तहत करीब 150 सिटी रूट, 450 इंटरसिटी और 436 अंतर्राज्यीय रूट विकसित किए जाएंगे। यह बस सेवा 21 साल से ठप थी, जिसे फिर शुरू करने का फैसला सरकार ने लिया है। वर्ष 2030 तक 75 प्रतिशत विकासखंडों को बस सेवा से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है।

50 लाख रिकॉर्ड की होगी मुफ्त रजिस्ट्री: मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन और पंजीयन योजना के तहत 17 सितंबर से काम शुरू होगा। इंदौर में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन इसकी शुरुआत करेंगे। योजना पर सरकार करीब 4 हजार करोड़ रुपए खर्च करेगी। स्टांप ड्यूटी और पंजीयन शुल्क से ग्रामीणों को छूट दी गई है। योजना के तहत लगभग 68 लाख रिकॉर्ड तैयार किए जा चुके हैं। इनमें से करीब 50 लाख रिकॉर्ड की मुफ्त रजिस्ट्री कराकर दी जाएगी। इसके बाद ग्रामीण आबादी को भूमि और भवन के अधिकार मिलेंगे। इससे बैंकों से लोन लेने, स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने और संपत्ति का रिकॉर्ड सुरक्षित रखने में आसानी होगी।

इस आधार पर ...

किसकी होगी, यह सरकार को स्पष्ट करना चाहिए। पटवारियों ने डीड ऑफ कन्वेयंस की भूमिका दिए जाने पर भी आपत्ति जताई है।

पेज एक का शेष...

वित्तमंत्री ओपी चौधरी ...

एक महीना क्या, हम तो एक साल तक भी इस तरह के अच्छे काम को जनता के हित में चला सकते हैं। 'सेवा मेरा योगदान' एक कार्यक्रम है, उसके माध्यम से सभी तरह के लोगों को जोड़ना है। हमारे कार्यकर्ता, पार्टी के अंदर के लोग, पार्टी के बाहर के लोग, आध्यात्मिक संगठन, शैक्षणिक संगठन, हर तरह के लोगों को जोड़ना है और 'सेवा मेरा योगदान' जैसा कार्यक्रम करना है। उसमें 25 सेवा गतिविधियां लिस्ट की गई हैं। वृक्षारोपण करने की दृष्टि से अलग-अलग प्रकार के 25 सेवा गतिविधियों को हमने सूचित किया है, एक लिस्ट बनाई है। जन्मदिन के अवसर पर उनके 25 साल पूरा करने के अवसर पर, यह सब चीजें की जा रही हैं। इसी तरह से दूसरा मैं कहना चाहूंगा कि सेवा सेतु अभियान है एक।

■ आशीर्वाद का दीया और एक वडनगर से लेकर विश्वनाथ तक जो मोटरसाइकिल दौड़ने वाली है, उसके पीछे क्या दृष्टि है?

■ आशीर्वाद का दीया मोदी जी के जन्मदिन को हम लोग सेवा दिवस के रूप में मनाते हैं। और मोदी जी ने और इस साल विशेष रूप से और भी विशेष हो जाता है क्योंकि इस साल वो 7 अक्टूबर को अपने 25 वर्ष की यात्रा कॉन्स्टिट्यूशनल पोस्ट पर पूरा करने जा रहे हैं। इसलिए यह और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। हम सेवा पखवाड़ा जो मनाते थे, उसकी जगह पर हम पूरे माह को सेवा के थीम में मना रहे हैं। इस 25 वर्षों की यात्रा में नरेंद्र मोदी ने करोड़ों लोगों के जीवन में बदलाव लाया है, जैसे मैं अपने छत्तीसगढ़ की ही बात करूं, मैं उस दिन सरगुजा जा रहा था, तो बिलासपुर से कटघोरा कैसे पहुंचा मुझे पता ही नहीं चला, इस तरह का नेशनल हाईवे बना, और वहां से फिर सरगुजा कैसे पहुंचा, यहां भी बहुत ही शानदार रोड बना है। तो इस तरह के कितने सारे लोगों के जीवन में उन्होंने बदलाव लाया है। 4 करोड़ लोगों को पक्का घर देने की बात हो, 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकालने की बात हो, गरीबों के उत्थान की बात हो... इस तरह से उन्होंने विभिन्न विकास कार्यों के माध्यम से और हितग्राही मूलक योजनाओं के माध्यम से करोड़ों लोगों के जीवन में उन्होंने बदलाव लाया है। ऐसे लोगों की जो भावना होती है कि नरेंद्र मोदी के लिए एक सकारात्मक भाव होता है, तो वो लोग दिया अपने से जला रहे हैं। आपने बात कही वडनगर से काशी वाली यात्रा की, तो निश्चित रूप से नरेंद्र मोदी का जीवन हम सबके लिए प्रेरणा का विषय है और यह कार्यकर्ताओं के द्वारा मूल रूप से डिजाइंड कार्यक्रम है। यह कार्यकर्ता लोग डिजाइन किए हैं कि भाई हम काशी से वडनगर तक की यात्रा करेंगे और वडनगर से काशी तक की यात्रा करेंगे। यह कार्यकर्ताओं का भाव है। नरेंद्र मोदी की जन्मभूमि वडनगर रही है और कर्मभूमि काशी रही है।

■ इतना सब कार्यक्रम जो भी बना है, तो यह कार्यक्रम किसका है? पार्टी जो है, सेवा संकल्प अभियान के तहत मनाने जा रही है या भाजपा और एनडीए शासित जो राज्य हैं, उनके द्वारा यह आयोजन होने जा रहा है?

■ देखिए, कई विषय होते हैं जो विशुद्ध राजनीतिक होते हैं। तो उस तरह के विशुद्ध राजनीतिक विषयों को ऑब्वियसली हमारे पार्टी का, हमारा जो कैडर है, हमारा कार्यकर्ता है, वो करेगा। इसमें कहीं कोई डाउट नहीं है और साथ ही साथ, किसी भी योजना को जब हम संचालित करते हैं, तो एक एंकर रोल कार्यकर्ता का होता है। बट वो साथ में सामाजिक, शैक्षणिक, आध्यात्मिक, गैर-राजनीतिक लोगों को जो मोदी जी के प्रोग्रेसिव थॉट, उनके विकसित भारत के सोच के साथ जो अलाइन करते हैं अपने आप को, उस तरह के गैर-राजनीतिक लोगों को भी जोड़ना, उस जनसमूह को और जनसामान्य को जोड़ना, समाज को जोड़ना भी उसका थीम है, और दूसरी ओर आपने जो पक्ष रखा है कि गवर्नमेंट का कार्यक्रम है या कार्यकर्ता का कार्यक्रम है, तो बहुत सारे विषय सरकारी कार्यक्रम भी हैं और नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री हैं। इस दृष्टिकोण से हम लोगों ने डिजाइन किया है कि सरकार की ओर से भी कुछ अच्छे काम, जैसे सेवा सेतु का मैंने उल्लेख किया, सेवा सेतु के माध्यम से जाकर कैम्प लगेगा, वहां लोगों को सर्विस दी जाएगी।

यूपीआई से 2000...

करेगा।

एमडीआर क्या होता है?: एमडीआर यानी मर्चेंट डिस्काउंट रेट वो फीस है जो दुकानदार या कारोबारी डिजिटल पेमेंट स्वीकार करने के बदले बैंक या पेमेंट कंपनी को देता है। डेबिट और क्रेडिट कार्ड के मामले में ऐसी फीस लगती है। लेकिन दिसंबर 2019 से यूपीआई पर यह फीस खत्म थी।

थाना घेरा... पुलिस...

स्थिति बिगड़ने पर कुछ प्रदर्शनकारियों द्वारा पुलिस पर पथराव किए जाने की बात सामने आई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने पहले आंसू गैस के गोले छोड़े। इसके बाद लाठीचार्ज किया गया। पुलिस अब प्रदर्शन के दौरान पथराव और हिंसा करने वालों की पहचान करने में जुटी है। अधिकारियों द्वारा घटनाक्रम से जुड़े वीडियो और अन्य साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। प्रदर्शन का मुख्य कारण किरनापुर थाने में चोरी के एक मामले में आरोपी कैलाश चौधरी और उनकी पत्नी सावित्री के साथ कथित मारपीट का मामला है। समाज का आरोप है कि पुलिस हिरासत के दौरान दोनों के साथ मारपीट की गई।

चार पुलिसवाले ...

का गठन भी किया है। एसआईटी को पूरे मामले की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

खड़े ट्रक में ...

से टकरा गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद एक्सप्रेसवे पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही गरोठ थाना पुलिस और हाईवे पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंची तथा राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना में गुड़गांव (हरियाणा) के सिकंदरपुर निवासी अरविंद अहीर (39 वर्ष), नाथूपुर निवासी बिन्दर अहीर (33 वर्ष) तथा राजस्थान के अलवर जिले के बहरोड़ थाना क्षेत्र स्थित पहेल निवासी कैलाश चंद्र गुर्जर (34 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं गुड़गांव निवासी जितेंद्र अहीर (40 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी श्रद्धालु धार्मिक यात्रा पर निकले थे। तड़के तेज बारिश हो रही थी और चारों ओर अंधेरा था। इसी दौरान एक्सप्रेसवे पर एक ट्रक खड़ा मिला, बारिश और कम दृश्यता के कारण कार सीधे ट्रक के पिछले हिस्से से जा टकराई।

शाह के ...

से हरी झंडी मिलते ही गृह विभाग आदेश जारी कर सुप्रीम कोर्ट में रिपोर्ट दाखिल करेगा। यह मामला मई 2025 में महू के रायकुंडा गांव में दिए गए विजय शाह के बयान से जुड़ा है। हाईकोर्ट ने मामले का संज्ञान लेकर प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा और जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किया गया। एसआईटी ने जांच के बाद अपनी रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में सुप्रीम कोर्ट को सौंपी थी और शाह के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए अभियोजन स्वीकृति का विषय आया था।

माई के ...

कब गिराएंगे। ओवैसी ने कहा कि रामेश्वर शर्मा ने करोंद स्क्वायर से काजी कैंप पर मिसाइल गिराने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि मैं अकेला काजी कैंप पर ठहरता हूं, तुम्हारे अंदर दम है तो गिराकर बताओ। ओवैसी ने यह भी कहा कि वह इस तरह की धमकियों से डरने वाले नहीं हैं।

यूसीसी को ...

लगाया कि उत्तराखंड के यूसीसी मॉडल को गुजरात, असम, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में लागू करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने भाजपा शासित राज्यों में मस्जिदों और कब्रिस्तानों को नुकसान पहुंचाए जाने का भी आरोप लगाया।

62,500 प्रतिष्ठानों के ...

जारी करने की कार्रवाई शुरू की थी। करीब 15 दिन तक चली इस कार्रवाई में निगम के रिकॉर्ड में दर्ज करीब 62,500 प्रतिष्ठानों में से 8,084 को नोटिस दिए गए। तीन दिन तक कार्रवाई करते हुए 190 प्रतिष्ठानों को बंद कराया गया। अब सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई की तारीख तय होने के बाद मामले में निगम की कार्रवाई और रहवासियों की आपत्तियों पर आगे सुनवाई होगी।

ऐसे मामलों की...

बच्चों के यौन शोषण से जुड़ा कोई गंभीर मामला सामने आता है, तो उसकी जानकारी सिर्फ कंटेंट हटाने तक सीमित नहीं रहेगी।

आखिर पूरा मामला ...

अधिकार संरक्षण आयोग यानी एनसीपीसीआर ने मेटा के अधिकारियों को भी बुलाया था। आयोग की तरफ से कंपनी से ऐसे कंटेंट की पहचान, उसे हटाने और मामलों की रिपोर्टिंग को लेकर जवाब मांगा गया था। मेटा पहले से ही एआई और दूसरी तकनीक की मदद से बच्चों के यौन शोषण से जुड़े कंटेंट को पहचानने और हटाने का काम करता है। लेकिन, सिर्फ पोस्ट या अकाउंट हटाने से मामला खत्म नहीं होता। अगर उस कंटेंट के पीछे कोई अपराध या आरोपी है, तो जांच एजेंसियों तक जानकारी पहुंचना भी जरूरी है।

पॉक्सो कानून भी....

मामलों की जानकारी मिलने के बाद समय पर कार्रवाई करना जरूरी है। मेटा की तरफ से जानकारी शेयर किए जाने से जांच एजेंसियों को मामले की जांच करने और आरोपियों तक पहुंचने में मदद मिल सकती है। आज बच्चे सोशल मीडिया और इंटरनेट का काफी इस्तेमाल करते हैं।

परिशिष्ट B - संख्यांक 13
सिविल कोर्ट चाचोड़ा जिला गुना
प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड, चाचोड़ा गुना

(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
आरसीएस ए/60/2024
जगदीश श्रीवास्तव बनाम नीलम श्रीवास्तव
NEXT DATE: 13-10-2026

प्रेषिती-
प्रियंका श्रीवास्तव , नीलम श्रीवास्तव, पता - 5 निर्मल स्टेट पूजा हॉमस होशंगाबाद रोड हुजूर भोपाल
यह कि प्रार्थी जगदीश श्रीवास्तव ने आपके विरूद्ध आरसीएस ए/60/2024 के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात / हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत कराये ।
यह आज तारीख 11-09-2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश अंकित जैन
प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड

परिशिष्ट B - संख्यांक 13
जिला एवं सत्र न्यायालय भोपाल
पच्चीसवें जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, भोपाल

(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)
एमजेसी/151/2022
सैयद खालिद हलीम अलवी बनाम आसिम उर्फ नदीम
NEXT DATE: 05-10-2026

प्रेषिती-
अनीसा खान, तफजुल हुसैन खान, पता - एच-15 सांची काम्पलेक्स बोर्ड ऑफिस के पास भोपाल यह कि प्रार्थी सैयद खालिद हलीम अलवी ने आपके विरूद्ध एमजेसी/151/2022 के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात /हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें। यह आज तारीख 03-08-2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है

न्यायाधीश
योगीराज पांडे
पच्चीसवें जिला एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश

टिप्पणी
1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगमी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई मे लिया जावेगा।

गुम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं लकेश पाटिल निवासी म. न. 132 अयोध्या नगर भोपाल म.प्र. में निवास करता हूं मैं लोकसुविधा फाइनेंस कंपनी में मैनेजर एवं रेपो सेल प्रभारी के पद पर कार्यरत था तथा उक्त कंपनी ने मेरे नाम पर रेपो किट फाइल जारी किया था जो मेरे कार्यालय से कहीं गुम हो गयी हैं तथा मेरे द्वारा ढूँढने पर भी नहीं मिल पायी है जिस किसी को भी 7442, 7977 8198, 8631 इस नं. की फाइल मिले तो मेरे इस नं. 6267323904 पर संपर्क करें उचित इनाम दिया जाएगा!

सूचना हेतु...

न्यायालय नायब तहसीलदार बैरागढ़ चिचली वृत्त तहसील कोलार रोड भोपाल

प्रकरण कं. 3047/अ-6/2026-27

इश्तहार

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रकरण का संक्षिप्त विवरण आवेदक शोभाराम पटेल आत्मज हरनाम सिंह पटेल निवासी भोपाल म.प्र. आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 109 - 110 मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया है कि ग्राम बैरागढ चिचली गेहुंखेडा स्थित भूमि खसरा क्रमांक प्लाट नंबर 66(S) के अंश भाग पर स्थित आवासीय क्षेत्रफल 782 वर्गफीट के आधार पर नामांतरण किये जाने निवेदन किया है। इस संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति हो तो वह इस इश्तहार के जारी होने के 15 दिन के भीतर इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत करे। समयावधि पश्चात आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 15/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन मुद्रा से जारी किया गया

नायब तहसीलदार
तहसील कोलार भोपाल म. प्र.

कार्यालय संयुक्त आयुक्त सहकारिता, नर्मदापुरम सम्भाग नर्मदापुरम्
Email-jrcoop.hbd@mp.gov.in, 07574-254355

क्रमांक/लेखा/2026/550 — नर्मदापुरम दिनांक 11.09.2026

निविदा आमंत्रण सूचना

नर्मदापुरम स्थित 01 विभागीय अधिकारी के लिये टेक्सी कोटे की चार पहिया कार एक वर्ष के लिए मासिक दरों पर उपलब्ध हेतु मोहरबंद निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदायें दिनांक 22.09.2026 को दोपहर 1.00 बजे तक स्वीकार कर दिनांक 22.09.2026 को दोपहर 4.00 बजे कमेटी के समक्ष खोली जावेगी। निविदा प्रपत्र एवं शर्ते रुपए 500.00 (अक्षरी रुपए पांच सौ मात्र) कोषालय में चालान द्वारा "मांग संख्या- 0425-सहकारिता-800-अन्य प्राप्तियां" मद में जमा कर कार्यालय संयुक्त आयुक्त, सहकारिता, नर्मदापुरम संभाग, नर्मदापुरम (आयुक्त कार्यालय परिसर नवीन आयुक्त भवन ब्लाक-डी कक्ष क्रमांक 35) से दिनांक 21.09.2026 तक कार्यालयीन समय में लेखा शाखा से प्राप्त की जा सकती है।

(ओमप्रकाश गुप्ता)
संयुक्त आयुक्त
सहकारिता
नर्मदापुरम सम्भाग नर्मदापुरम

जी - 18650/26 — स्वच्छता ही सेवा है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, (यांत्रिक विभाग) भोपाल
निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक 44 यां.वि./2026 — भोपाल, दिनांक 09/09/2026

निम्न कार्य हेतु म.प्र लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारो से ऑनलाईन निविदा आंमत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण website https://www.mptenders.gov.in पर है।

क्र.	निविदा क्र.	कार्य का संक्षिप्त विवरण	अनुमानित लागत (रू.में)	निविदा क्रय करने का अंतिम दिनांक	समय
1.	2026_UAD_527508_2	DEVELOPMENT OF SARYU SAROVAR CHHAT KUND GHAT AYODHYA NAGAR WARD 68 ZONE 16 SECOND CALL	11,83,120 /-	24-Sep-2026	05:30 PM

नोट- संशोधन वेबसाईट पर ही देखे जा सकेंगे समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं होगे ।

नि.क्र.720/026/027

कार्यपालन यंत्री (सिविल)
नगर निगम भोपाल

आवश्यकता है | खरीदना है | बेचना है | व्यापार | चिकित्सा | ज्योतिष | डिस्प्ले विज्ञापन
हरिभूमि क्लासीफाइड
संपर्क सूत्र : 9407279644

हरिभूमि भोपाल बाजार
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
मो. 9407279644

प्लाट मात्र 3,55,000 हजार में आसान किश्तों पर
साईट:- 220 फिट रिंग रोड न्यू बायपास से लगी हुई
डायवर्सन एवं NOC एप्रूड
आफिस इंडिया प्रोप्टी करोंद भोपाल
मो. 7772079910

Medical Help Line
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644

बेचना है
बेचना है- बिलासपुर (सकरी मेन रोड से वाकिंग डिस्टेंस) इन्वेस्टर्स हेतु मकान बनाकर बेचने का अवसर सभी साइजों में डायवर्टेड आवासीय प्लॉट सीसी रोड, नाली, पानी, बिजली सुविधा सहित सम्पर्क करें- 7898855268 (RO-41750)
02/09/26 to 05/10/26

हरिभूमि
आम सूचना, कोर्ट नोटिस, इश्तहार,जाहिर सूचना
@ Rs.1200/- साइज (फिक्स) 12X4 cm
अन्य साईज में @ Rs. 40 sq.cm
1 अप्रैल 2025 से लागू
बुकिंग के लिए संपर्क करें। मो. 9977912473

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

- व्यावस्थापक

कवर्ड केम्पस में प्लॉट
मात्र 16 लाख में
T&C
फाईनेंस सुविधा उपलब्ध है केनरा बैंक LIC HFL
भोपाल अयोध्या बायपास 220 फीट रिंग रोड के बिल्कुल नजदीक प्राइम लोकेशन का प्रोजेक्ट एक ही बार में पसंद आने वाली जगह
समय व्यर्थ न करें शीर्घ पधारें
एक बार में प्लॉट पसंद आएगा हमारी गारंटी है
आपके सपनों की जगह संपत्ति जो एक बार में पसंद आये
साईड- न्यू जेल रोड, अयोध्या बायपास स्थित मो. 8962979924, 9755905247

नये दागों का आना तुरन्त बंद
सफेद दाग
चर्म रोग, पित्ते की पथरी, गुर्दे की पथरी
Timing 10:30 am to 8:00 pm
44 वर्षो का होम्योपैथिक चिकित्सा सेवा का अनुभव
Dr. Safi's HOMEOPATHIC CLINIC
कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें। M. 9425006131, 8871714432
सौलत मंजिल पुरानी कजियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल

राशिफल

मेष: किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है। सन्तान के स्वास्थ्य में सुधार होगा। मानसिक शान्ति रहेगी। शिक्षा में व्यवधान आ सकते हैं।

वृष: अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी। कुटुम्ब की किसी महिला से धन की प्राप्ति हो सकती है। मन में नकारात्मक विचारों का प्रभाव हो सकता है।

मिथुन: चिकित्सीय खर्च और भवन के मरम्मत पर खर्च बढ़ सकते हैं। वाणी में कठोरता रहेगी। वाणी का प्रभाव भी बढ़ेगा। समाज में मान-सम्मान मिलेगा।

कर्क: मन में निराशा एवं असन्तोष रहेगा। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

सिंह: न परेशान रहेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव बढ़ सकता है। आत्मविश्वास रहेगा। भवन सुख में वृद्धि हो सकती है। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं।

कन्या: शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा, परन्तु स्वास्थ्य का ध्यान भी रखें। आत्मविश्वास बढ़ेगा। मन में शान्ति का प्रभाव रहेगा। धैर्यशीलता में कमी रहेगी।

तुला: बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। आय के स्रोत भी विकसित होंगे। कला एवं संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। भवन सुख में वृद्धि हो सकती है।

वृश्चिक: शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। किसी मित्र के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। कारोबार की स्थिति मजबूत होगी।

धनु: वाणी में सौम्यता रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता रहेगी। नौकरी में बदलाव की स्थिति बन रही है। भाई-बहनों का सानिध्य एवं सहयोग मिलेगा।

मकर: शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। कारोबार में किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। किसी मित्र के सहयोग से किसी सम्पत्ति में निवेश कर सकते हैं।

कुंभ: नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा। क पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। क्रोध एवं आवेश की अधिकता रहेगी।

मीन: परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। जीवनसाथी को स्वास्थ्य विकार रहेंगे। चिकित्सीय खर्च बढ़ेंगे।

शब्द पहेली - 6349

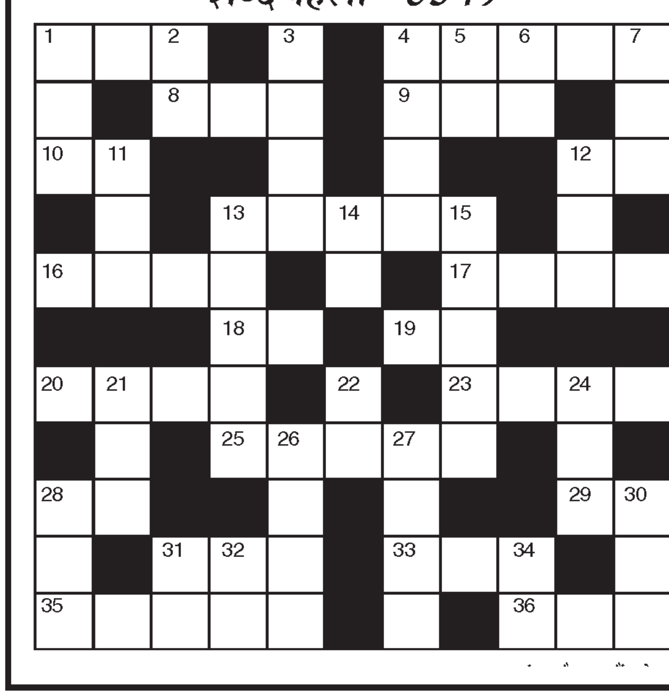

बाएँ से दाएँ
1.नियंत्रण,घोड़े की रास-3
4.पानी से सराबोर-5
8.अंधकार-3
9.आक्रमण-3
10.दम, सुट्टा-2
12.समय, वक्त-2
13.कहानी लेखक-5
16.अपराधी, गुंडा-4
17.आलोकित होना-4
18.उद्देश्य, मंजिल-2
19.छाती, सिलना-2
20.जागरण-4
23.सफल, उत्तीर्ण-4
25.पत्नी का नाना-2,3
28.मार्ग, रास्ता-2
29.जरा, थोड़ा-2
31.वैमनस्य-3
33.पाजेब-3
35.जरुरतमंद-3,2
36.गदर, क्रांति-3

ऊपर से नीचे
1.उत्साह-3
2.वोट,राय-2
3.हथियार, गोला-बारूद-4
4.सनसनी, रोमांच-4
5.एक विदेशी शराब-2
6.आफत, मुसीबत-2
7.उपपत्नी-3
11.बलिदानी-3
12.कार्य करने वाला-3
13.सिगरेट का सुट्टा मारना-2,3
14.पानी, जल-2
15.निर्माण करने वाला-5
21.प्रकार-3
22.उम्मीद, आशा-2
24.भिखारी-3
26.ख्यात,प्रसिद्ध-4
27.मदिरापान-4
28.मदद,आराम-3
30.इससे कच्ची शराब बनती है-3
31.उस समय-2
32.नागालैंड की एक जाति-2
34.अधर, होठ-2

शब्द पहेली- 6348 का हल

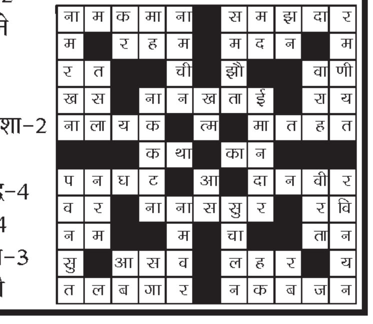

सूडोकू नवताल- 6359 (सरल)

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरें जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

MANGAL SENACHA, BANGALORE

सूडोकू नवताल 6358 का हल

भारत बन सकता है 'चाइना प्लस वन' का बड़ा केंद्र

वैश्विक कंपनियां विविधता ला रही हैं, भारत में बड़ा अवसर पैदा हुआ

वैश्विक कंपनियों की नजर भारत पर, फोर्जिंग उद्योग को स्मार्ट और प्रतिस्पर्धी बनाने पर जोर

एजेंसी ▶▶ पुणे

भारतीय फोर्जिंग उद्योग की शीर्ष संस्था एसोसिएशन ऑफ इंडियन फोर्जिंग इंडस्ट्री (एआईएफआई) के दूसरे वार्षिक सम्मेलन में भारत के लिए बढ़ते 'चाइना प्लस वन' अवसर और फोर्जिंग उद्योग को अधिक स्मार्ट, तकनीकी रूप से सक्षम और प्रतिस्पर्धी बनाने की जरूरत पर जोर दिया गया। 'न्यू डेवलपमेंट ट्रेंड्स इम्पैक्ट ऑन फोर्जिंग इंडस्ट्री' विषय पर आयोजित सम्मेलन में उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधियों ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में हो रहे बदलाव, तकनीक एवं ऑटोमेशन, उत्पादकता, कुशल जनशक्ति, बढ़ती इनपुट लागत, अनुसंधान एवं विकास तथा स्थिरता जैसे मुद्दों पर चर्चा की।

एआईएफआई के अध्यक्ष और वर्षा फोर्जिंग्स प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ यश मुनोट ने कहा कि भारतीय फोर्जिंग उद्योग इस समय महत्वपूर्ण मोड़ पर है। वैश्विक कंपनियां अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता ला रही हैं, जिससे भारत के सामने बड़ा अवसर पैदा हुआ है। हालांकि इस अवसर का लाभ उठाने के लिए उद्योग को उत्पादकता बढ़ाने, तकनीक को तेजी से अपनाने, कर्मचारियों के कौशल विकास तथा नवाचार और स्थिरता पर अधिक निवेश करना होगा। सम्मेलन के मुख्य अतिथि और बीएमडब्ल्यू ग्रुप प्लांट चेन्नई के प्रबंध निदेशक थॉमस डोज ने कहा कि भू-राजनीतिक अस्थिरता और एकल आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता के जोखिमों के चलते वैश्विक कंपनियां वैकल्पिक आपूर्ति केंद्र तलाश रही हैं। ऐसे में भारत अपनी इंजीनियरिंग प्रतिभा, बड़े घरेलू बाजार और मजबूत फोर्जिंग इकोसिस्टम के कारण एक प्रमुख 'प्लस वन' गंतव्य बन सकता है।

एआईएफआई का वार्षिक सम्मेलन

उपलब्ध अवसरों पर प्रकाश डाला

उन्होंने कहा कि 'चाइना प्लस वन' केवल आपूर्ति तक सीमित नहीं है। वैश्विक ग्राहक ऐसे भारतीय साझेदार चाहते हैं, जो इंजीनियरिंग, उत्पाद विकास और पूरी विकास प्रक्रिया में जिम्मेदारी के साथ योगदान दे सकें। उनके अनुसार भारतीय कंपनियों को केवल आपूर्तिकर्ता की भूमिका से आगे बढ़कर वैश्विक ग्राहकों के विकास साझेदार के रूप में अपनी क्षमता साबित करनी होगी।

सम्मेलन में एआईएफआई पश्चिमी क्षेत्र के चेयरमैन एवं एस.बी. फोर्जटेक प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ सुनील जावलेकर ने स्वागत भाषण दिया। पीडब्ल्यूसी के कार्यकारी निदेशक योगेश ठाकर ने 'इंडियन फोर्जिंग इंडस्ट्री- नेक्स्ट ग्लोबल एज' विषय पर प्रस्तुति देते हुए वैश्विक विनिर्माण इकोसिस्टम में भारतीय फोर्जिंग कंपनियों के लिए उपलब्ध अवसरों पर प्रकाश डाला।

मांग बढ़ने की स्थिति में तैयारी पर मंथन

सम्मेलन में 'मैनेजिंग अनसर्टेनिटी / चैलेंजेस टू कैपिटलाइज ऑन डिमांड सर्ज' विषय पर उच्च स्तरीय पैनल चर्चा भी हुई। इसका संचालन एआईएफआई के उपाध्यक्ष एवं सुपर ऑटो फोर्ज प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एस. रविशंकर ने किया।पैनल में एम.एम. फोर्जिंग्स लिमिटेड के सीएमडी विद्याशंकर कृष्णन, बजाज मोटर्स लिमिटेड के एमडी विकास बजाज और हिर्शवोगेल कंपोनेंट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ साहिल जैन शामिल रहे।चर्चा में संभावित मांग वृद्धि का लाभ उठाने के लिए उद्योग की तैयारियों पर विचार किया गया। इसमें जीएसटी , कुशल जनशक्ति, ऑटोमेशन, तकनीकी उन्नयन, निवेश, प्रशिक्षण, आकस्मिक योजना, आरएंडी , उत्पादकता, मांग प्रबंधन और बढ़ती इनपुट लागत जैसे मुद्दे प्रमुख रहे।

पैनलिस्टों ने कहा कि बदलते कारोबारी माहौल में कंपनियों को तकनीक, ऑटोमेशन, कौशल विकास और अनुसंधान एवं विकास में सक्रिय निवेश करना होगा। साथ ही बेहतर उत्पादकता और मजबूत आकस्मिक योजनाओं के जरिए अनिश्चितताओं का सामना करने की क्षमता विकसित करनी होगी। सम्मेलन में इस बात पर सहमति बनी कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बदलाव भारत के फोर्जिंग उद्योग के लिए बड़ा अवसर है। हालांकि, इस अवसर को स्थायी कारोबारी सफलता में बदलने के लिए भारतीय कंपनियों को विनिर्माण क्षमता के साथ-साथ इंजीनियरिंग, तकनीक, कौशल, नवाचार और आरएंडी में भी अपनी क्षमताएं मजबूत करनी होंगी।

खबर संक्षेप

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक में दो बड़ी नियुक्तियां

मुंबई। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने अपने नेतृत्व ढांचे को मजबूत करते हुए अनिल अग्रवाल को सीनियर एग्जीक्यूटिव ग्रुप हेड-कमर्शियल एवं इंस्टीट्यूशनल बैंकिंग और अमोल पाध्ये को चीफ रिस्क ऑफिसर नियुक्त किया है। बैंक के मुताबिक, ये नियुक्तियां उसके अगले चरण के विकास और प्रस्तावित यूनिवर्सल बैंक में बदलाव की तैयारियों को मजबूत करेंगी। अनिल अग्रवाल अपने साथ करीब तीन दशक का बैंकिंग अनुभव लेकर आए हैं। उनकी जिम्मेदारी में कमर्शियल बैंकिंग, होलसेल लायबिलिटीज, ट्रांजैक्शन बैंकिंग, कैश मैनेजमेंट, फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशंस एवं कैपिटल मार्केट्स, गवर्नमेंट बैंकिंग और सस्टेनेबिलिटी पहल शामिल होंगी।

अमेजन का 'बेस्ट इन टेक' सर्वे का तीसरा सेट जारी

बेंगलुरु। अमेजन इंडिया ने अपने पहले बेस्ट इन टेक' सर्वे के नतीजों का तीसरा सेट जारी किया है। 40,000 से अधिक ग्राहकों की प्रतिक्रियाओं पर आधारित सर्वे में स्मार्ट टीवी और घरेलू उपकरणों की खरीदारी को लेकर भारतीय उपभोक्ताओं की प्राथमिकताएं सामने आई हैं। सर्वे के मुताबिक, स्मार्ट टीवी खरीदते समय पिक्चर क्वालिटी, जबकि एयर कंडीशनर और रेफ्रिजरेटर खरीदते समय एनर्जी स्टार रेटिंग सबसे अहम कारक बनकर सामने आई है।

सेमसंग ग्लैक्सी एस26 एफई भारत में लांच

गुरुग्राम। सैमसंग इंडिया ने ग्लैक्सी एस26 सीरीज का नया स्मार्टफोन ग्लैक्सी एस26 एफई भारत में लांच कर दिया है। कंपनी ने इस फोन को फ्लैगशिप कैमरा एक्सपीरियंस, कॉन्टेक्स्ट-अवेयर ग्लैक्सी एआई और दमदार डेली परफॉर्मेंस के साथ पेश किया है। ग्लैक्सी एस26 एफई में 6.7-इंच डायनामिक अमोल्ड 2 एक्स डिस्प्ले दिया गया है, जो 120एचजेड तक रिफ्रेश रेट सपोर्ट करता है। परफॉर्मेंस के लिए फोन में जायनोस 2500 प्रोसेसर मिलता है। भारत में ग्लैक्सी एस26 एफई का 8जीबी रैमइ और 256जीबी स्टोरेज वेरिएंट 79,999 में लांच हुआ है।

डोरेमॉन की आवाज ने बदली श्रीसाई की जिंदगी

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के बापटला के 22 वर्षीय श्रीसाई की कहानी इसका एक उदाहरण है। कम उम्र में मां को खोने और पिता का साथ न मिलने के बाद श्रीसाई का पालन-पोषण दादा-दादी ने किया। लिरिक्स राइटिंग, एडिटिंग, कंटेंट क्रिएशन और कहानी सुनाने में रुचि रखने वाले श्रीसाई तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में करियर बनाना चाहते हैं। धीरे-धीरे वे अपनी मिमिक्री की प्रतिभा के चलते ऐप पर आरजे और डोरेमॉन की आवाज में लाइव ऑडियो रूम होस्ट करने लगे। उनके शो 'टॉक विद डोरेमॉन' और 'डांस विद डोरेमॉन' में गेम, संगीत, कहानियां और बातचीत होती है।

प्याज के दाम 48.27 और लहसुन के 43.60 फीसदी बढ़े

प्याज, अदरक और लहसुन ने बिगाड़ा रसोई का बजट

टमाटर और आलू सस्ते होने से मिली कुछ राहत

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

महंगाई के बीच प्याज, अदरक और लहसुन जैसी रोजमर्रा की रसोई में इस्तेमाल होने वाली चीजों के दाम बढ़ने से आम लोगों की जेब पर दबाव बढ़ गया है। अदरक की कीमत में 73.82 प्रतिशत, प्याज में 48.27 प्रतिशत और लहसुन में 43.60 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इन तीनों जरूरी खाद्य वस्तुओं की कीमत बढ़ने का सीधा असर घर के मासिक बजट पर पड़ रहा है।

बाजारों में अदरक के भाव 150-200 से 400 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गए हैं। इसी तरह लहसुन की कीमत भी बढ़कर कई खुदरा बाजारों में 200 से 300 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई है। प्याज के दाम भी लगातार ऊंचे बने हुए हैं। खुदरा बाजारों में प्याज करीब 40 से 60 रुपए प्रति किलो बिक रहा है। प्याज, अदरक और लहसुन तीनों के महंगे होने से रसोई का खर्च बढ़ गया है।

कीमतों में तेजी का कारण बारिश और आपूर्ति का असर

इन खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेजी के पीछे आपूर्ति और मौसम से जुड़े कारणों का असर माना जा रहा है। बारिश के कारण कई क्षेत्रों में फसलों की आवक और गुणवत्ता प्रभावित होने से मंडियों में अच्छी गुणवत्ता वाले माल की उपलब्धता पर दबाव बढ़ सकता है। इसका असर थोक से लेकर खुदरा बाजार तक कीमतों में दिखाई देता है।

भिंडी सस्ती हुई

हालांकि कुछ जरूरी वस्तुओं की कीमतों में गिरावट भी दर्ज हुई है। इससे उपभोक्ताओं को कुछ राहत मिली है। टमाटर 31.09 प्रतिशत सस्ता हुआ है, जबकि आलू के दाम में 13.14 प्रतिशत की कमी आई है। भिंडी की कीमत भी 5.41 प्रतिशत घटी है। कुल मिलाकर एक तरफ टमाटर और आलू जैसी सब्जियों के सस्ते होने से राहत मिली है।

लहसुन ने बढ़ाई रसोई की चिंता, भोपाल मंडी में थोक भाव 18,550 रुपए क्विंटल

प्याज के बाद अब लहसुन की बढ़ती कीमतों ने आम आदमी की रसोई का बजट बिगाड़ना शुरू कर दिया है।

भोपाल की करोंद स्थित कृषि उपज मंडी में लहसुन का मॉडल भाव 10,650 रुपए प्रति क्विंटल रहा, जबकि मंडी में न्यूनतम भाव 1,500 और अधिकतम 18,550 रुपए प्रति क्विंटल दर्ज किया गया। यानी अच्छी क्वालिटी के लहसुन के थोक भाव करीब 185 रुपए किलो तक पहुंच गए हैं। भोपाल कृषि उपज मंडी के थोक लहसुन व्यापारियों के अनुसार कीमतों में क्वालिटी के अनुसार बड़ा अंतर दिखाई दे रहा है। न्यूनतम और अधिकतम भाव के बीच करीब 8 से 10 हजार रुपए प्रति क्विंटल तक का अंतर दर्ज हुआ है।

जियो यूजर्स को 12 महीने मुफ्त मिलेगा कैनवा प्रो 4000 रुपए की बचत

मुंबई। जियो यूजर्स अब बिना अतिरिक्त पैसे दिए कैनवा प्रो के प्रीमियम डिजाइन टूल्स इस्तेमाल कर सकेंगे। जियो और कैनवा प्रो ने साझेदारी की है, जिसके तहत पात्र ग्राहकों को 12 महीने तक कैनवा प्रो या कैनवा प्रो लाइट मुफ्त मिलेगा। कंपनी के मुताबिक इस ऑफर की कीमत 4,000 रुपए तक है और इसे 16 सितंबर से मायजियो ऐप के जरिए एक्टिव किया जा सकेगा। किस ग्राहक को कौन-सा कैनवा प्रो मिलेगा, यह उसके जियो रिचार्ज प्लान पर निर्भर करेगा। 399 रुपए के प्लान पर कैनवा प्रो मिलेगा, जबकि 349 और 349 रुपए से ऊपर के पात्र 2जीबी प्रतिदिन डेटा वाले प्लान पर कैनवा प्रो लाइट दिया जाएगा। ऑफर के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क या छिपा हुआ चार्ज नहीं होगा। इसका सीधा फायदा छात्रों, कंटेंट क्रिएटर्स, प्रोफेशनल्स और छोटे कारोबारियों को मिल सकता है। कैनवा प्रो की मदद से मोबाइल पर ही स्कूल प्रोजेक्ट, सोशल मीडिया पोस्ट, प्रेजेंटेशन, मार्केटिंग मटीरियल और फेस्टिवल ग्रीटिंग जैसे डिजाइन बनाए जा सकते हैं। कैनवा प्रो लाइट में लाखों प्रीमियम टेम्पलेट, फोटो, वीडियो और फॉन्ट के साथ बैकग्राउंड रिमूवर, मैजिक रीसाइज और 50जीबी क्लाउड स्टोरेज जैसे फीचर मिलेंगे। वहीं कैनवा प्रो में इसके अलावा कैनवा प्रो एआई, कंटेंट प्लानर, ज्यादा एआई लिमिट और 100जीबी क्लाउड स्टोरेज जैसे अतिरिक्त फीचर होंगे। कंपनी प्रेसिडेंट किरण थॉमस ने कहा कि इस साझेदारी के जरिए जियो लाखों भारतीयों तक एआईआधारित डिजाइन टूल्स मुफ्त पहुंचाना चाहता है।

खुदरा कीमत 60 रुपए से नीचे

सरकारी उपायों से चीनी के दाम काबू में, मप्र में 56-57 रुपए किलो

फुटकर बाजार में 57 से 58 रुपए किलो

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

त्योहारी सीजन में चीनी की मांग बढ़ने के बावजूद केंद्र सरकार के हस्तक्षेप से खुदरा बाजार में कीमतों पर फिलहाल नियंत्रण बना हुआ है। उपभोक्ता मामले मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार देश में चीनी का अखिल भारतीय औसत खुदरा मूल्य 59 से 57 रुपए प्रति किलोग्राम रहा।

वहीं मध्य प्रदेश में चीनी की औसत खुदरा कीमत घटकर 56 से 57 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। 21 अगस्त को प्रदेश में यह भाव 62.36 रुपए प्रति किलोग्राम था। इस तरह करीब तीन सप्ताह में मध्य प्रदेश में चीनी के भाव में 5.79 रुपए प्रति किलो की कमी आई है। चीनी की औसत खुदरा कीमत लगातार चौथे दिन 60 रुपए प्रति किलो से नीचे रही। हालांकि भाव पिछले दिन के 58.99 रुपए प्रति किलो के मुकाबले थोड़ा अधिक रहा। 21 अगस्त को केंद्र सरकार द्वारा चीनी आयात की अनुमति दिए जाने के समय अखिल भारतीय औसत खुदरा कीमत 58.23 रुपए प्रति किलो थी। मौजूदा भाव इस स्तर से कुछ अधिक है।

मप्र में देश के कई प्रमुख राज्यों से सस्ती चीनी

राज्यवार आंकड़ों में मध्य प्रदेश में कीमतों में अपेक्षाकृत तेज गिरावट दर्ज की गई है। 21 अगस्त को 62.36 रुपए प्रति किलो से घटकर सोमवार को 56.57 रुपए प्रति किलो रह गई। यानी प्रदेश में कीमत करीब 9.3 फीसदी नीचे आई है। वहीं महाराष्ट्र में औसत खुदरा कीमत 59 रुपए से घटकर 58.22 रुपए प्रति किलो और उत्तर प्रदेश में 59.64 रुपए से घटकर 57.88 रुपए प्रति किलो हो गई। चीनी की कीमतों पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए केंद्र सरकार ने कई उपाय किए हैं। इनमें चीनी के आयात की अनुमति देने के साथ थोक उपयोगकर्ताओं और डीलरों के लिए स्टॉक होल्डिंग नियमों को सख्त करना भी शामिल है। इन कदमों का उद्देश्य बाजार में पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखना और त्योहारी मांग के दौरान कीमतों में अचानक तेजी को रोकना है। सोमवार को देश में चीनी का अधिकतम खुदरा मूल्य 85 रुपए और न्यूनतम 40 रुपए प्रति किलो दर्ज किया गया। आंकड़ों से संकेत मिलता है कि सरकारी हस्तक्षेप के बाद फिलहाल बाजार में कीमतों पर दबाव सीमित है।

नया रायपुर में जुटेंगे दुनिया के 200 से अधिक कैंसर विशेषज्ञ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

बालको मेडिकल सेंटर (बीएमसी) की ओर से चौथा बीएमसी छत्तीसगढ़ कैंसर कॉन्क्लेव 18 से 20 सितंबर तक मेफेयर लेक रिजॉर्ट्स, नया रायपुर में आयोजित किया जाएगा। इसके साथ चूजिंग वाइजली इंडिया की सातवीं बैठक भी होगी। आयोजन ईकैंसर, टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई और नेशनल कैंसर ग्रिड के सहयोग से किया जा रहा है।

इस वर्ष कॉन्क्लेव की थीम 'कैंसर उपचार में संतुलन की पुनर्स्थापना' रखी गई है। इसमें स्तन कैंसर, स्त्री रोग संबंधी कैंसर और मूत्र-जनन तंत्र के कैंसर समेत उपचार के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा होगी। मरीज की जरूरत के अनुसार उपचार तय करने, अनावश्यक उपचार से बचने और उपचार संबंधी निर्णयों में मरीज की भागीदारी बढ़ाने पर विशेषज्ञ विचार साझा करेंगे। कॉन्क्लेव में यूके, अमेरिका, यूएई, नेपाल, श्रीलंका,

इजराइल, बेल्जियम, कनाडा और स्विट्जरलैंड से 11 अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ शामिल होंगे। इनके अलावा देशभर से 200 से अधिक राष्ट्रीय और क्षेत्रीय कैंसर विशेषज्ञ हिस्सा लेंगे। तीन दिनों में 20 से अधिक परिचर्चाएं, बहु-विषयक सत्र, वाद-विवाद और वास्तविक मरीजों के मामलों पर आधारित चर्चाएं होंगी। स्तन कैंसर की लाइव सर्जरी का प्रदर्शन भी किया जाएगा। विशेष प्रशिक्षण कार्यशालाओं में इंटरस्टिशियल ब्रैकीथेरेपी, क्लिनिकल ट्रायल, आनुवंशिक जांच, सटीक कैंसर उपचार, पैथोलॉजी, स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई तथा न्यूक्लियर मेडिसिन और थेरानोस्टिक्स जैसे विषय शामिल होंगे। महिला कैंसर विशेषज्ञों के लिए वीमेन फॉर ऑन्कोलॉजी की नेटवर्किंग और मार्गदर्शन बैठक भी होगी। बीएमसी की मेडिकल डायरेक्टर डॉ. भावना सिरोही ने कहा कि ऐसे आयोजन विशेषज्ञों के बीच ज्ञान और अनुभव साझा करने के साथ क्षेत्रीय स्तर पर कैंसर उपचार की क्षमता मजबूत करने में मदद करते हैं। कॉन्क्लेव में देशभर के 50 युवा डॉक्टरों को यात्रा सहायता भी दी जाएगी। आयोजन के दौरान 'कैनवास फॉर ए लाइफ' कला एवं विरासत प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इसके माध्यम से बीएमसी चैरिटेबल फंड के लिए सहयोग जुटाया जाएगा, जिससे जरूरतमंद मरीजों को उपचार और अन्य आवश्यक सुविधाओं में मदद मिलती है।

वॉलेट फुल, वीकेंड बुक्ड : यात्राओं पर बढ़ रहा भारतीयों का खर्च

एजेंसी ▶▶ पुणे

भारतीय उपभोक्ताओं की खर्च करने की आदतों में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। अब खर्च केवल जरूरतों तक सीमित नहीं है, बल्कि स्थानीय यात्राओं, आउटस्टेशन ट्रैवल, बाहर खाने, खरीदारी और मनोरंजन जैसे अनुभवों पर भी लोग खुलकर बजट खर्च कर रहे हैं। मोबिलिटी और डिजिटल कनेक्टिविटी ने इस बदलाव को और रफ्तार दी है। होम क्रेडिट इंडिया के चीफ मार्केटिंग एंड पीपल ऑफिसर आशीष तिवारी के मुताबिक, भारतीयों की पर्सनल फाइनेंस की सोच अब सावधानी से आगे बढ़कर वित्तीय आत्मविश्वास की ओर जा रही है। कंपनी की नई स्टडी 'द ग्रेट इंडियन वॉलेट स्टडी 2026' में उपभोक्ताओं के खर्च और बचत के बदलते रुझानों की तस्वीर सामने आई है।

57 फीसदी लोगों की आय बढ़ी, 53 फीसदी ने बढ़ाई बचत

अध्ययन के अनुसार, 57फीसदी उत्तरदाताओं ने पिछले एक साल में अपनी आय में वृद्धि दर्ज की है। वहीं 53 फीसदी लोगों का कहना है कि वे पहले की तुलना में अधिक बचत करने में सक्षम हुए हैं। आशीष तिवारी के अनुसार, यह बदलाव वित्तीय अनुशासन में कमी का संकेत नहीं, बल्कि वित्तीय आत्मविश्वास बढ़ने की तस्वीर पेश करता है।

पश्चिम मध्य रेल

खुली ई-निविदा सूचना, दि.: 14.09.2026

उप मुख्य अभियंता/पुल/लाईन पश्चिम मध्य रेल, भोपाल, भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए उनके समक्ष दर्शाई गई दिनांक को 15.30 बजे तक ई-टेन्डर आमंत्रित करते हैं, जो उसी दिनांक को 15.30 बजे खोली जायेगी। संपूर्ण निविदा प्रपत्र तथा निविदा से सम्बंधित पूर्ण जानकारी वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है एवं उप मुख्य अभियंता/पुल/लाइन पश्चिम मध्य रेल, भोपाल के कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर भी देखी जा सकती है। इस टेन्डर के लिये कोई मैन्युअल ऑफर मान्य नहीं है, तथा ऐसा कोई मैन्युअल ऑफर प्राप्त होता है, तो भी वह मान्य नहीं किया जायेगा। इस निविदा में कोई आवश्यक संशोधन, यदि जरुरी हो, तो वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जायेगा, तथा इस कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर लगाया जायेगा। जिसे टेन्डर खुलने के दिन तक देखा जा सकता है।
(1) निविदा सूचना संख्या: DYCE-Br-L-BPL-OT-03-2026 **दिनांक:** 11.09.2026 **कार्य का नाम लोकेशन सहित:** भोपाल डिवीजन: चोका-मिडघाट सेक्शन-DSDC ट्रेनों की आवाजाही में रुकावट दूर करने के लिए गडरिया पुल के गर्डरों की बदलना। **निविदा की अनुमानित लागत:** ₹ 135264710.53/- **निविदा की बयाना राशि:** ₹ 2705300/- **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** ₹ 0.00/- **निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि:** 12.10.2026.
उप मुख्य अभियंता (पुल) लाइन, प.म.रे, भोपाल

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

बिजनेस न्यूज

सेंट्रल बैंक को मिला प्रथम राजभाषा कीर्ति पुरस्कार

भोपाल। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए प्रथम राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। भारत सरकार के गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग की ओर से नवी मुंबई में आयोजित अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में बैंक को यह सम्मान प्रदान किया गया। बैंक के अनुसार यह पुरस्कार राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन, हिंदी के प्रचार-प्रसार और राजभाषा नीति के प्रति प्रतिबद्धता के साथ किए जा रहे निरंतर प्रयासों का परिणाम है। सम्मेलन में प्रथम पुरस्कार के रूप में प्रदान की गई राजभाषा शील्ड सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के एमडी एवं सीईओ कल्याण कुमार ने केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के हाथों प्राप्त की। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सुमित्रा पंवार उपस्थित रहीं। बैंक ने कहा कि राजभाषा के क्षेत्र में कर्मचारियों की भागीदारी बढ़ाने, हिंदी के उपयोग को प्रोत्साहित करने और सरकारी राजभाषा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

राधारमण में मनाया गया इंजीनियरिंग डे दिखाई विशेष डॉक्यूमेंट्री

भोपाल। राधारमण इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस में इंजीनियरिंग डे मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को इंजीनियरिंग के महत्व, तकनीकी नवाचार और राष्ट्र निर्माण में इंजीनियरों की भूमिका के प्रति प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्रुप डायरेक्टर डॉ. पीके लहरी ने की। उन्होंने विद्यार्थियों से बदलती तकनीकी दुनिया के अनुरूप स्वयं को तैयार करने और ज्ञान व नवाचार को कार्यशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

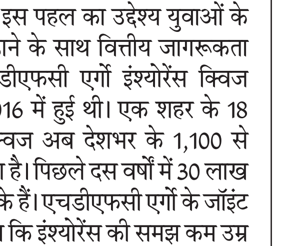

राधारमण ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. जितेंद्र सक्सेना ने कहा कि इंजीनियरिंग देश के विकास और भविष्य के निर्माण का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों को तकनीकी क्षमताओं का उपयोग समाज की समस्याओं के समाधान में करने के लिए प्रेरित किया। डायरेक्टर डॉ. अजय सिंह ने तकनीकी दक्षता, रचनात्मक सोच और समस्या समाधान क्षमता को विद्यार्थियों के लिए जरूरी बताया। इस अवसर पर आरजीआई के डीन एस.बी. खरे और डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. जयपाल बिष्ट ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया।कार्यक्रम में इंजीनियरिंग के विकास की यात्रा और महत्वपूर्ण तकनीकी नवाचारों पर आधारित विशेष डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शित की गई। राधारमण ग्रुप के अध्यक्ष इंजीनियर संजीव सक्सेना ने विद्यार्थियों और फैकल्टी को इंजीनियरिंग डे की शुभकामनाएं दीं।

एचडीएफसी एर्गो इंश्योरेंस में 16,900 से अधिक छात्रों ने कराया रजिस्ट्रेशन

भोपाल। एचडीएफसी एर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी ने कक्षा 8 और 9 के छात्रों के लिए अपनी फ्लैगशिप फर्स्ट एचडीएफसी एर्गो इंश्योरेंस क्विज जूनियर के 11वें एडिशन का आयोजन किया। इस वर्ष देशभर के 600 से अधिक जिलों के 4,850 स्कूलों से 16,900 से ज्यादा छात्रों ने क्विज के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है।मध्य प्रदेश में भी छात्रों में क्विज को लेकर खास उत्साह देखने को मिला। राज्य के 172 स्कूलों के 500 से अधिक छात्रों ने इसमें हिस्सा लेने के लिए पंजीकरण कराया। कंपनी के मुताबिक, इस पहल का उद्देश्य युवाओं के बीच इंश्योरेंस की समझ बढ़ाने के साथ वित्तीय जागरूकता को मजबूत करना है। एचडीएफसी एर्गो इंश्योरेंस क्विज जूनियर की शुरुआत वर्ष 2016 में हुई थी। एक शहर के 18 स्कूलों से शुरू हुआ यह क्विज अब देशभर के 1,100 से अधिक शहरों तक पहुंच चुका है। पिछले दस वर्षों में 30 लाख से अधिक छात्र इससे जुड़ चुके हैं। एचडीएफसी एर्गो के जॉइंट प्रेसिडेंट सोमेश सुराना ने कहा कि इंश्योरेंस की समझ कम उम्र से विकसित होनी चाहिए।

फ्लिपकार्ट त्योहारों के सीजन में देगा 2.5 लाख से ज्यादा रोजगार

नई दिल्ली । ऑनलाइन खरीदारी में त्योहारों के दौरान बढ़ने वाली मांग को देखते हुए फ्लिपकार्ट इस सीजन में देशभर में 2.5 लाख से ज्यादा रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने जा रही है। इनमें करीब 75 हजार लोग ऐसे होंगे, जो पहली बार नौकरी या काम शुरू करेंगे। कंपनी के अनुसार ये अवसर देशभर में उसके 7,000 से ज्यादा सप्लाई चेन सेंटरों पर मिलेंगे। कुल नए रोजगार में करीब 60 प्रतिशत अवसर लास्ट-माइल डिलीवरी से जुड़े होंगे। कंपनी ने त्योहारों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए 900 से ज्यादा नए डिलीवरी सेंटर शुरू किए हैं। करीब 1.4 लाख लोगों को डिलीवरी से जुड़े काम मिलने की तैयारी है। छोटे शहरों और कस्बों में ऑनलाइन खरीदारी तथा फ्लिपकार्ट मिनट्स के विस्तार से भी रोजगार के अवसर बढ़े हैं। फ्लिपकार्ट की सप्लाई चेन में अब 20 प्रतिशत से ज्यादा कर्मचारी महिलाएं हैं। कंपनी ने दिव्यांग लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर बढ़ाने की बात कही है। फ्लिपकार्ट ग्रुप के चीफ कॉर्पोरेट अफेयर्स ऑफिसर रजनीश कुमार ने कहा कि ऑनलाइन खरीदारी बढ़ने के साथ रोजगार और कमाई के अवसर भी बढ़ रहे हैं।

केनरा बैंक Canara Bank
भारत सरकार का उपक्रम A Govt. of India Undertaking
सिंडिकेट Syndicate

क्षेत्रीय कार्यालय-1, भोपाल ब्लाक नं. 3, पाँचवीं मंजिल, जेल रोड, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011

कब्जा सूचना (अचल संपत्ति हेतु)

अधोहस्ताक्षरकर्ता केनरा बैंक के प्राधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(12) प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित ऋणधारी को निम्न खाते के सामने वर्णित राशि एवं उस पर ब्याज राशि एवं सहित नोटिस प्राप्ति के 60 दिन की समयावधि के भुगतान करने हेतु निर्देशित किया गया था।
ऋणी निर्धारित समय सीमा मे ऋण का भुगतान करने मे असफल रहा है। अतः ऋणी/जमानतदार एव सर्वसाधारण को एतद द्वारा सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) सपठित उक्त नियम (8 एवं 9) के अंतर्गत नीचे वर्णित संपत्ति का अधिग्रहण कर लिया है। ऋणग्रहीता को विशिष्टतया और सर्वसाधारण को सामान्यतः एतद द्वारा निम्नलिखित संपत्ति के साथ कोई व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और संपत्ति के साथ कोई व्यवहार निम्न खाते के सामने वर्णित राशि एवं उस पर ब्याज के लिए **केनरा बैंक की संबंधित शाखा** के अधीन होगा।
ऋणी एवं जमानतदारों का ध्यान सुरक्षित परिसंपत्तियों को उपलब्ध समय में छुड़ाने (**redeem** कराने) के संबंध में अधिनियम की धारा (13) एवं उपधारा 8 के प्रावधानों के तहत आकर्षित किया जाता है।

ऋणी /बंधककर्ता/ जमानतदारों का नाम	मांग नोटिस दिनांक / कब्जा दिनांक	बकाया राशि	कब्जा की गई संपत्ति का विवरण
केनरा बैंक, बैरागढ़ चीचली, भोपाल			
ऋणीः **श्री हृदय मोहन मीना पुत्र श्री कालूराम मीना**	24.06.2026 / 14.09.2026	₹ 989963/- +ब्याज एवं अन्य खर्चे	**संपत्ति का समस्त भू भाग रिहायशी डुप्लेक्स मकान निर्मित प्लाट नं. 38/ए-6 'आदित्य होम्स', नटराज गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, ग्राम रतनपुर सड़क, सेक्टर-बी, पटवारी हल्का नं. 44/26, तहसील हुजूर, जिला भोपाल प्लॉट का कुल क्षेत्रफल 680 वर्गफुट (63.19 वर्गमीटर) है, जिसमें भूतल का निर्मित क्षेत्र 43.07 वर्गमीटर और प्रथम तल का निर्मित क्षेत्र 36.12 वर्गमीटर है। चर्तुसीमाएँ:** पूर्वः मकान संख्या 38/ए-5, पश्चिमः मकान संख्या 39, उत्तरः मकान संख्या 38/ए-1, दक्षिणः सड़क। स्वामित्व धारक का नामः श्री हृदय मोहन मीना, पुत्र श्री कालूराम मीना।

स्थान-भोपाल, दिनांक : 14.09.2026 प्राधिकृत अधिकारी केनरा बैंक

चिंतन

धरती के लिए खतरा बढ़ा रही अंतरिक्ष में हथियारों की आहट

अमेरिका ने पहली बार सार्वजनिक रूप से यह स्वीकार किया है कि उसने अंतरिक्ष में हथियार तैनात कर रखे हैं। अमेरिकी वायुसेना के सचिव ट्रॉय मिंक का यह खुलासा ऐसे समय हुआ है, जब अमेरिका, रूस और चीन के बीच अंतरिक्ष में रणनीतिक बढ़त हासिल करने की होड़ लगातार तेज हो रही है। सवाल इसलिए केवल यह नहीं है कि अमेरिका ने अंतरिक्ष में कौन से हथियार तैनात किए हैं, बल्कि यह भी है कि इस खुलासे का समय क्या संकेत देता है? क्या यह ईरान और पश्चिम एशिया में चल रहे घटनाक्रम से दुनिया का ध्यान हटाने की कोशिश है या फिर अंतरिक्ष में हथियारों की होड़ के एक नए दौर का सार्वजनिक ऐलान? अमेरिकी अधिकारी ने यह तो कहा कि ऑर्बिट में मौजूद हथियार जरूरत पड़ने पर अमेरिकी सैनिकों और अंतरिक्ष प्रणालियों को दुश्मन के हमले से बचाने के लिए इस्तेमाल किए जा सकते हैं, लेकिन यह नहीं बताया कि ये हथियार किस प्रकार के हैं, कितने हैं और इन्हें कब अंतरिक्ष में भेजा गया। यही गोपनीयता इस पूरे घटनाक्रम को और गंभीर बनाती है। आज के युद्ध में सैटेलाइट किसी देश की आंख, कान और संचार व्यवस्था की रीढ़ बन चुके हैं। सेना इनके जरिए संपर्क बनाए रखती है, दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखती है, मिसाइलों की चेतावनी हासिल करती है और अपने सैनिकों तथा हथियारों की स्थिति का पता लगाती है। इसलिए अंतरिक्ष पर नियंत्रण का अर्थ धीरे-धीरे युद्ध के मैदान पर बढ़त हासिल करने से जुड़ता जा रहा है। अमेरिका लंबे समय से रूस और चीन की अंतरिक्ष सैन्य क्षमताओं को लेकर चिंता जताता रहा है। रूस के अंतरिक्ष में परमाणु क्षमता विकसित करने की आशंकाओं को लेकर भी अमेरिका चिंता जाहिर करता रहा है, हालांकि मॉस्को इन आरोपों से इनकार करता है। दूसरी ओर, चीन भी अपनी सैन्य आधुनिकीकरण नीति के तहत अंतरिक्ष और एंटी-सैटेलाइट तकनीक में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में अमेरिका का यह कहना कि उसके पास भी ऑर्बिट में हथियार मौजूद हैं, सुरक्षा की मजबूरी के रूप में पेश किया जा सकता है। समस्या यह है कि एक देश की सुरक्षा दूसरे देश के लिए खतरा बन सकती है। परिणाम वही होगा जो दुनिया ने परमाणु हथियारों की होड़ में देखा। सुरक्षा के नाम पर शुरू हुई प्रतिस्पर्धा धीरे-धीरे असुरक्षा को बढ़ाती चली गई। इस घटनाक्रम का सबसे चिंताजनक पहलू यही है कि अंतरिक्ष अब केवल वैज्ञानिक अनुसंधान, संचार और मानव प्रगति का क्षेत्र नहीं रह गया है। वह तेजी से सैन्य रणनीति का नया मोर्चा बन रहा है। यदि किसी बड़े संघर्ष में सैटेलाइटों को निशाना बनाया गया तो उसका असर केवल सैनिक अभियानों तक सीमित नहीं रहेगा। नेविगेशन, विमानन, समुद्री परिवहन, मौसम पूर्वानुमान, आपदा प्रबंधन, दूरसंचार और वित्तीय सेवाओं तक पर असर पड़ सकता है। अंतरिक्ष में मुठभेड़ हुई तो उसकी कीमत धरती पर आम आदमी चुका सकता है। यहीं 1967 की आउटर स्पेस ट्रीटी की प्रासंगिकता सामने आती है। इस संधि ने पृथ्वी की कक्षा में परमाणु हथियारों और सामूहिक विनाश के अन्य हथियारों की तैनाती पर रोक लगाई थी। लेकिन इसमें पारंपरिक हथियारों के अंतरिक्ष में इस्तेमाल पर वैसी स्पष्ट और व्यापक रोक नहीं है। अमेरिका का ताजा खुलासा इसलिए दुनिया के लिए चेतावनी है कि अंतरिक्ष को युद्ध का नया मैदान बनने से रोकने के लिए मौजूदा अंतरराष्ट्रीय नियम पर्याप्त नहीं हैं। दुनिया को अब यह तय करना होगा कि अंतरिक्ष में कौन-सी सैन्य गतिविधियां स्वीकार्य होंगी और कौन-सी नहीं।

पश्चिम एशिया संकट
अखिलेश आर्येन्दु

ऊर्जा जरूरत और अर्थव्यवस्था पर असर

तेल की कीमत 100 डालर के पार पहुंच गई है, जिसका असर दुनियाभर में साफ-साफ दिखाई दे रहा है। भारत जैसे बड़े तेल आयातक देश के लिए इसका अर्थ है-ऊर्जा सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती, रुपये पर दबाव, महंगाई का जोखिम और आयात बिल में वृद्धि। जैसे-जैसे सैन्य तनाव बढ़ता जा रहा है, वैसे-वैसे तमाम तरह की समस्याएं बढ़ रही हैं। सवाल खड़ा किया जा रहा है कि क्या भारत की बड़ी अर्थव्यवस्था की ऊर्जा सुरक्षा इतनी अधिक आयातित तेल पर निर्भर रह सकती है? पश्चिम एशिया में संघर्ष और महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर व्यवधान ने तेल की आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ा दी है। भारत के लिए यह चिंता इसलिए बड़ी है क्योंकि देश अपनी तेल जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है।

पश्चिम एशिया संकट सुलझता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। अमेरिका पीछे हटने को तैयार नहीं है और न ईरान ही। ऐसा लग रहा है कि यह युद्ध रूस-यूक्रेन जैसा लम्बा खिंचेगा। तेल की कीमत 100 डालर के पार पहुंच गई है, जिसका असर दुनियाभर में साफ-साफ दिखाई दे रहा है। भारत जैसे बड़े तेल आयातक देश के लिए इसका अर्थ है-ऊर्जा सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती, रुपये पर दबाव, महंगाई का जोखिम और आयात बिल में वृद्धि। जैसे-जैसे सैन्य तनाव बढ़ता जा रहा है, वैसे-वैसे तमाम तरह की समस्याएं बढ़ रही हैं।

सवाल खड़ा किया जा रहा है कि क्या भारत की बड़ी अर्थव्यवस्था की ऊर्जा सुरक्षा इतनी अधिक आयातित तेल पर निर्भर रह सकती है? पश्चिम एशिया में संघर्ष और महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर व्यवधान ने तेल की आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ा दी है। भारत के लिए यह चिंता इसलिए बड़ी है क्योंकि देश अपनी तेल जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। ऐसे में तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमत में हर उछाल भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए चुनौती लेकर आता है। तेल केवल पेट्रोल पंप पर बिकने वाला ईंधन नहीं है, इसका संबंध अर्थव्यवस्था के तकरीबन हर क्षेत्र से है। परिवहन, कृषि, विमानन, पेट्रोकेमिकल उद्योग में कच्चे तेल से बनने वाले उत्पादों का इस्तेमाल होता है। प्लास्टिक, रसायन, सिंथेटिक फाइबर और अनेक औद्योगिक वस्तुओं की लागत भी ऊर्जा कीमतों से जुड़ी होती है। इसलिए कच्चे तेल की कीमत बढ़ने का असर धीरे-धीरे ही सही, हर क्षेत्र में दिखाई देता है। सबसे पहले आयात बिल बढ़ता है। इसके बाद डालर की मांग बढ़ती है और रुपये पर दबाव बढ़ जाता है। रुपया लगातार प्रतिदिन गिर रहा है। रुपया कमजोर होने पर भारत में आयातित तेल और महंगा हो जाता है। यानी भारत के सामने दोहरा दबाव पैदा हो जाता है- अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल महंगा और डालर के मुकाबले रुपया कमजोर। रुपया कमजोर होने का मतलब डालर की मांग बढ़ना और आयात की हुई हर वस्तु की कीमत अधिक चुकता करना। महंगाई बढ़ने की बड़ी वजह रुपये का लगातार कमजोर होते जाना है। इसलिए एशिया संकट जितनी जल्दी खत्म होगा, भारत के लिए उतना ही अच्छा होगा। पश्चिम एशिया में तेल की कीमतों का लगातार बढ़ते जाने के बावजूद भारत में उस तरह की महंगाई का दौर नहीं आया, जैसे दुनिया के दूसरे देशों में देखने में आया और अभी भी बना हुआ है। सवाल यह है कि तेल के दाम बढ़ते जाने के असर से भारत में वस्तुओं के दाम स्थिर बनाए रखना क्या हर स्थिति में संभव होगा? अर्थशास्त्रियों के अनुसार दुनिया में तेल संकट के बाद भी भारत में महंगाई उस दर से नहीं बढ़ी, जैसे भारत के पड़ोसी देशों में बढ़ी। इसकी वजह है भारत के पास दुनिया की बड़ी रिफाइनिंग क्षमता वाला सुरक्षा कवच का होना। इस सुरक्षा कवच के कारण कच्चा तेल आयात करके उसे पेट्रोल, डीजल, विमानन ईंधन और दूसरे पेट्रोलियम उत्पाद में बदल सकता है। दूसरी बात, भारत ने रूस सहित अलग-अलग देशों से तेल खरीदकर पिछले वर्षों में अपने आयात स्रोतों को भी विधिवत बनाया है,लेकिन यह सुरक्षा कवच बहुत लम्बे समय तक सुरक्षा नहीं दे सकता है। यदि तेल आयात पूरी तरह ठप हो जाए तो भारत के सामने ऊर्जा के दूसरे विकल्पों का इस्तेमाल करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। इसलिए

अभी से ही विकल्पों को दुरुस्त करना होगा। सवाल यह है कि क्या रूस पर निर्भरता ऊर्जा समस्या का समाधान है या असली समाधान के लिए वैकल्पिक ऊर्जा पर निर्भरता बढ़ाना समाधान है? पश्चिम एशिया संकट के बीच अक्सर कहा जाता है कि भारत को अपने सबसे विश्वसनीय मित्र रूस से अधिक तेल खरीदना चाहिए बजाय मध्य-पूर्व देशों से। जानकारों के अनुसार रूस पर निर्भरता कुछ हद तक ही ठीक है।

एक देश पर निर्भरता के बजाय भारत को चाहिए कि वह अनेक स्रोतों और अनेक तकनीकों के संतुलित मिश्रण को अपनाए। यानी स्थायी समाधान भारत को मुकम्मल रूप से खुद तैयार करना होगा। हर तेल संकट भारत को एक ही संदेश देता है-तेल आयात पर निर्भरता कम करनी होगी। इसके लिए केंद्र सरकार लगातार वैकल्पिक ऊर्जा का विस्तार कर रही है। सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा में लगातार विस्तार कर रही है। गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता में तेजी से वृद्धि हुई है। केवल सौर पैनल लगा देने से तेल समस्या खत्म नहीं होगी। अभी गैर-जीवाश्म ऊर्जा से चलने वाले वाहनों की संख्या बहुत कम है। गैर जीवाश्म ऊर्जा से चलने वाले दो और चार पहिया वाहनों की खरीदारी बढ़ी तो है, लेकिन उतनी नहीं, जिससे तेल संकट के वक्त काम आ सकें। इसी तरह सार्वजनिक परिवहनों, रेलवे का विद्युतीकरण, ऊर्जा-कुशल माल ढुलाई जैसे विकल्प बढ़े हैं, लेकिन यह बहुत कम हैं। इसके लिए वैटरी भंडारण और ग्रिड क्षमता को बढ़ाने की जरूरत है। ठंडक के दिनों में कोहरा छाए रहने, बरसात में कई दिनों तक बादल छाए रहने पर सौर ऊर्जा कम प्राप्त हो पाती है। हालिया ऊर्जा समस्या के समाधान में केंद्र सरकार ने कोयले और तेल पर निर्भरता कम करने के लिए परमाणु, सौर, पवन, जलविद्युत, बैटरी भंडारण और हरित हाइड्रोजन जैसे विविध स्रोतों पर निर्भरता बढ़ाने का कार्य किया है। इससे ऊर्जा सुरक्षा को लेकर होने वाली चिंताओं में राहत दिखाई दी है। हाल में यह बताया गया कि तेल संकट के साथ देश में बिजली संकट भी बढ़ सकता है, क्योंकि मांग की अपेक्षा आपूर्ति नहीं हो पा रही है। आज की तारीख में देश के 59 कोयला आधारित बिजली संयत्रों में कोयले का भंडार बेहद कम है। आज की रिपोर्ट के अनुसार इन संयंत्रों के पास या तो निर्धारित स्टाक का 25 प्रतिशत से कम था या तीन दिन से कम उत्पादन जितना कोयला उपलब्ध था। बिजली की मांग करीब 267 गेगा वाट पहुंची और रिकार्ड 270 गेगा वाट के आसपास बनी हुई है। अब जब कि तेल, कोयला दोनों का संकट बढ़ रहा है, देश को ऊर्जा सुरक्षा मिशन की जरूरत बढ़ गई है। अब केंद्र सरकार को ऐसी ऊर्जा नीति बनानी होगी, जो किसी भी संकट के वक्त सुरक्षा कवच के रूप में मौजूद रहे। पहला लक्ष्य यह होना चाहिए कि तेल आयात पर धीरे-धीरे निर्भरता कम की जाए। दूसरी नीति रणनीतिक रूप से पेट्रोलियम भंडार को बढ़ाया जाए। तीसरी सुरक्षा यह होनी चाहिए कि एलपीजी और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति के वैकल्पिक मार्ग विकसित किए जाएं। चौथी सुरक्षा इलेक्ट्रोलिकल सार्वजनिक परिवहन को तेज गति से बढ़ाया जाए जैसे दिल्ली सरकार ने किया है। पांचवीं सुरक्षा बैटरी स्टोरेज और राष्ट्रीय बिजली ग्रिड को मजबूत किया जाए। छठे सुरक्षा के रूप में परमाणु ऊर्जाऔर नवीकरणीय ऊर्जा के संतुलित विस्तार को बढ़ाया जाए और ऊर्जा आयात के लिए एक ही क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता धीरे-धीरे कम की जाए। बढ़ते ऊर्जा संकट में केंद्र सरकार बड़ी सावधानी से आगे बढ़ रही है। उम्मीद की जानी चाहिए कि तेल और गैस संकट से भारत अपने वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों का बेहतर इस्तेमाल कर उबर जाएगा और ऐसा संकट नहीं आएगा कि जनता त्राहि-त्राहि करने लगेगी।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

विश्व ओजोन दिवस
रोहित कौशिक

नया शोध, नई जानकारी लेकिन खतरा टला नहीं

विकास एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है। यही कारण है कि विश्व के ज्यादातर देश किसी न किसी रूप से विकास कर रहे हैं। जीवन स्तर सुधारने के लिए विकास की यह प्रक्रिया सुखद है, लेकिन क्या इस विकास से सच्चे अर्थों में हमारा जीवन स्तर सुधर पाया है? भौतिक रूप से देखें तो निश्चित रूप से हमारा जीवन स्तर सुधरा है, लेकिन विकास की इस प्रक्रिया ने हमारे पर्यावरण को भारी क्षति पहुंचाई है। इसका असर न केवल प्रकृति के स्वास्थ्य बल्कि हमारे स्वास्थ्य पर भी पड़ा है। इस दृष्टि से देखें तो हमारा जीवन स्तर सुधरा नहीं है, अपितु खराब ही हुआ है। विकास की इस प्रक्रिया ने प्रकृति को कई जख्म दिए है। प्रकृति के इन जख्मों ने इंसान के स्वास्थ्य पर बहुत ज्यादा प्रभाव डाला है। विभिन्न तरह से हमारी रक्षा करने वाली ओजोन परत का क्षरण भी विकास की अंधाधुंध प्रक्रियाओं का ही नतीता है। समय-समय पर ओजान परत को लेकर कई अध्ययन प्रकाशित होते रहते हैं। दरअसल, ओजोन परत पृथ्वी के वातावरण की एक महत्वपूर्ण है। यह परत हमें सूर्य की हानिकारण पैराबैंगनी किरणों से बचाती है। 1980 के दशक में वैज्ञानिकों को पता चला था कि यह परत तेजी से पतली हो रही है। मुख्य रूप से अंटार्कटिका के ऊपर एक ओजोन छेद बन रहा था। वैज्ञानिकों ने बताया था कि इसका मुख्य कारण क्लोरोफ्लोरोकार्बन जैसे रसायन हैं जो फ्रिज, एयरकंडीशनर और स्प्रे उत्पादों में इस्तेमाल किए जाते हैं। अब एक नए अध्ययन में बताया गया है कि ओजोन परत का क्षरण 1985 में अंटार्कटिका के ऊपर ओजोन छिद्र की खोज से बहुत पहले ही शुरू हो चुका था। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) ने अपने नए अध्ययन में दावा किया है कि अगर आज जैसी उन्नत निगरानी तकनीकें पहले उपलब्ध होतीं तो वैज्ञानिक ओजोन क्षरण के संकेत 1957 में ही पकड़ सकते थे। इसका अर्थ यह है कि ओजोन छिद्र की खोज से लगभग तीन दशक पहले ही इस सुरक्षात्मक परत को नुकसान होना शुरू हो चुका था।

अब तक मुख्य रूप से क्लोरोफ्लोरोकार्बन को ही ओजोन परत के शुरुआती क्षरण के लिए जिम्मेदार माना जाता रहा है, लेकिन बताया गया है कि क्लोरोफ्लोरोकार्बन नहीं बल्कि कार्बन टेट्राक्लोराइड नाम का एक औद्योगिक रयासन ओजोन परत के क्षरण के लिए जिम्मेदार था। दरअसल, लगातार हो रहे वैज्ञानिक अनुसंधानों का सबसे बड़ा लाभ यही है कि नई-नई जानकारियां सामने आती रहती है। ऐसे अध्ययनों में कई बार पिछले अध्ययनों को नकार भी दिया जाता है। यही विज्ञान की सबसे बड़ी ताकत है। विज्ञान की इसी ताकत के बल पर नए आविष्कार होते हैं और नया शोध प्रमाण के साथ सामने आता है। ओजोन परत पर हुए इस नए अध्ययन के नतीजे प्रतिष्ठित जर्नल प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज (पीएनएएस) में प्रकाशित हुए हैं। कार्बन टेट्राक्लोराइड 1930 के दशक से ही ड्राईक्लीनिंग और मशीनों की सफाई में चिकनाई हटाने वाले सॉल्वेंट के रूप में इस्तेमाल हो रहा था। बर्फ की गहराइयों से निकाले गए आइस कोर नमूनों में भी इसके निशान मिले। यही रसायन ओजोन परत का शुरुआती क्षरण कर रहा था। हालांकि, अब कार्बन टेट्राक्लोराइड का इस्तेमाल दुनिया के कई हिस्सों में बंद किया जा चुका है। अब कई अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि ओजोन परत का क्षरण कम हुआ है। इस दौर में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। विभिन्न देशों की सरकारें भी इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रही हैं। हालांकि पर्यावरण के मुद्दे पर अभी भी कई देशों का व्यवहार खोखले आदर्शवाद की परिधि में आता है। यह तो मानना ही पड़ेगा कि इस दौर में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ी है और इस दिशा में कुछ काम भी हो रहा है। यही कारण है कि आज ओजोन परत की स्थिति में सुधार हुआ है। ओजोन परत की दशा सुधारने के लिए कई तरीके के उपाय किए गए। यह भी कटु सत्य है कि पर्यावरण के विभिन्न मुद्दों पर होने वाली वैश्विक संगोष्ठियों में कई बार अपेक्षित निर्णय नही लिए जाते। अनेक बार कई तरह के विरोधाभास भी उभर आते हैं, लेकिन इन सब विसंगतियों के बावजूद जब बार-बार ऐसे मुद्दों पर चर्चा होती है तो कुछ सार्थक परिणाम भी सामने आते ही हैं। इन परिणामों का ही यह नतीजा है कि आज ओजोन परत की स्थिति में सुधार हुआ है। हालांकि इस सुधार के आधार पर यह मान लेना कि खतरा पूरी तरह टल गया है, उचित नहीं है। हमें इस दिशा में लगातार प्रयास करने होंगे। अगर इन प्रयासों में कहीं भी कमी हुई तो ओजोन परत के क्षरण का खतरा पुनः पैदा हो सकता है। हमें यह समझना होगा कि ओजोन परत को संरक्षित करना जिंदगी के लिए बहुत जरूरी है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मनुष्य इंद्रिय विषयों में करता है आनंद अनुभव

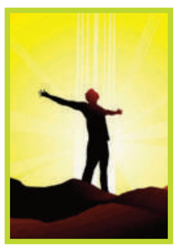

संकलित
दर्शन

भक्ति विभिन्न रूपों में प्रकाशित होती है। पहला है श्रद्धा। लोग मंदिरों और पवित्र स्थानों के प्रति श्रद्धा इसलिए प्रकट करते हैं, क्योंकि वहां भगवान की पूजा होती है, ऐसे स्थानों में उनकी सत्ता अधिक अनुभूति होती है। प्रत्येक देश में लोग धर्माचार्यों के प्रति श्रद्धा इसलिए प्रकट करते हैं, क्योंकि ये आचार्य उन्हीं भगवान की महिमा का उपदेश देते हैं। इस श्रद्धा का मूल है प्रेम। हम जिससे प्रेम नहीं करते, उसके प्रति कभी श्रद्धालु नहीं हो सकते। इसके बाद है प्रीति अर्थात ईश्वर चिंतन में आनंद। मनुष्य इंद्रिय विषयों में तीव्र आनंद अनुभव करता है। इंद्रियों को अच्छी लगने वाली चीजों के लिए वह भटकता फिरता है और बड़ा से बड़ा जोखिम उठाने के लिए तैयार रहता है। भक्त को चाहिए कि वह भगवान के प्रति इसी प्रकार का तीव्र प्रेम रखे। इसके उपरांत आता है विरह। विरह प्रेमास्पद के अभाव में उत्पन्न होने वाला तीव्र दुख। यह दुख संसार के समस्त दुखों में सबसे मधुर है। जब मनुष्य भगवान को न पा सकने के कारण, संसार में एकमात्र जानने योग वस्तु को न जान सकने के कारण तीव्र वेदना अनुभव करने लगता है और अत्यंत व्याकुल हो पागल-सा हो जाता है, उस दशा को विरह कहते हैं। मन की ऐसी दशा में प्रेमास्पद को छोड़ उसे और कुछ अच्छा नहीं लगता। बहुधा यह विरह सांसारिक प्रणय में देखा जाता है। जब पराभक्ति हृदय पर अपना प्रभाव जमा लेती है तो अन्य अप्रिय विषयों की उपस्थिति हमें खटकने लगती है, यहां तक कि प्रेमास्पद भगवान के अतिरिक्त अन्य किसी विषय पर बातचीत तक कहना हमारे लिए अरुचिकर हो जाता है।

मैं भी मेला देखने जाऊंगी

संकलित
प्रेरणा

एक गांव में मां-बेटी रहती थीं। एक दिन वह अपनी मां से कहने लगी कि गांव के सब लोग गणेश मेला देखने जा रहे हैं, मैं भी मेला देखने जाऊंगी। मां ने कहा कि वहां बहुत भीड़ होगी कहीं गिर जाओगी तो चोट लगेगी। लड़की ने मां की बात नहीं सुनी और मेला देखने चल पड़ी। मां ने जाने से पहले बेटी को दो लड्डू दिए और एक घंटी में पानी दिया। मां ने कहा कि एक लड्डू तो गणेश जी को खिला देना और थोड़ा पानी पिला देना। दूसरा लड्डू तुम खा लेना और बचा पानी भी पी लेना। लड़की मेले में चली गई। मेला खत्म होने पर सभी गांववाले वापिस आ गए लेकिन लड़की वापस नहीं आई। लड़की मेले में गणेश जी के पास बैठ गई और कहने लगी कि एक लड्डू और पानी गणेश जी तुम्हारे लिए और एक लड्डू और बाकी बचा पानी मेरे लिए। इस तरह कहते-कहते सारी रात बीत गई। गणेश जी यह देखकर सोचने लगे कि अगर मैने यह एक लड्डू और पानी नहीं पीया तो यह अपने घर नहीं जाएगी। यह सोचकर गणेश जी एक लड़के के वेश में आए और उससे एक लड्डू लेकर खा लिया और साथ ही थोड़ा पानी भी पी लिया फिर वह कहने लगे कि मांगों तुम क्या मांगती हो? वह मन में सोच रही थी तो गणेश जी उसके मन की बात को जान गए। वह लड़की से बोले कि तुम अपने घर जाओ और तुमने जो भी मन में सोचा है वह सब तुम्हें मिलेगा। लड़की घर पहुंची तो मां ने पूछा कि इतनी देर कैसे हो गई? बेटी ने कहा कि आपने जैसा कहा था मैंने वैसा ही किया है और देखते ही देखते जो भी लड़की ने सोचा था वह सब कुछ हो गया।

सटाका

आज की पाती

युवाओं के हौसले का विजयघोष

आज का भारत उस दौर से गुजर रहा है, जहां प्रतिभा किसी बड़े शहर, संपन्न परिवार या महंगे संसाधनों की मोहताज नहीं रह गई है। देश के छोटे कस्बों, गांवों और सामान्य परिवारों से निकलकर युवा अपनी मेहनत, लगन और आत्मविश्वास के दम पर दुनिया के मंच पर भारत का नाम रोशन कर रहे हैं। तीरंदाज धीरज बोम्मादेवरा की विश्व कप फाइनल में स्वर्णिम सफलता इसी बदलते भारत और उसके युवाओं के बढ़ते हौसले का जीवंत उदाहरण है। यह केवल एक खिलाड़ी की जीत नहीं, बल्कि उन लाखों युवाओं के सपनों की जीत है, जो सीमित साधनों के बावजूद बड़ा लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहे हैं। मैक्सिको के साल्टिलो में तीरंदाजी विश्व कप फाइनल के पुरुष व्यक्तिगत रिकर्व वर्ग में धीरज ने जापान के जुन्या नाकानिशी को रोमांचक मुकाबले में शूट ऑफ के जरिए हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। *- गीता चाहर, हिसार*

ट्रेंड

डिफेंस स्टार्टअप्स

भारत में डिफेंस स्टार्टअप्स की एक नई लहर उठ रही है। ये स्टार्टअप्स ड्रोन टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइबर सिक्योरिटी जैसे क्षेत्रों में आधुनिक डिफेंस सेक्टर को एक नई दिशा दे रहे हैं। आज का इनोवेशन ही कल की मिलिट्री क्षमता है। - **राजनाथ सिंह,** रक्षा मंत्री

सेवा संकल्प अभियान

'सेवा संकल्प अभियान' इस साल इसलिए भी खास है क्योंकि 7 अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली थी और तब से वे लगातार 25 सालों से जनसेवा में समर्पित हैं।
- **जगत प्रकाश नड्डा,** केंद्रीय स्वास्थ्यमंत्री

शिक्षा सिस्टम

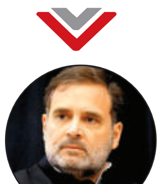

भारत का शिक्षा सिस्टम उसी पीढ़ी को निराश कर रहा है जिसे उसे ऊपर उठाना था। पेपर लीक होना। बहुत ज़्यादा फ़ीस। खस्ताहाल इंफ्रास्ट्रक्चर। लाखों युवा भारतीय ईमानदारी से काम करते हैं, फिर भी सिस्टम उन्हें निराश करता है।
- **राहुल गांधी,** सांसद, कांग्रेस

लोकतंत्र दिवस

लोकतंत्र के इस अंतरराष्ट्रीय दिवस पर, हमें खुद को यह याद दिलाना चाहिए कि 'हम, भारत के लोग' ही लोकतंत्र की असली नींव और आत्मा हैं। सरकार की यह ज़िम्मेदारी है कि वह इस तरह काम करे जिससे लोगों का कल्याण हो। जो लोकतंत्र अपने लोगों की बात नहीं सुनता, वह लोकतंत्र नहीं है।
-**अरविंद केजरीवाल,** पूर्व सीएम, नई दिल्ली

करंट अफेयर

बांग्लादेश व चीन ने प्रस्तावित आर्थिक गलियारे पर की चर्चा

चीन के राजदूत याओ वेन ने बांग्लादेश की कनिष्ठ विदेश मंत्री शमा ओबैद इस्लाम से मुलाकात की तथा उन्होंने ढाका को म्यांमा और चीन से जोड़ने वाले प्रस्तावित आर्थिक गलियारे के संबंध में सहयोग पर चर्चा की। स्थानीय मीडिया की खबर में यह जानकारी दी गई। विदेश मंत्रालय का हवाला देते हुए बांग्लादेश की सरकारी समाचार एजेंसी 'बीएसएस' ने बताया कि सोमवार को मंत्री के कार्यालय में यह बैठक हुई, जिसमें दोनों पक्षों ने बुनियादी ढांचा, ऊर्जा, मानव संसाधन विकास और आर्थिक सहयोग पर भी चर्चा की। प्रस्तावित आर्थिक गलियारा का मकसद म्यांमा के रास्ते बांग्लादेश और दक्षिण-पश्चिमी चीन के बीच कनेक्टिविटी को बेहतर बनाना है। यह पूर्व में प्रस्तावित बांग्लादेश-चीन-भारत-म्यांमा (बीसीआईएम) आर्थिक गलियारा से अलग है। इस प्रस्तावित गलियारे से बीजिंग को बंगाल की खाड़ी तक व्यापार और कनेक्टिविटी का एक अतिरिक्त रास्ता मिल सकता है। खबर के अनुसार, दोनों पक्षों ने रंगपुर में 1,000 बिस्तरों वाले प्रस्तावित अस्पताल, शिक्षा और मानव-संसाधन विकास, दोनों देशों की जनता के स्तर पर संपर्क, ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग और महिला सशक्तीकरण पर भी चर्चा की।

ऑफ बीट

एआई से बढ़ी वित्तीय धोखाधड़ी सावधानी बरतने की जरूरत

फोन की घंटी बजती है और दूसरी तरफ आपके पोते की घबराई हुई आवाज सुनाई देती है। वह बताता है कि उसके साथ दुर्घटना हो गई है और उसे तत्काल पैसों की जरूरत है। आवाज पोते की आवाज जैसी ही होती है लेकिन पोते की आवाज नहीं होती। यह कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की मदद से तैयार की गई आवाज होती है, जिसे इंटरनेट पर उपलब्ध किसी वीडियो या ऑडियो क्लिप से तैयार किया गया है। कई वर्षों से कृत्रिम बुद्धिमत्ता और साइबर सुरक्षा को लेकर चेतावनियों का केंद्र कॉरपोरेट नेटवर्क और सरकारी प्रणालियां रही हैं। हालांकि, ये खतरे वास्तविक हैं, लेकिन अमेरिकी संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के धोखाधड़ी संबंधी आंकड़ों से एक अलग तस्वीर सामने आती है—घरेलू खातों से बड़ी मात्रा में धन निकल रहा है। एफबीआई की 2025 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, उसकी इंटरनेट क्राइम कंप्लेंट सेंटर (आईसी3) इकाई ने पहली बार एआई से जुड़े मामलों को अलग से दर्ज करना शुरू किया। अमेरिकियों ने ऐसे 22,000 से अधिक मामले दर्ज कराए और करीब 89 .3 करोड़ अमेरिकी डॉलर के नुकसान की सूचना दी। इनमें से 63 .2 करोड़ डॉलर का नुकसान निवेश संबंधी धोखाधड़ी में हुआ जबकि 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को 35 .2 करोड़ डॉलर का नुकसान हुआ।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016
aapkepatra.haribhoomi@gmail.com पर भेज सकते हैं।

खबर संक्षेप

आत्महत्या के लिए उकसाने वाले दोषी को 10 साल की सजा

भोपाल। युवती को आत्महत्या के लिए उकसाने वाले अभियुक्त सुनील लोधी पिता किशन लोधी, आयु 26 वर्ष निवासी जी 1 ब्लॉक नम्बर 03, इंडस रियल सिटी, क्षिप्रा ब्लॉक, सतलापुर मंडीदीप रायसेन थाना सतलापुर जिला रायसेन म.प्र को अष्टम अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सुरेखा मिश्रा ने भादंसं की धारा- 306 के अंतर्गत दोषी ठहराते हुए 10 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 5,000 रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया है। प्रकरण में अभियोजन की ओर से अतिरिक्त जिला लोक अभियोजक संतोष कुमार शर्मा द्वारा पैरवी की गई थी। अभियोजन के अनुसार थाना टी.टी. नगर के उपनिरीक्षक अखिलेश त्रिपाठी को दिनांक 9.03.2024 को शाम 6.26 बजे जरिये टेलीफोन हमीदिया अस्पताल से बताया गया कि पेशेंट आशु रात्रि करीब 3 बजे घर मे चेहरे से पैर तक जल गई है, जिसका बर्न प्लास्टिक वार्ड में उपचार चल रहा है, पेसेंट होश में है तथा बात कर रही है। उपनिरीक्षक ने अस्पताल पहुंचकर पेशेंट आशिया उर्फ आशू के मरणासन्न कथन लेख किये, जिसमें उसने बताया कि उसने सुनील लोधी की वजह से अपने को आग लगाई है। पेसेंट द्वारा अपने दोस्त सुनील लोधी द्वारा उसकी आईडी पर बार-बार वीडियो डालने तथा सुनील द्वारा बार-बार परेशान करने से स्वयं को आग लगाना बताया।

संजय चौहान व निखिल का मनाया जन्मदिन

औबेदुल्लागंज। वरिष्ठ कांग्रेस नेता संजय सिंह चौहान और उनके पुत्र निखिल चौहान का जन्मदिन मनाया गया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री राजकुमार पटेल, विधायक सुरेंद्र पटवा, जिला कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र पटेल, सर्वेश गौर, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष इमरत सिंह दरबार, महेश जैन, विनोद इरपाचे, उत्तम यादव, राजेश खटीक, हरजीत सिंह मंगू, डॉ. नंदू नागर] मौनी नागर आदि ने संजय सिंह एवं निखिल को जन्मदिन की बधाई दी।

पच्चीस लाख रुपए देकर भी डुप्लेक्स का इंतजार रजिस्ट्री भी नहीं कराई, अब तक नहीं मिला कब्जा

कलेक्टर की जनसुनवाई में 120 लोगों ने पेश किए शिकायती आवेदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बिल्डर ने 9 साल पहले अलॉटमेंट लेटर जारी किया और 25 लाख रुपए भी वसूल कर लिए, लेकिन अब तक न तो कब्जा मिला और न ही डुप्लेक्स की रजिस्ट्री कराई गई है। मंगलवार को अभिषेक तेकाम ने बिल्डर पर धोखाधड़ी करने का आरोप लगाकर मदद की गुहार लगाई। इसके साथ 120 लोगों ने शिकायती आवेदन पेश किए हैं।

अभिषेक तेकाम ने बताया कि 2017 में बिल्डर ने डुप्लेक्स खरीदने की प्रक्रिया शुरू हुई थी। 21 अप्रैल 2017 को अलॉटमेंट-कम-एक्सेप्टेंस लेटर जारी हुआ और करीब 25 लाख रुपए का भुगतान किया गया। शिकायत करने वाले ने सात साल से अधिक समय बाद भी न रजिस्ट्री हुई और न कब्जा मिला। उन्होंने कलेक्टर समेत पुलिस व प्रशासन से कार्रवाई की मांग की।

जनसुनवाई में आवेदकों से चर्चा करते अधिकारी।

स्कूल की फीस नहीं भरने पर बच्चों को बस से उतारा

बैरसिया के कलारा निवासी राजू शर्मा ने हिनौती स्थित विनियम पब्लिक स्कूल प्रबंधन पर बच्चों के साथ फीस को लेकर भेदभाव का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि उनके बच्चे सिद्धी शर्मा (4) और अनामिका (10) पढ़ते हैं। प्रवेश के समय फीस तीन किस्तों में जमा करने पर सहमति बनी थी। दुर्घटना के कारण फीस समय पर जमा नहीं हो सकी। इसके बाद बच्चों को स्कूल बस से उतारने और कक्षा में अलग बैठाया जा रहा है। एडीएम सुमित पांडे ने मामले की जांच जिला शिक्षा अधिकारी को सौंपी है।

पशु अस्पताल में अतिरिक्त वसूली की शिकायत

जावेद अख्तर ने राज्य पशु चिकित्सालय में बकरी की सोनोग्राफी के नाम पर 250 रुपए की रसीद काटने के बावजूद जांच नहीं करने और 100 रुपए अतिरिक्त मांगने का आरोप लगाया। शिकायत में सरकारी दवाओं के बाहर बेचे जाने का भी दावा किया गया। कलेक्टर से औचक निरीक्षण और जांच की मांग की गई।

सरपंच को ही नहीं दी जनविश्वास शिविर की जानकारी

ग्राम पंचायत अगरिया के सरपंच सुनील कुमार ने पंचायत सचिव हेम सिंह राजपूत पर जनविश्वास शिविर की सूचना नहीं देने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि निर्वाचित जनप्रतिनिधि को जानकारी नहीं मिलने से ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ दिलाने में दिक्कत हुई। उन्होंने सचिव से स्पष्टीकरण और जांच की मांग की।

गांधीनगर पुलिस ने पिता और बेटी से समेत तीन को गिरफ्तार किया

गांधी नगर में बाप-बेटी कर रहे थे गांजे की तस्करी... 22 किलो गांजा बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत गांधीनगर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 21 किलो 950 ग्राम अवैध गांजा जब्त किया है। पुलिस ने गांजे की तस्करी के आरोप में पिता-बेटी समेत तीन लोगों को नारकोटिक्स एक्ट की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। आरोपियों से तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक स्कूटी भी जब्त की गई है।

पुलिस के मुताबिक, 14 सितंबर को गांधीनगर थाने की टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि गांधीनगर निवासी आकाश पारदी अपनी बेटी खुशी के साथ गांजे की खरीद-फरोख्त करता है और गांजे की बड़ी खेप लेकर आने वाला है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक सुनील चतुर्वेदी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपियों की निगरानी शुरू की। उसी तारतम्य में एयरोसिटी रोड, गांधीनगर में घेराबंदी कर आकाश पारदी, उसकी बेटी खुशी सोलंकी और उनके साथी तुषार चौहान को पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान उनके पास से 21 किलो 950 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने गांजा तस्करी में इस्तेमाल की जा रही स्कूटी भी जब्त की है।

गांजा तस्करी में इस्तेमाल की जा रही स्कूटी भी जब्त

गांजे की बड़ी खेप लेकर आते वक्त किया गिरफ्तार

गांधी नगर पुलिस की गिरफ्त में आरोपी और मादक पदार्थ।

कुल्हाड़ी से पिता की हत्या करने वाला बेटा अमोनी के जंगल से गिरफ्तार

सूखीसेवनिया पुलिस ने बंजारा टोला, प्रेमपुरा में पिता की कुल्हाड़ी से हत्या करने वाले हत्यारे बेटे को चौबीस घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। पिता की हत्या के बाद आरोपी अमोनी के जंगल में छिपा हुआ था। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर जंगल में सर्चिंग की। इस दौरान आरोपी एक पेड़ पर चढ़कर बैठा नजर आया। पुलिस ने उसे पेड़ से उतारा और थाने लेकर पहुंची। पुलिस के अनुसार गुड्डीबाई पति फूलसिंह नाथ (50) बंजारा टोला, प्रेमपुरा, भदभदा गांव में रहती हैं। उनके साथ उनकी पति फूलसिंह थे और उनका बेटा धर्मेंद्र नाथ है। गुड्डीबाई ने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि पति फूलसिंह और बेटे में अक्सर कहासुनी होती रहती थी। फूलसिंह बेटे से कहते थे कि कुछ कामकाज कर लो। इधर, धर्मेंद्र कोई काम-काज नहीं करता था। रविवार रात करीब साढ़े 9 परिवार के तीनों सदस्य खाना खा रहे थे। इसी बीच फूलसिंह ने धर्मेंद्र से कहा कि कुछ काम-काज कर ले। खाने के समय खाना खाने बैठ जाता है। फूलसिंह ने पत्नी से कहा कि इसे खाना नहीं देना। कुछ काम करता नहीं करता है बस खाता ही रहता है। यह बात धर्मेंद्र को बुरी लगी। वह खून का घूंट पीकर शांत रहा गया और गुस्से में था। इधर, पिता फूलसिंह ने खाना खाया और टपरे में लेटे थे। इसी बीच धर्मेंद्र कुल्हाड़ी लेकर पहुंचा और लेटे हुए पिता पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। कुल्हाड़ी हाथ, पैर और पीठ में लगने से फूलसिंह गंभीर हो गए। वारदात को अंजाम देने के बाद धर्मेंद्र मौके से भाग निकला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने फूलसिंह को अस्पताल पहुंचाया,जहां उनकी मौत हो गई। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर धर्मेंद्र की तलाश की। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए ग्रामीण मुखबिरों से सहायता मांगी उसके बाद मुखबिर ने सूचना दी कि धर्मेंद्र अमोनी के जंगल में जाता हुआ दिखाई दिया है। पुलिस ने अमोनी के जंगल में सर्चिंग शुरु किया जिसके थोड़ी देर तक तलाश करने के बाद धर्मेंद्र एक पेड़ पर चढ़कर बैठा हुआ नजर आया।

सेल्समैन से नोटों से भरा बैग छीनने वाला गिरफ्तार

छोला मंदिर पुलिस ने प्रेम नगर छोला में शनिवार शाम सेल्समैन से नोटो से भरा बैग छीनने वाले झपटमार गौतम नगर निवासी राहुल उर्फ केडी चौरसिया पिता महेश चौरसिया (20) को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी आदतन बदमाश है और उस पर पूर्व में 17 अन्य अपराध दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक विपिन दुबे (28) कैलाश नगर फेस-वन सेमरा, अशोका गार्डन में रहते हैं। वह हल्दीराम नमकीन में सेल्समैन हैं। शनिवार को वह हल्दीराम का सैंपल लेकर मार्केटिंग के लिए निकले। प्रेमनगर छोला में महाकाल किराना स्टोर पहुंचने के बाद दुकान के सामने लोडिंग ऑटो खड़ा करने के बाद कलेक्शन के पैसों का बैग आटो में रख दिया। वह किराना स्टोर पर नमकीन देकर उनसे पैसे ले रहे थे, तभी एक युवक उनके ऑटो के पास पहुंचा और झोले में से पैसे निकालने लगा। विपिन ने उसे आवाज दी, लेकिन तब तक उसने झोले में से पैसे वाला बैग निकाल लिया और भाग निकला था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

दो सड़क हादसों में दो युवकों की मौत

बाइक सवार कॉलेज छात्र को ट्रक ने मारी टक्कर, तोड़ा दम

परिवार में गमी होने के बाद सागर के बंडा जा रहा था युवक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बिलखिरिया थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग सड़क हादसों में घायल हुए दो युवकों की इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शवों को पीएम के लिए भेज दिया है। दोनों ही मामलों में हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार मुरलीधर चौधरी (30) बंडा जिला सागर का रहने वाला था। फिलहाल वह मंडीदीप में रहता था और एक फैक्ट्री में काम करता था। करीब दस दिन पहले उसके परिवार में गमी हो गई थी। भोपाल में रहने वाले नाते-रिश्तेदार ट्रेन से सागर के लिए रवाना हो गए थे, जबकि मुरलीधर बाइक से सागर जा रहा था। भोपाल से सागर जाते समय वह बिलखिरिया इलाके में सड़क हादसे का शिकार हो गया।

इसी समय सागर से भोपाल आई एक एम्बुलेंस वापस लौट रही थी। एम्बुलेंस के चालक ने उसे घायल देख इलाज के लिए रायसेन स्थित एक अस्पताल पहुंचा दिया। हालत गंभीर होने के कारण उसे हमीदिया अस्पताल के लिए रैफर किया गया था। हमीदिया में इलाज के दौरान कल उसने दम तोड़ दिया। मुरलीधर को किसी वाहन ने टक्कर मारी थी और वह स्वयं ही बाइक से फिसला था, इसका खुलासा जांच के बाद हो पाएगा।

ट्रक की टक्कर से घायल हुए युवक की मौत

इसी इलाके में ट्रक की टक्कर से घायल हुए एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस के अनुसार अनुसार योगेश मेहरा (19) सर्वधर्म कॉलोनी कोलार रोड पर रहता था और कॉलेज में पढ़ता था। उसके पिता ऑटो चलाते हैं। बीती बीस सितंबर को वह अपने पिता की बाइक लेकर कॉलेज से घर लौट रहा था। दोपहर के समय वह बजरंग चौराहे के पास पहुंचा, तभी एक तेज रफ्तार ट्रक ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से योगेश सड़क पर गिर गया जिसके बाद ट्रक उसके पैर पर चढ़ गया, जिसकी वजह से मोटर साइकिल ट्रक में फंस गई। जिसे चालक ने कई मीटर तक घसीटा उसके बाद ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे उतर गया। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने घायल को इलाज के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया। उसके बाद परिजनों ने हमीदिया में भर्ती कराया जहां इलाज के दौरान योगेश की मौत हो गई।

अभा इटर भेल महासंघ ने बीएचईएल के सीएमडी को लंबित मांगों से कराया अवगत

कर्मचारियों के इंसेंटिव राशि में वृद्धि करने जल्द कराएंगे कमेटी की बैठक

अनुकंपा नियुक्ति की प्रक्रिया पुनः प्रारंभ करने की मांग की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

आखिल भारतीय इटर भेल महासंघ के प्रतिनिधिमंडल ने बीएचईएल के सीएमडी केएस मूर्ति से मुलाकात कर बीएचईएल की विभिन्न इकाइयों में कर्मचारियों के समक्ष आ रही प्रमुख समस्याओं और लंबित मांगों को उनके समक्ष रखा। प्रतिनिधिमंडल ने सीएमडी के समक्ष कर्मचारियों को मिलने वाली इंसेंटिव राशि में वृद्धि कर उसे वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप अधिक प्रभावी एवं प्रेरणादायक बनाने की मांग रखी गई।

इसके लिए अतिशीघ्र कमेटी की बैठक बुलाने की बात रखी। इस कमेटी में सेंट्रल यूनियन से भेल के प्रतिनिधि कमलेश नागपुरे शामिल है। सेवा के दौरान दिवंगत कर्मचारियों के पात्र आश्रितों के लिए अनुकंपा नियुक्ति की प्रक्रिया पुनः प्रारंभ करने तथा स्थायी एवं पारदर्शी नीति लागू करने की मांग की।

ज्ञापन सौंपते प्रतिनिधिमंडल के सदस्य।

भेल की विभिन्न इकाइयों में उपलब्ध खाली भूमि का उपयोग करते हुए कर्मचारियों को रियायती दर पर आवासीय प्लॉट उपलब्ध कराने की मांग रखी गई ,कोविड-19 के दौरान दिवंगत हुए भेल कर्मचारियों के परिवारों को पूर्व में मिल रही पेंशनरूपी आर्थिक सहायता को पुनः प्रारंभ करने की मांग प्रमुखता से रखी गई। प्रतिनिधि मंडल ने अपनी-अपनी इकाई से संबंधित प्रमुख समस्याओं एवं मांगों को समक्ष रखा, भेल में भर्ती हुए नए कर्मचारियों को ए3 का प्रारंभिक बेसिक दिया जाए साथ ही इंजीनियर व सुपरवाइजर ट्रेनी की तर्ज पर किया जाए ,अस्पताल में नियमित पैरा-मेडिकल स्टाफ और डाक्टर भर्ती की जाएं।

प्रतिनिधि मंडल भेल के महामंत्री कमलेश नागपुरे, पीएसईएनसी के उप महामंत्री विनोद कुमार विसे, भेल इटर महासंघ के अध्यक्ष ओपी शुक्ला, महामंत्री इंद्रपाल शर्मा, वाराणसी यूनिट के अध्यक्ष शंकर दयाल श्रीवास्तव उपस्थित थे।

भगवान गणेश की पटवा ने की आरती

फूल कुंवर पटवा, विधायक सुरेंद्र पटवा, मोना पटवा ने भगवान गणेश की आरती की।

औबेदुल्लागंज। गणेश चतुर्थी के अवसर पर विधायक सुरेंद्र पटवा के निवास पर विघ्नहर्ता, मंगलकर्ता भगवान श्री गणेश का शुभागमन हुआ। इस अवसर पर पटवा ने कहा कि प्रथम पूज्य श्री गणेश की कृपा से जीवन में सुख, समृद्धि, शांति और सफलता का प्रकाश सदैव बना रहे तथा हर विघ्न दूर हो। इस अवसर पर पटवा ने मंगलकामना के साथ गणपति बप्पा मोरया के जयकारे लगाए।

सरकार ने विस्तृत गाइडलाइन जारी की

अपराध की प्रकृति के हिसाब से अब मिलेगी सामुदायिक सेवा की सजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश में छोटे और अपेक्षाकृत कम गंभीर अपराधों में दोषी पाए जाने वाले लोगों को अब जेल या अन्य दंड के बजाय सामुदायिक सेवा की सजा भी दी जा सकेगी। राज्य सरकार ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023 के तहत सामुदायिक सेवा की सजा के लिए विस्तृत गाइडलाइन जारी की है। गृह विभाग ने इसके आदेश, क्रियान्वयन और निगरानी की प्रक्रिया तय की है। इसके तहत अदालत अपराध की प्रकृति, आरोपी की उम्र, स्वास्थ्य, शारीरिक क्षमता, पारिवारिक-सामाजिक स्थिति और अपराध की परिस्थितियों पर सामुदायिक सेवा तय कर सकेगी।

सामुदायिक सेवा मुख्य रूप से पहली बार अपराध करने वालों के लिए होगी

सामुदायिक सेवा मुख्य रूप से पहली बार अपराध करने वालों के लिए बताई गई है। बार-बार अपराध करने वाले व्यक्ति को यह सजा देने में अदालत को विशेष सावधानी बरतनी होगी और इसके लिए कारण भी दर्ज करना होगा। अदालत के आदेश में सेवा की अवधि, स्थान, कार्य की प्रकृति और सेवा कराने वाले अधिकारी के साथ निगरानी अधिकारी का नाम-पद भी दर्ज होगा। निगरानी अधिकारी उपस्थिति और काम की निगरानी कर न्यायालय को रिपोर्ट देगा। निर्धारित समय पर उपस्थित नहीं होने या आदेश का पालन नहीं करने पर भी न्यायालय को जानकारी दी जाएगी। सामुदायिक सेवा के दौरान महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। दोषी व्यक्ति के साथ भी मानवीय और सम्मानजनक व्यवहार करना होगा। उसे उत्पीड़न, शोषण या अनावश्यक कठिनाई का सामना न करना पड़े, इसका भी ध्यान रखने को कहा गया है।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर कल लगेगा निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

मरीजों से शिविर का लाभ लेने का आह्वान

अपोलो सेज अस्पताल भोपाल के सहयोग से जयप्रकाश शर्मा मित्र मंडल करेगा आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर सेवा पखवाड़े के रूप में 17 सितंबर को निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर अपोलो सेज अस्पताल भोपाल के सहयोग से जयप्रकाश शर्मा मित्र मंडल हिरानिया, औबेदुल्लागंज द्वारा किया जा रहा है। शिविर प्रेम गंगा परिसर, महावीर कॉलोनी में सुबह 9 बजे से लगेगा। शिविर में क्षेत्र के नागरिकों को स्वास्थ्य संबंधी जांच एवं चिकित्सकीय परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

यह सुविधाएं मिलेंगी शिविर में

वरिष्ठ चिकित्सकों द्वारा परामर्श, निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, ब्लड प्रेशर, शुगर एवं बीएमआई जांच की सुविधा रहेगी। इसके साथ ही स्वास्थ्य संबंधी जानकारी एवं आवश्यक सलाह भी दी जाएगी। आयोजक जयप्रकाश शर्मा मित्र मंडल ने अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ लेने की अपील की है।

एमपीपीएससी छात्रा से ठगी की वारदात की

फर्जी आईएएस तृप्ति सिंह पर 3 लाख लेने का आरोप अशोकनगर जेल से प्रोडक्शन वारंट पर लाएगी पुलिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

खुद को आईएएस अधिकारी बताकर नौकरी लगवाने के नाम पर ठगी करने वाली तृप्ति सिंह की मुश्किलें बढ़ गई हैं। बागसेवनिया पुलिस ने उसके खिलाफ तीन लाख रुपए की ठगी की नई एफआईआर दर्ज की है। अब पुलिस तृप्ति को अशोकनगर जेल से दोबारा भोपाल लाकर पूछताछ करेगी। इसके लिए पहले उसे प्रोडक्शन वारंट पर लाया जाएगा और इसके बाद पुलिस रिमांड के लिए न्यायालय में आवेदन करेगी।

नई एफआईआर में सामने आया है कि तृप्ति ने एमपीपीएससी की तैयारी कर रही एक युवती को मानव संसाधन विकास मंत्रालय में स्थायी प्रतिनिधि पद पर नौकरी लगवाने का भरोसा दिया था। नौकरी दिलाने के नाम पर युवती से तीन लाख रुपए लिए गए। लंबे समय तक नौकरी नहीं लगी तो युवती ने अपनी रकम वापस मांगी। आरोप है कि तृप्ति रकम लौटाने के बजाय लगातार टालमटोल करती रही। इसके बाद युवती ने पुलिस से शिकायत की।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में नौकरी का दिलाने का दिया झांसा

पहले से दर्ज हैं दो मामले

तृप्ति सिंह के खिलाफ बागसेवनिया थाने में पहले भी दो मामले दर्ज हो चुके हैं। इन मामलों में भी उस पर खुद को अधिकारी बताकर नौकरी लगवाने का झांसा देने और लोगों से रकम लेने के आरोप हैं। अब तीन लाख रुपए की नई शिकायत सामने आने के बाद पुलिस की जांच का दायरा और बढ़ गया है।

पुलिस की आमने-सामने पूछताछ में खुलेंगे राज

पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि तृप्ति ने युवती से रकम किस तरीके से ली और नौकरी लगवाने के लिए उसने किन लोगों या संस्थानों का नाम इस्तेमाल किया। साथ ही पुलिस यह भी जांच करेगी कि ठगी के इस नेटवर्क में उसके साथ कोई अन्य व्यक्ति शामिल था या नहीं। तृप्ति फिलहाल पहले से दर्ज धोखाधड़ी के मामले में अशोकनगर जेल में बंद है। नई एफआईआर के चलते अब उसे भोपाल लाकर पूछताछ की जाएगी। पुलिस का मानना है कि आमने-सामने पूछताछ में नौकरी दिलाने के नाम पर किए गए दावों और रकम के लेन-देन से जुड़े कई तथ्य सामने आ सकते हैं।

ऐलक श्री दयासागर महाराज ने दिए प्रवचन

ऐलक श्री दयासागर महाराज के सानिध्य में शुरू होगा पर्युषण पर्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

जैन समाज के पर्युषण पर्व का शुभारंभ आज 16 सितंबर से आचार्य विद्यासागर महाराज के परम शिष्य ऐलक श्री दयासागर महाराज के सानिध्य में होगा। इस अवसर पर महाराज श्री ने कहा कि धर्म जीवन का आधार है।

यही वह तत्व है, जो मानव को अपने स्वभाव में स्थिर रहने की प्रेरणा देता है। आचार्य श्री कुंदकुंद देव के अनुसार उत्तम क्षमा, मार्दव, आर्जव, शौच, सत्य, संयम, तप, त्याग, आकिंचन्य और ब्रह्मचर्य का संकल्पपूर्वक पालन करना ही निज स्वभाव है। इन गुणों को जीवन में धारण करने से कलुषित जीवन निर्मल बन सकता है।

सत्य वाणी और गुरु सेवा से जीवन होता है पवित्र

डॉ. मीना जैन ने कहा कि वाणी सत्य से शुद्ध रहती है, मन ज्ञान से शुद्ध रहता है और शरीर गुरु की सेवा से पवित्र होता है। यही सनातन शुद्धता है। उन्होंने कहा कि सज्जन पुरुष लोभ के नाश के लिए संतोष, सुख-शांति के लिए धैर्य तथा तप की वृद्धि के लिए ज्ञान को धारण करते हैं। पर्युषण पर्व के दौरान जैन समाजजनों द्वारा धर्म आराधना, आत्मचिंतन और सद्गुणों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया जाएगा। पर्व के माध्यम से समाज में आध्यात्मिक चेतना और धार्मिक वातावरण का संचार होगा।

राहगीर की सुरमयी प्रस्तुति के साथ सजे कॉर्निवल का समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भोपाल हाट में आयोजित दो दिवसीय डाउनटाउन फ्लिया कार्निवल का समापन प्रसिद्ध गायक और गीतकार राहगीर की शानदार प्रस्तुति के साथ हुआ। इस कॉर्निवल में 7 हजार से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। कॉर्निवल में खरीदारी, खान-पान, संगीत, कला और मनोरंजन का अनूठा संगम देखने को मिला। फैशन, लाइफस्टाइल, हस्तशिल्प और घरेलू सजावट से जुड़े स्टॉल लोगों के आकर्षण का केंद्र रहे। वहीं, विभिन्न व्यंजनों से सजा फूड कोर्ट भी गुलजार रहा। पहले दिन संडाउनर पार्टी में संगीत और रोशनी से सजी शाम ने लोगों का उत्साह बढ़ाया।

दो दिन में 7 हजार से अधिक लोगों ने लिया खरीदारी, खान-पान, कला और संगीत का आनंद

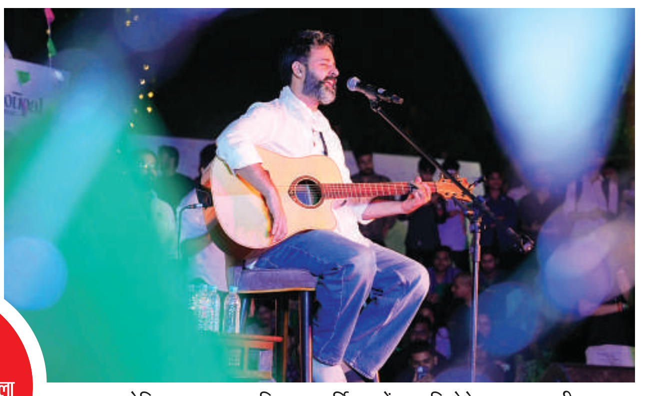

आयोजित डाउनटाउन फ्लिया कार्निवल में प्रस्तुति देते गायक राहगीर।

राहगीर की प्रस्तुति ने माहौल को बनाया सुरमयी

दूसरे दिन राहगीर की प्रस्तुति ने माहौल को सुरमयी बना दिया। उनके लोकप्रिय गीतों पर दर्शक झूमते और गुनगुनाते नजर आए। वहीं कला दीर्घा, हस्तकला कार्यशालाओं, लाइव आर्ट, सड़क कलाकारों, खेल क्षेत्रों और बच्चों के लिए आयोजित गतिविधियों ने भी लोगों का खूब मनोरंजन किया।

कबीर, तुलसीदास, सूरदास, मीरा के भजनों के साथ भारतीय मातृभाषा अनुष्ठान का समापन

'संत राग' की सुरमयी प्रस्तुति ने भर दिए करुणा, प्रेम, शांति और सद्भाव

भारत भवन में दो दिवसीय 'भारतीय मातृभाषा अनुष्ठान' में प्रस्तुति देते कलाकार।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

वीर भारत न्यास द्वारा भारत भवन, आयोजित दो दिवसीय 'भारतीय मातृभाषा अनुष्ठान' का समापन संत वाणी, भारतीय संगीत परंपरा और सांस्कृतिक चेतना की मनोहारी प्रस्तुति के साथ हुआ। संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली द्वारा प्रस्तुत विशेष कार्यक्रम 'संत राग' ने सभागार को करुणा, प्रेम, सद्भाव और शांति के संदेश से सराबोर कर दिया। समापन सत्र की मुख्य अतिथि विख्यात कर्नाटक संगीत गायिका एवं संगीतकार सुधा रघुरामन रहीं। उनके साथ बांसुरी वादक जी. रघुरामन, मृदंग वादक एम.वी. चंद्रशेखरन और तबला वादक शंभूनाथ भट्टाचार्य ने प्रस्तुति दी। वीर भारत न्यास के सलाहकार राहुल रस्तोगी ने अतिथियों एवं कलाकारों का स्वागत किया। 'संत राग' में कबीर, तुलसीदास, सूरदास, मीराबाई, रैदास, गुरु नानक और संत तुकाराम सहित संत परंपरा की वाणी को सुरों में पिरोया गया। प्रस्तुति ने भाषा, संगीत और लोकचेतना की एकात्मता को रेखांकित करते हुए अनुष्ठान को भावपूर्ण सांगीतिक परिणति प्रदान की।

■ करुणा, सद्भाव के संदेश से सराबोर हुआ सभागार

मातृभाषा के संरक्षण के लिए घर से ही करनी होगी शुरुआत

भारत भवन में भारतीय मातृभाषा अनुष्ठान में वक्ताओं ने रखे विचार

भोपाल। मातृभाषाओं का संरक्षण केवल सरकार या संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि परिवार, समाज, मीडिया और नई पीढ़ी की भी सामूहिक जिम्मेदारी है। डिजिटल तकनीक को मातृभाषाओं के संरक्षण और विस्तार का माध्यम बनाकर भारतीय भाषाओं को नई पीढ़ी से जोड़ने की आवश्यकता है। यह बात मप्र, संस्कृति विभाग के अंतर्गत वीर भारत न्यास एवं संस्कृति संचालनालय द्वारा आयोजित 'भारतीय मातृभाषा अनुष्ठान' के दूसरे दिन 'डिजिटल युग में मातृभाषाएं : संकट, संभावना और नई पत्रकारिता' विषयक सत्र में वक्ताओं ने कही। सत्र में पत्रकारों ने मातृभाषाओं, भारतीय भाषाओं की विविधता, डिजिटल तकनीक और बदलती पत्रकारिता के विभिन्न पहलुओं पर विचार व्यक्त किए।

मातृभाषा हमारी भावनाओं, संस्कारों और आत्मा से जुड़ी है

वक्ताओं ने कहा कि मातृभाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्ति की भावनाओं, संस्कारों और उसकी आत्मा से जुड़ी होती है। बचपन से माँ के आंचल और परिवार से मिलने वाली भाषा की अपनी खूबसूरती, नजाकत और सुगंध होती है। आज कई परिवारों में बच्चों से मातृभाषा के बजाय अंग्रेजी में बात करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, जो मातृभाषाओं के संरक्षण के लिए बड़ी चुनौती है। मातृभाषा को बचाने की शुरुआत घर से ही करनी होगी। माता-पिता को बच्चों से अपनी मातृभाषा में संवाद करना चाहिए और बचपन से ही उन्हें अपनी भाषा से जोड़ना चाहिए। एक अन्य वक्ता ने बताया कि उनकी मातृभाषा असमिया है, लेकिन उन्हें स्कूल या कॉलेज में असमिया भाषा में पढ़ने का अवसर नहीं मिला। भाषा के प्रति सम्मान केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि व्यवहार में भी दिखाई देना चाहिए। भारत की भाषाई विविधता उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी बड़ी ताकत है।

राइडर पूजा सिंह

चुनौतियों के साथ पूरा किया हौसले से सफर

भोपाल की एकमात्र महिला सोलो राइडर पूजा सिंह ने पूरी की 6 हजार किमी से ज्यादा लेह बाइक यात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

हौसले, जुनून और एडवेंचर के साथ भोपाल की राइडर पूजा सिंह ने रॉयल एनफील्ड मेटोर 350 पर लेह की रोमांचक बाइक यात्रा पूरी की। छह हजार किलोमीटर से ज्यादा का सफर में वे एकमात्र महिला सोलो राइडर रहीं। 30 अगस्त से 14 सितंबर तक चले इस सफर में पूजा ने हिमालयन बेस कैंप पहुंचने के लिए लद्दाख के दुर्गम, ऊंचाई वाले और चुनौतीपूर्ण इलाकों में बाइक चलाई और लेह से भोपाल वापस पहुंचीं। यात्रा के अलग-अलग हिस्सों में स्थानीय और अन्य राइडर्स भी उनके साथ जुड़े, जबकि कई चुनौतीपूर्ण सेक्शन उन्होंने स्वयं बाइक चलाते हुए पूरे किए। यात्रा के दौरान पूजा ने लेह, खारदुंग ला, चांगला, पेंगोंग और करीब 19,024 फीट की ऊंचाई पर स्थित उमलिंग ला दर्रे सहित कई प्रमुख स्थानों का सफर किया।

धैर्य और सावधानी से दूर की बाधाएं

पूजा ने बताया कि लद्दाख में प्रवेश के बाद सरचू से आगे गाटा लुप्स का करीब 21-22 घुमावदार मोड़ों और खड़ी चढ़ाई वाला हिस्सा उनके लिए खासा चुनौतीपूर्ण रहा। सफ़र के इस मोड़ पर रात का समय, संकरी सड़क पर सामने और पीछे से गुजरते भारी ट्रकों के बीच बाइक संभालना और तेज हवाओं का सामना करना उनके लिए अलग अनुभव रहा। पूजा बताती हैं कि ऊंचाई वाले इलाकों में मौसम और ऑक्सीजन की कमी का भी लगातार ध्यान रखना पड़ा। तेज हवा के बीच हेलमेट हटाने पर सांस लेने में परेशानी महसूस होती थी। इसके बावजूद उन्होंने सावधानी और धैर्य के साथ सफर जारी रखा।

भोपाल की कानून छात्रा आर्या सिंह को मिले दो स्वर्ण पदक

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

आर्या सिंह को राष्ट्रीय विधि विवि, उड़ीसा द्वारा दो गोल्ड मेडल से नवाजा गया है। उन्होंने पहले प्रयास में बीएएलएलबी पांच वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेशा लिया। पांच वर्ष के पाठ्यक्रम में तीन अनुसंधान पेपर इंटरनेशनल जर्नल में प्रकाशित किए। अपने विधि विवि के कास्टीटूयेशनल विधि सोसायटी के कोषाध्यक्ष भी रही।

पुरुषार्थ सभागार में 'अनेक चिड़ियां' का कहानी-वाचन कार्यक्रम

'महाभारत... एक महागाथा और उसकी अनेक कहानियां' में गूंजे महाभारत के विविध स्वर

पुरुषार्थ सभागार में महाभारत पर कहानी-वाचन के दौरान प्रतिभागी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

'अनेक चिड़ियां' समूह की ओर से पुरुषार्थ सभागार में 'महाभारत... एक महागाथा-अनेक कहानियां' कहानी-वाचन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 16 प्रतिभागियों ने महाभारत की अपनी पसंदीदा एवं अनूठी कहानियों को अपने-अपने अंदाज में प्रस्तुत किया। प्रत्येक प्रतिभागी को कहानी-वाचन के लिए पांच से सात मिनट का समय दिया गया। कार्यक्रम में महाभारत के विविध पात्रों और प्रसंगों को केंद्र में रखते हुए कहानियां प्रस्तुत की गईं। किसी ने बर्बरीक और युधिष्ठिर की कथा सुनाई, तो किसी ने द्रौपदी के जीवन और संघर्ष को अपनी कहानी का आधार बनाया।

महाभारत कैसे लिखा गया, विषय पर कथा की प्रस्तुत

अनुश्री ने 'महाभारत कैसे लिखा गया' विषय पर कथा प्रस्तुत की, वहीं दानवीर कर्ण की कहानी ने भी श्रोताओं का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम की सबसे युवा कहानीकार अनामिका ने उलूपी के राजा की कथा सुनाई।

गांधी भवन में हिन्दी दिवस पर 'आओ जानें गांधी को' कार्यक्रम में मौजूद अतिथि। इनसेट : संवाद सत्र को संबोधित करते हुए वरिष्ठ पत्रकार राजेश बादल।

'आओ जानें गांधी को' स्पर्धा का समापन

भाषा हमें भावनात्मक रूप से जोड़ने का माध्यम है...

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

गांधी भवन न्यास द्वारा गांधी सप्ताह के अंतर्गत आयोजित 'आओ जानें गांधी को' कार्यक्रम का हिंदी दिवस के अवसर पर समापन हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए हिंदी भाषा, साहित्य और गांधी विचार पर विशेष संवाद आयोजित किया गया। गांधी भवन न्यास के कोषाध्यक्ष, वरिष्ठ पत्रकार, लेखक एवं संपादक राजेश बादल ने विद्यार्थियों से हिंदी के इतिहास, विकास और भावनात्मक पक्ष पर विस्तार से संवाद किया। उन्होंने कहा कि हिंदी सहित देश की सभी भाषाएं लोगों को जोड़ने का माध्यम हैं। भाषा केवल संवाद का साधन नहीं, बल्कि भावनाओं और विचारों को एक-दूसरे तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने हिंदी के प्रचार-प्रसार को राष्ट्रीय एकता और जनसंपर्क का महत्वपूर्ण माध्यम माना था।

दुष्यंत संग्रहालय में 'स्मरण प्रभाकर' का आयोजन

स्वाभिमान से कभी समझौता नहीं किया प्रभाकर श्रोत्रिय ने

दुष्यंत कुमार संग्रहालय में स्व. डॉ. प्रभाकर श्रोत्रिय के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें याद करते साहित्यकार।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

वरिष्ठ साहित्यकार स्व. डॉ. प्रभाकर श्रोत्रिय की स्मृति में दुष्यंत कुमार संग्रहालय में मंगलवार की शाम 'स्मरण प्रभाकर' कार्यक्रम आयोजित किया गया। साहित्यकारों ने उनके व्यक्तित्व, आलोचना-कर्म और साहित्यिक योगदान को याद करते हुए उन्हें स्वतंत्रचेता, स्वाभिमानी और संवेदनशील साहित्यकार बताया।

लेखकों के हित में महत्वपूर्ण काम किया...

मुख्य वक्ता और डॉ. श्रोत्रिय के भतीजे निरंजन श्रोत्रिय ने कहा कि परिवार में भी उनका स्वाभिमान कायम रहा और साहित्य में भी। उन्होंने लेखकों के हित में महत्वपूर्ण काम किया और उन्हें भरपूर रॉयल्टी दिलाने के प्रयास किए। आलोचना के क्षेत्र में उनका उल्लेखनीय योगदान रहा।

श्रोत्रिय का व्यक्तित्व स्वच्छ और धवल था...

अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. उर्मिला शिरीष ने कहा कि शिक्षक का प्रभाव अपने शिष्य के मन पर कितना गहरा होता है, यह आज यहां स्पष्ट दिखाई दे रहा है। डॉ. शिरीष ने कहा प्रभाकर श्रोत्रिय का व्यक्तित्व स्वच्छ और धवल था। उन्होंने कभी अपने स्वाभिमान से समझौता नहीं किया।

जनजातीय संग्रहालय में जनजातीय संग्रहालय में लता मंगेशकर सुगम संगीत प्रतियोगिता

सुर, ताल और भाव से सजी प्रतियोगिता, ऋृषिका-आराध्या ने बाजी मारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

महान पार्श्व गायिका व स्वर-साम्राज्ञी लता मंगेशकर की स्मृति और उनकी संगीत साधना को नमन करते हुए उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत व कला अकादमी द्वारा आयोजित लता मंगेशकर सुगम संगीत प्रतियोगिता का संभाग स्तरीय आयोजन मंगलवार को मप्र जनजातीय संग्रहालय में हुआ। प्रतियोगिता में भोपाल संभाग के करीब 55 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और अपनी गायन प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

सुगम संगीत प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत करते अतिथि।

सुर, ताल और भावपूर्ण गायन ने बांधा समां

प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने सुर, ताल और भावपूर्ण गायन से निर्णायकों व उपस्थित संगीतप्रेमियों का ध्यान आकर्षित किया। विजेता प्रतिभागियों का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया है। 27 सितंबर को इंदौर में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

ये बने विजेता

प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को जूनियर और सीनियर वर्ग में विभाजित किया गया। सीनियर वर्ग में ऋृषिका प्रजापति ने प्रथम, पार्थवी जोशी ने द्वितीय तथा प्रतिमा गोस्वामी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं जूनियर वर्ग में आराध्या तिवारी प्रथम, ध्वनि श्रीवास्तव द्वितीय और अर्णिका दुबे तृतीय स्थान पर रहीं।

जनजातीय संग्रहालय में आयोजित लता मंगेशकर सुगम संगीत प्रतियोगिता में गीत प्रस्तुत करती प्रतिभागी।

संभाग स्तरीय लता मंगेशकर सुगम संगीत प्रतियोगिता में निर्णायकों के समक्ष अपने गायन की प्रस्तुति देता प्रतिभागी।

दगडूशेठ गणपति के समक्ष महिलाओं का अथर्वशीर्ष पाठ

पाठ में हिस्सा लेने के लिए महिलाएं केवल पुणे से ही नहीं, बल्कि मुंबई, सातारा, कोल्हापुर और लातूर से भी पहुंची थीं। हल्की बारिश के बावजूद कई महिलाएं तड़के 2 बजे से ही कतारों में आकर खड़ी हो गई थीं

एजेंसी ▶▶ पुणे

महाराष्ट्र की सांस्कृतिक राजधानी पुणे में ऋषि पंचमी का पर्व अत्यंत श्रद्धा और गरिमा के साथ मनाया गया। प्रसिद्ध श्रीमंत दगडूशेठ हलवाई सार्वजनिक गणपति मंदिर के बाहर मंगलवार सुबह ऐतिहासिक नजारा देखने को मिला। श्रीमंत दगडूशेठ हलवाई गणपति ट्रस्ट के 134वें गणेश चतुर्थी समारोह के दौरान ऋषि पंचमी के दौरान 35,000 से अधिक महिलाओं ने एक साथ उपस्थित होकर भगवान गणेश के अति-पवित्र 'गणपति अथर्वशीर्ष' का सामूहिक पाठ किया। इस पावन अवसर पर पारंपरिक परिधानों में पहुंचीं महिलाओं के कारण मंदिर से लेकर नाना वाड़ा तक का पूरा इलाका भक्ति और रंगों के अनूठे संगम में तब्दील हो गया।

41वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी परंपरा

अथर्वशीर्ष का पाठ करती महिलाएं

35,000 से अधिक महिलाओं ने किया पाठ

मंदिर से नाना वाड़ा तक इलाका भक्तिमय हुआ

शंखनाद और ओंकार के साथ शुरुआत

समारोह का शुभारंभ शंखनाद और ओंकार जाप के साथ हुआ। इसके बाद 'गणराजा गणनायका' और 'मोरया रे बाप्पा मोरया रे' जैसे भक्ति गीतों ने माहौल को पूरी तरह गणेशमयी बना दिया। इसके उपरांत, 'ॐ नमो गणपतये', 'मोरया मोरया' और 'ॐ गं गणपतये नमः' के दिव्य जयघोष के बीच सामूहिक अथर्वशीर्ष पाठ शुरू हुआ। पाठ के समापन पर हजारों महिलाओं ने हाथ उठाकर तालियों की गूंज के साथ महाआरती में भाग लिया।

रात 2 बजे से कतारों में खड़ी रहीं महिलाएं

श्रीमंत दगडूशेठ हलवाई सार्वजनिक गणपति ट्रस्ट और सुवर्णयुग तरुण मंडल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का यह 41वां वर्ष था, जिसे ट्रस्ट के 134वें गणेशोत्सव के तहत आयोजित किया गया। पाठ में हिस्सा लेने के लिए महिलाएं केवल पुणे से ही नहीं, बल्कि मुंबई, सातारा, कोल्हापुर और लातूर से भी पहुंची थीं। हल्की बारिश के बावजूद कई महिलाएं तड़के 2 बजे से ही कतारों में आकर खड़ी हो गई थीं।

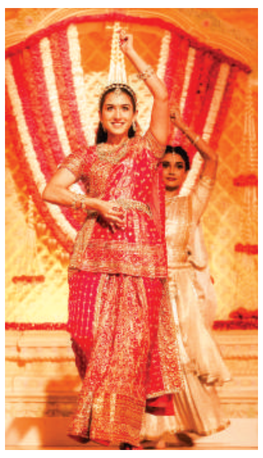

मुकेश अंबानी के घर विराजे बप्पा

मुंबई में मुकेश अंबानी के आवास एंटीलिया पर आयोजित गणपति उत्सव में बॉलीवुड और राजनीति से जुड़ी कई हस्तियां और संत शामिल हुए। उनकी छोटी बहू राधिका अंबानी ने भगवान गणेश के चरणों में एक भावपूर्ण और मनमोहक नृत्य पेश कर बप्पा को अनोखी भक्ति की है।

भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने मुंबई के लालबागचा राजा के दर्शन कर पूजा-अर्चना की।

तिरुवनंतपुरम, केरलम में गणेश चतुर्थी उत्सव में पझावंगडी श्री महा गणपति मंदिर में अरट्टू जुलूस में श्रद्धालु

बिहार के सीएम सम्राट चौधरी गणेश उत्सव के दौरान पूजा करते हुए।

गणेश उत्सव के लिए कोलकता की मिठाई की दुकान में बड़ा लड्डू बनाया।

खबर संक्षेप

विजयवाड़ा बस स्टैंड पर बैग में विस्फोटक जब्त

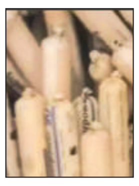

विजयवाड़ा। विजयवाड़ा के पंडित नेहरू बस स्टैंड पर एक संदिग्ध बैग मिलने से यात्रियों में हड़कंप मच गया। कृष्णा लंका पुलिस मौके पर पहुंची और तलाशी अभियान शुरू किया। इसके बाद इलाके को सील किया गया। बैग की तलाशी के दौरान पुलिस को जिलेटिन स्टिक और डेटोनेटर समेत विस्फोटक सामग्री मिली।

हिमांशु भाऊ गैंग ने की थी जिम ट्रेनर की हत्या

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के आया नगर में सोमवार सुबह दिनदहाड़े जिम ट्रेनर विजय कुमार की हत्या को लेकर सोशल मीडिया पर हिमांशु भाऊ के नाम से एक पोस्ट में हत्या की जिम्मेदारी लेने का दावा किया गया है। फतेहपुर बेरी थाना क्षेत्र में हंसा चौक के पास स्थित 'द परफेक्ट जिम' से बाहर बुलाकर बाइक सवार दो हमलावरों ने गोली चलाई थी।

10 हजार छात्र-छात्राओं के लिए बनेंगे हॉस्टल

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने 10 हजार छात्रों के लिए हॉस्टल बनाने का फैसला किया है। इन हॉस्टल में दिल्ली की किसी भी यूनिवर्सिटी के छात्र रह सकेंगे। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने बताया कि जब हम दिल्ली को और बड़े शिक्षा केंद्र के रूप में देखना चाहते हैं, तो यहां पर छात्रावास की जरूरत को भी पूरा करना जरूरी है।

पालघर हिंसा: 16 सितबंर तक हिरासत में आरोपी

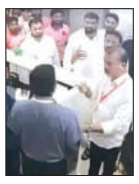

पालघर। पालघर अस्पताल हिंसा मामले में गिरफ्तार 22 लोगों को स्थानीय अदालत ने 16 सितंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। रविवार देर रात मजिस्ट्रेट योगेश एच. गजभिये के आदेश पर पुलिस कस्टडी में भेजे गए लोगों में विधायक राजेंद्र गावित के बेटे रोहित गावित और शिवसेना के पूर्व जिला प्रमुख कुंदन सांखे शामिल हैं।

लंबे समय से अटके पड़े 'किशाऊ मल्टीपर्पस डैम प्रोजेक्ट' को मंत्री शाह ने सुलझाया

15 हजार करोड़ की परियोजना से 6 राज्यों में सिंचाई, बिजली, पेयजल की मिलेगी सुविधा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

लंबे समय से अटके पड़े 'किशाऊ मल्टीपर्पस डैम प्रोजेक्ट' को मंगलवार को बड़ी गति मिली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ हुई बैठक में उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और हरियाणा के मुख्यमंत्रियों ने इस परियोजना पर सहमति जताई। यह समझौता शाह की अध्यक्षता में 16 जून को हुई ऐसी ही एक बैठक के लगभग 3 महीने बाद हुआ है, जिसमें 6 राज्यों ने परियोजना को लागू करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर आगे बढ़ने पर सहमति जताई थी। इस बैठक में ज्यादातर मुख्यमंत्री खुद शामिल हुए।

साथ ही इसमें शामिल राज्यों के मुख्य सचिव और अन्य अधिकारी, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन समेत गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। उम्मीद है कि जल्द ही इस परियोजना को मंजूरी के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल के सामने पेश किया जाएगा।

परियोजना को मंजूरी के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल के सामने पेश किया जाएगा

> राज्यों के बीच बनी सहमति के तहत, प्रोजेक्ट के जल घटक की लागत का 90% हिस्सा केंद्र सरकार केंद्रीय सहायता के तौर पर उठाएगी। बाकी 10% लागत छह राज्यों द्वारा आपस में बांटी जाएगी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में 6 राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने एमओयूपर हस्ताक्षर किए

हिमाचल आवंटित पानी दो राज्यों को देगा

राज्य हिमाचल प्रदेश के पानी के हिस्से से जुड़े मुद्दे को सुलझाने के तरीके पर भी सहमत हुए हैं। हिमाचल प्रदेश के आवंटित पानी का हिस्सा दिल्ली और राजस्थान को दिया जाएगा, जबकि ये दोनों राज्य प्रोजेक्ट के बिजली उत्पादन वाले हिस्से में हिमाचल प्रदेश के हिस्से की लागत को आपस में बांटेंगे। उम्मीद है कि इस व्यवस्था से शामिल राज्यों के बीच एक मुख्य लंबित मुद्दे को सुलझाने और प्रोजेक्ट को लागू करने का रास्ता साफ करने में मदद मिलेगी।

कई राज्यों को मिलेगा अतिरिक्त पानी

इस प्रोजेक्ट से कई राज्यों और दिल्ली को अतिरिक्त पानी मिलने की उम्मीद है। लगभग 15,000 करोड़ रुपए के इस प्रोजेक्ट से इन राज्यों को पानी मिलने की उम्मीद है। हरियाणा को 836 क्यूसेक पानी, यूपी को 543.2 क्यूसेक, राजस्थान को 163.52 क्यूसेक और दिल्ली को 105.28 क्यूसेक पानी मिलेगा। पानी की ज्यादा उपलब्धता और बहाव से उन इलाकों में सिंचाई और पीने के पानी की जरूरतों को पूरा करने में भी मदद मिलने की उम्मीद है।

उत्तराखंड में टोंस नदी पर बनेगा डैम

किशाऊ मल्टीपर्पस डैम प्रोजेक्ट उत्तराखंड में टोंस नदी पर प्रस्तावित एक मल्टीपर्पस (बहु-उद्देशीय) जल भंडारण और जल-विद्युत प्रोजेक्ट है। टोंस नदी, यमुना नदी की एक प्रमुख सहायक नदी है। इस प्रोजेक्ट का मकसद किशाऊ जलाशय में कई उद्देश्यों के लिए पानी जमा करना है, जिनमें सिंचाई, जल-विद्युत उत्पादन और पीने के पानी की आपूर्ति बढ़ाना शामिल है। इससे यमुना में साफ़ पानी का बहाव बढ़ने और नदी को पुनर्जीवित करने के प्रयासों में मदद मिलने की भी उम्मीद है। यह प्रोजेक्ट कई सालों से विचाराधीन है। इसमें छह राज्य- हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली शामिल हैं, क्योंकि इसका पानी के बंटवारे, बिजली उत्पादन और वित्तपोषण पर असर पड़ता है।

6 राज्यों के बीच बनी सहमति

6 राज्यों के बीच सहमति बनने के बाद, अब इस प्रोजेक्ट के मंजूरी के अगले चरण की ओर बढ़ने की उम्मीद है। किशाऊ मल्टीपर्पज्ज डैम प्रोजेक्ट को मंजूरी के लिए केंद्रीय कैबिनेट के सामने रखा जाएगा, जिसके बाद इसे लागू करने की प्रक्रिया आगे बढ़ सकती है। यह नया समझौता इस प्रोजेक्ट से जुड़े लंबे समय से चले आ रहे अंतर-राज्यीय मुद्दों को सुलझाने और ऐसे प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने की दिशा में एक अहम कदम है, जिसका पानी की सुरक्षा, पनबिजली, सिंचाई और यमुना को फिर से जीवित करने पर असर पड़ेगा।

यमुना नदी में बढ़ेगा पानी का बहाव

इस प्रोजेक्ट का एक मुख्य मकसद किशाऊ रिजर्वॉयर से पानी को कंट्रोल करके जमा करने और छोड़ने के जरिए यमुना में पानी का बहाव बढ़ाना है। केंद्र और इसमें शामिल राज्यों ने इस प्रोजेक्ट को यमुना को फिर से जीवित करने के बड़े मकसद से जोड़ा है। पानी के अतिरिक्त बहाव से नदी में साफ पानी की उपलब्धता बेहतर होने की उम्मीद है, साथ ही रिजर्वॉयर से सिंचाई, पीने के पानी और बिजली उत्पादन की जरूरतें भी पूरी होंगी।

बिना जांच विदेश जाने का मामला

उड्डयन मंत्रालय ने एयर इंडिया को थमाया शो-कॉज 'नोटिस'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली एयरपोर्ट पर इंटरनेशनल पैसेंजर्स की आवाजाही से जुड़ी एक गंभीर चूक सामने आई है, जिसने सुरक्षा और इमिग्रेशन व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामला तीन विदेशी यात्रियों से जुड़ा है, जो दिल्ली पहुंचने के बाद तय प्रक्रिया पूरी किए बिना ही अपनी अगली इंटरनेशनल फ्लाइट तक पहुंच गए। अब इस मामले में मिनिस्ट्री ऑफ सिविल एविएशन ने एयर इंडिया से जवाब तलब किया है।

एयरलाइन को बताना होगा कि आखिर यह चूक कैसे हुई और इसके लिए जिम्मेदार कौन है। यह मामला 4 सितंबर का है। तीन इटैलियन पैसेंजर एयर इंडिया की फ्लाइट से अमृतसर से दिल्ली पहुंचे थे। इसके बाद उन्हें लुफ्थांसा की दिल्ली से म्यूनिख जाने वाली फ्लाइट पकड़नी थी। नियम के मुताबिक दिल्ली पहुंचने के बाद इन यात्रियों को अराइवल इमिग्रेशन एरिया में जाकर निर्धारित इमिग्रेशन प्रक्रिया पूरी करनी थी।

9 बिंदुओं पर मांगा जवाब

मामले को गंभीरता से लेते हुए सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने एअर इंडिया के सीईओ तेवोल्डे गेब्रेमारियम को शो कॉज नोटिस जारी किया है। एयरलाइन से 9 बिंदुओं पर लिखित जवाब मांगा गया है। मिनिस्ट्री ने एअर इंडिया को जवाब देने के लिए 7 दिन का समय दिया है। एयरलाइन को 19 सितंबर तक यह बताना होगा कि उसके खिलाफ कार्रवाई क्यों न की जाए। सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने अपने नोटिस में यात्रियों को संभालने और उन्हें एस्कॉर्ट करने वाले एअर इंडिया और एसएटीएस के कर्मचारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। मामले को लेकर गृह मंत्रालय ने भी मंगलवार को अधिकारियों और संबंधित पक्षों की बैठक बुलाई। गृह मंत्रालय ने इसे सुरक्षा और इमिग्रेशन से जुड़ी गंभीर चूक बताया है। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में पी बालाजी (एअर इंडिया में ग्रुप हेड-गवर्नेंस, रेगुलेटरी, कंप्लायंस और कॉर्पोरेट अफेयर्स) समेत इंटेलिजेंस ब्यूरो और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

क्या है हब-एंड-स्पोक सिस्टम ?

एअर इंडिया कुछ रूट्स पर हब-एंड-स्पोक मॉडल के तहत काम करती है। अमृतसर से जुड़ी कुछ उड़ानें भी इस व्यवस्था का हिस्सा हैं। आसान भाषा में समझें तो इस व्यवस्था में विदेश जाने वाले यात्री स्पोक एयरपोर्ट पर ही इमिग्रेशन की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। इसके बाद हब एयरपोर्ट पहुंचने पर उन्हें मुख्य रूप से सिक्योरिटी चेक के बाद अपनी इंटरनेशनल फ्लाइट पकड़नी होती है। लेकिन इस मामले में अमृतसर-दिल्ली और दिल्ली-म्यूनिख की उड़ानें इस व्यवस्था के तहत नहीं थीं। इसलिए यात्रियों को दिल्ली में अराइवल इमिग्रेशन की निर्धारित प्रक्रिया से गुजरना जरूरी था।

वित्त मंत्री सीतारमण की जेन जी से अपील

राष्ट्र हित से न करें समझौता 'देश' को रखें सबसे पहले

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को 'जेन जी' और 'जेन अल्फा' पीढ़ी से नेतृत्व की जिम्मेदारी संभालने और देश को सबसे ऊपर रखने का आह्वान किया।

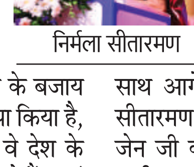

निर्मला सीतारमण

उन्होंने युवा स्नातकों से कहा कि वे यह पूछने के बजाय कि देश ने उनके लिए क्या किया है, इस पर विचार करें कि वे देश के लिए क्या योगदान दे सकते हैं। यहां डॉ. एमजीआर एजुकेशनल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के 36वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि देश युवाओं की आकांक्षाओं को सुनने के लिए तैयार है। हालांकि, उन्होंने युवाओं से जिम्मेदारी और नागरिक कर्तव्य की गहरी भावना के साथ आगे आने की अपील की। सीतारमण ने कहा कि आप खुद को जेन जी कहें या जेन अल्फा, हम सभी आपकी बात सुनने के लिए तैयार हैं।

हिट-एंड-रन मामले में पुलिस का बयान

आरोपी का इरादा महिला को जान से मारने का था, दो लोग गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ गुरुग्राम

गोल्फ कोर्स रोड पर महिला बाइकर को कार से टक्कर मारकर भागने के मामले में गुरुग्राम पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। अपराध शाखा सोहना की टीम ने मंगलवार सुबह आरोपित कल्याण बैंसला को राजस्थान के दौसा-राजगढ़ के बीच से पकड़ा। घटना के बाद वह अपने गांव पहुंचा था। वहां मीडिया को इंटरव्यू देकर अपना मोबाइल बंद कर फरार हो गया था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने तीन टीमें गठित की थीं।

आरोपी कल्याण बैंसला

डीसीपी ईस्ट संदीप कुमार ने बताया कि गहन जांच और सीसीटीवी विश्लेषण के आधार पर पुलिस ने इस मामले में हत्या के प्रयास की धारा 109 बीएनएस जोड़ी है। वहीं पीड़िता के बयान दर्ज करने के बाद केस में महिला को परेशान करने, पीछा करने से संबंधित धारा 78, 79 बीएनएस की भी बढ़ोतरी की गई है।

आईसीडब्ल्यूए के मंच से उपराष्ट्रपति का विश्व को संदेश

आपसी सहयोग और साझेदारी से ही दुनिया में शांति-विकास संभव

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति एवं इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स (आईसीडब्ल्यूए) के अध्यक्ष सीपी राधाकृष्णन ने आईसीडब्ल्यूए के 'राष्ट्रीय महत्व के संस्थान' का दर्जा प्राप्त करने की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मानव प्रगति और वैश्विक शांति एक-दूसरे की पूरक हैं। दुनिया में स्थायी शांति और समावेशी विकास तभी संभव है, जब देश एक-दूसरे की चिंताओं को समझें और आपसी हितों के लिए सहयोग एवं साझेदारी की भावना से मिलकर काम करें।

इंसानी तरक्की और विश्व शांति साथ चले

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप राष्ट्रपति

उन्होंने कहा कि टकराव और विरोधाभासों से जूझ रही दुनिया में, 'नई दिल्ली लीडर्स डिक्लेरेशन' को सर्वसम्मति से अपनाना एक बड़ी उपलब्धि थी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कूटनीति का पहला मकसद देशों के बीच अच्छे संबंध बनाना है।

भारत वैश्विक मंच पर उभर रहा

उप राष्ट्रपति ने कहा कि भारत शांति, तरक्की और खुशहाली के लिए एक मजबूत आवाज बनकर उभरा है। उन्होंने 'वसुधैव कुटुंबकम' की बात पर जोर दिया और 'वैक्सीन मैत्री', भारत की आपदा-प्रबंधन कोशिशों, 'लाइफ' और इंटरनेशनल सोलर अलायंस के उदाहरण दिए।

1995 के सुप्रीम फैसले को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

उपभोक्ता कानून के दायरे में ही रहेंगे डॉक्टर, मरीजों के प्रति जवाबदेह होंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि डॉक्टर और अस्पताल आगे भी उपभोक्ता संरक्षण कानून के तहत ही मरीजों के प्रति जवाबदेह रहेंगे। इस बारे में दायर एक सुधारात्मक याचिका को सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की पीठ ने खारिज कर दिया। याचिका में 1995 के सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी गई थी जिसमें चिकित्सा सेवाओं को उपभोक्ता संरक्षण कानून (सीपीए) के दायरे में लाया गया था।

मेडिको लीगल सोसाइटी ऑफ इंडिया ने दायर की थी याचिका

जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस बीवी नागरत्ना, जस्टिस एमएम सुंदरेश, जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पांच जजों की पीठ ने 9 सितंबर को याचिका खारिज करते हुए कहा, क्यूरेटिव याचिका पर विचार करने के लिए तय किए गए नियमों के तहत कोई मामला नहीं बनता है। याचिका मेडिको लीगल सोसाइटी ऑफ इंडिया के डॉ. राजीव डी जोशी ने दायर की थी।

वकीलों को मिली छूट को बनाया था आधार

याचिका में सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश का हवाला दिया गया था जिसमें शीर्ष कोर्ट ने कहा था कि कानूनी पेशेवरों (वकीलों) के खिलाफ सेवा में कमी के लिए उपभोक्ता संरक्षण कानून के तहत कार्रवाई नहीं की जा सकती। इस फैसले के आधार पर क्यूरेटिव याचिका में 1995 के फैसले पर पुनर्विचार का अनुरोध किया गया था। पीठ ने कहा, यह संदर्भ गैर-जरूरी था। वकीलों से जुड़ा पिछला फैसला खास तौर पर कानूनी पेशे से संबंधित था और उपभोक्ता संरक्षण कानून से वकीलों को बाहर रखने का मतलब यह नहीं है कि चिकित्सा पेशेवरों पर लागू कानून के मामले को फिर से खोलने की जरूरत है।

राहुल-प्रियंका ने डॉ. मनमोहन सिंह फेलो से किया संवाद

फेलो को वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के साथ काम करने का अवसर

पेशेवरों, प्रतिभाओं और उद्यमियों की राजनीति में भागीदारी पर जोर

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस के लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव एवं सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित इंदिरा भवन में ऑल इंडिया प्रोफेशनल्स कांग्रेस (एआईपीसी) के डॉ. मनमोहन सिंह फेलो के साथ संवाद किया। इस दौरान एआईपीसी के नवनियुक्त चेयरपर्सन मधु गौड़ यास्खी और राज्यसभा सांसद प्रवीण चक्रवर्ती भी मौजूद रहे।

फेलो के साथ संवाद करते राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा

विशेषज्ञों को राजनीति से जोड़ रहे

एआईपीसी कांग्रेस का ऐसा मंच है, जो कामकाजी पेशेवरों, उद्यमियों और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को राजनीति से जोड़ने तथा उनके अनुभव और विशेषज्ञता को नीति निर्माण एवं सार्वजनिक जीवन में उपयोग करने पर केंद्रित है।

पेशवर समुदाय और राजनीति के बीच संवाद

कार्यक्रम में फेलो ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ संवाद करते हुए अपने अनुभवों और राजनीतिक क्षेत्र में पेशेवरों की भूमिका से जुड़े विषयों पर विचार साझा किए। कार्यक्रम का उद्देश्य पेशेवर पृष्ठभूमि वाले युवाओं और विशेषज्ञों को सार्वजनिक जीवन तथा राजनीति से जोड़ने की एआईपीसी की पहल को आगे बढ़ाना है। संगठन के अनुसार, उसका उद्देश्य पेशेवर समुदाय और राजनीति के बीच संवाद का एक प्रभावी तंत्र विकसित करना है।

नया नेतृत्व विकसित करने की पहल

कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की स्मृति में अप्रैल 2025 में डॉ. मनमोहन सिंह फेलो कार्यक्रम शुरू किया था। यह कार्यक्रम पेशेवरों को राजनीति में सक्रिय भूमिका के लिए तैयार करने और उन्हें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन में काम करने का अवसर देने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। कार्यक्रम को सामान्य इंटर्नशिप के बजाए राजनीतिक नेतृत्व विकसित करने की पहल के रूप में तैयार किया गया है। फेलो को वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के साथ काम करने, राजनीतिक और नीतिगत मुद्दों को समझने तथा सार्वजनिक जीवन में अपनी पेशेवर विशेषज्ञता का उपयोग करने का अवसर दिया जाता है। फेलोशिप कार्यक्रम की आधिकारिक वेबसाइट इसे राष्ट्रीय राजनीति में नेतृत्व विकसित करने के लिए एक राजनीतिक नेतृत्व इनक्यूबेटर के रूप में प्रस्तुत करती है। एआईपीसी की वेबसाइट पर राहुल गांधी के संदेश में पेशेवरों और प्रतिभाशाली लोगों से राजनीति में आने तथा प्रवक्ता, नीति-निर्माता अथवा जनप्रतिनिधि के रूप में योगदान देने की अपील की गई है।

एआई बदलेगा युद्ध का तरीका! रक्षा मंत्री बोले- आज की कल्पना बनेगी कल की ताकत

दिल्ली स्थित डीआरडीओ भवन में आयोजित किया गया विमर्श

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार डीआरडीओ की ओर से आयोजित डीआरडीओ-इंडस्ट्री सिनर्जी मीट 'विमर्श 2026' को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत का सपना केवल आर्थिक रूप से मजबूत देश बनाने तक सीमित नहीं है। इसका उद्देश्य ऐसा भारत बनाना है जो तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर, सामाजिक रूप से समावेशी, पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ और रणनीतिक रूप से सुरक्षित हो। भविष्य के युद्ध में तकनीकी बढ़त ही रणनीतिक बढ़त तय करेगी। आज हम जिस तकनीक की कल्पना कर रहे हैं, वही कल की सैन्य क्षमताओं का आधार बनेगी। इस व्यापक लक्ष्य को हासिल करने में रक्षा क्षेत्र की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है और यह इस विजन का 'आधार स्तंभ' है।

डीआरडीओ-उद्योग साझेदारी को उत्पादन से आगे ले जाने की जरूरत

रक्षा मंत्री ने 2047 तक रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर जोर दिया

लक्ष्यों को हासिल करने के लिए सहयोग होना बेहद जरूरी

डीआरडीओ और उद्योगों के बीच हुई साझेदारी

सिंह ने आगे कहा कि 2047 तक हमें महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता हासिल करनी होगी, स्वदेशी सामग्री के इस्तेमाल में उल्लेखनीय वृद्धि करनी होगी, रक्षा निर्यात को कई गुना बढ़ाना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत की मजबूत मौजूदगी हो। इन लक्ष्यों को सहयोग के बिना हासिल नहीं किया जा सकता। इसके लिए रक्षा क्षेत्र से जुड़े सभी पक्षों के बीच साझेदारी और समन्वय को और मजबूत करना होगा। यह कार्यक्रम डीआरडीओ-इंडस्ट्री सिनर्जी मीट 'विमर्श 2026' के तहत नई दिल्ली स्थित डीआरडीओ भवन में आयोजित किया गया। सिंह ने कहा कि डीआरडीओ और उद्योग के बीच साझेदारी केवल उत्पादन तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इसे अनुसंधान, डिजाइन, परीक्षण, प्रमाणन और विनिर्माण की पूरी मूल्य श्रृंखला तक विस्तार दिया जाना चाहिए। बड़ी कंपनियों के साथ-साथ एमएसएमई और स्टार्टअप को भी इस पूरी मूल्य श्रृंखला का अभिन्न हिस्सा बनाया जाना चाहिए।

एआई और ड्रोन बदलेंगे भविष्य के युद्ध का स्वरूप

रक्षा मंत्री ने कहा कि उभरती प्रौद्योगिकियां, खासकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और ड्रोन, भविष्य के युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने रक्षा क्षेत्र से तकनीकी नवाचार की गति तेज करने का आह्वान किया। आज हम देख रहे हैं कि एआई का इस्तेमाल ऐसी तस्वीर बनाने के लिए किया जा सकता है, जो 80 के दशक की प्रतीत होती है। असली खुशी तब होगी, जब हम आज से 40-50 साल आगे के भविष्य की तस्वीर पेश कर सकें।

तकनीकी में नेतृत्व करेगा भारत

सिंह ने कहा, हम 40-50 साल बाद भारत को जैसा देखना चाहते हैं, उसकी कल्पना ही हमारे उत्साह को नई ऊर्जा देगी। उन्होंने कहा कि जो कंपनियां नई और उभरती प्रौद्योगिकियों में निवेश करेंगी, वही भविष्य में तकनीकी नेतृत्व हासिल करेंगी। हमें केवल भविष्य की तकनीक की कल्पना नहीं करनी है, बल्कि भविष्य की तकनीक को आज ही विकसित करना है। क्योंकि भविष्य के युद्ध में केवल वही देश रणनीतिक बढ़त हासिल कर सकेगा, जो तकनीक के क्षेत्र में नेतृत्व करेगा। आज की हमारी कल्पना ही कल की सैन्य क्षमताओं का रूप लेगी।

खबर संक्षेप

पश्चिमी वायु कमान की संगोष्ठी आयोजित

नई दिल्ली। पश्चिमी वायु कमान (डब्ल्यूएसी) के स्टेशन मास्टर वारंट अधिकारियों (एमडब्ल्यूओ) के लिए मंगलवार को मुख्यालय डब्ल्यूएसी में एक संगोष्ठी आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता वायु अधिकारी कमांडिंग-इन-चीफ, एयर मार्शल जॉर्ज थॉमस ने की, जिसमें कमान क्षेत्र के सभी स्टेशन एमडब्ल्यूओ शामिल हुए। संगोष्ठी में सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों को साझा करने, और परिवारों के कल्याण को मजबूत करने पर चर्चा हुई।

नाटो के लड़ाकू विमानों ने ड्रोन को मार गिराया

विलनियस। लिथुआनिया में नाटो के लड़ाकू विमानों ने सोमवार रात लिथुआनिया के हवाई क्षेत्र में दाखिल एक ड्रोन को मार गिराया। अधिकारियों के अनुसार, यह पहला मौका है जब लिथुआनिया के हवाई क्षेत्र में किसी ड्रोन को मार गिराया गया है। ड्रोन कहां से आया और उसका उद्देश्य क्या था, यह अभी स्पष्ट नहीं है। राजधानी विलनियस से करीब 100 किलोमीटर पश्चिम प्रतकुनाई गांव के पास कौनास जलाशय के नजदीक इसे मार गिराया गया। इसका मलबा बिखर गया।

मसूद अजहर पर 70 लाख के इनाम की झूठी घोषणा पर भारत ने पाकिस्तान को लताड़ा

पाक आतंकी के खिलाफ ठोस एक्शन ले, 'गुमराह' करने की कोशिश न करे

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारत ने जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख मसूद अजहर की गिरफ्तारी या सजा दिलाने में मदद करने वाली जानकारी के लिए 70 लाख रुपए के इनाम की घोषणा करने पर पाकिस्तान की आलोचना की। भारत ने इसे झूठा कदम बताया और इस्लामाबाद से आतंकी संगठन के प्रमुख के खिलाफ ठोस कार्रवाई करने को कहा। अजहर पर इनाम बरकरार रखने के पाकिस्तान के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि इस्लामाबाद की घोषणा का कोई नतीजा निकलने की संभावना नहीं है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के ऐसे हथकंडे और लोगों को गुमराह करने की कोशिशें कोई नई बात नहीं हैं। हमने पहले भी ऐसे हथकंडे देखे हैं। आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देश का ऐसी झूठी घोषणाएं करना, हम सभी जानते हैं वे कितनी खोखली होती हैं। पाकिस्तान को ऐसी घोषणाएं करने के बजाए ठोस कार्रवाई करनी चाहिए, जिनका आखिरकार कोई नतीजा नहीं निकलता। जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख मसूद अजहर को भारत में कई आतंकी हमलों के लिए वांछित माना जाता है, जिनमें 2001 का संसद हमला भी शामिल है। भारत ने जैश ए मोहम्मद को 2016 के पठानकोट एयरबेस हमलों और 2019 के पुलवामा बम विस्फोट के जिम्मेदार माना है। उसका नाम पहली बार 2021 में एफआईए की रेड बुक में शामिल किया गया था और इसे 2026 में भी बरकरार रखा गया है। बता दें कि पाकिस्तान की फेडरल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एफआईए) ने आतंकियों की नई रेड बुक में मसूद अजहर को एक बार फिर भगोड़ा घोषित किया। पाकिस्तान ने यह कार्रवाई अक्टूबर में होने वाली एफएटीएफ की बैठक से पहले की है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान के ऐसे हथकंडे और लोगों को गुमराह करने की कोशिशें कोई नई बात नहीं हैं। आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देश का ऐसी झूठी घोषणाएं करना, हम सभी जानते हैं।

» *मसूद संसद, पठानकोट एयरबेस और पुलवामा हमले का आरोपी है*

» *अजहर को बचाने और संरक्षित करने में पाकिस्तान ने पूरी ताकत झोंकी*

एफआईए की रेड बुक में शामिल

रणधीर जायसवाल

पाकिस्तान ने अजहर को फेडरल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी की सबसे ज्यादा वांछित आतंकवादियों की रेड बुक में शामिल करना जारी रखा है और उसकी गिरफ्तारी या सजा दिलाने वाली जानकारी के लिए 7 मिलियन पाकिस्तानी रुपए का इनाम भी रखा है।

एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में रह चुका है पाकिस्तान

इससे पहले पाक एफएटीएफ (वित्तीय कार्रवाई कार्यबल) की ग्रे लिस्ट में रह चुका है। पाक पर आतंकी फंडिंग व मनी लांड्रिंग के खिलाफ कार्रवाई करने का अंतरराष्ट्रीय दबाव था। अक्टूबर 2022 में पाक इस लिस्ट से बाहर हुआ था। अब फिर से अक्टूबर में एफएटीएफकी बैठक होने वाली है।

धमकी भरा संदेश वायरल

पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख मसूद अजहर के घर से जुड़ा एक ऑडियो संदेश सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इस वायरल ऑडियो में मौजूद शख्स ने गंभीर धमकी दी है। उसने दावा किया है कि उसके पास हजारों की संख्या में आत्मघाती हमलावर तैयार बैठे हैं, जो किसी भी वक्त, कहीं भी हमला कर सकते हैं।

तालिबान कर चुका पाकिस्तान के दावे को खारिज

एफआईए का कहना है कि अजहर मसूद अभी अफगानिस्तान में छिपा हुआ है, जबकि तालिबान शासन इस दावे को कई बार खारिज कर चुका है। वहीं, खुफिया एजेंसियां और पाकिस्तान पर नजर रखने वाले लोग इस कदम को एफएटीएफ की निगरानी से बचने की कोशिश के तौर पर देख रहे हैं। उनका मानना है कि मसूद के खिलाफ पाकिस्तना कार्रवाई करने का दिखावा कर रहा है, जबकि उसके असल ठिकाने को अंतरराष्ट्रीय जांच और निगरानी से दूर रखना चाहता है।

अजहर मसूद

अंतरिक्ष में युद्ध का खतरा बढ़ा

अमेरिका ने पहली बार माना स्पेस में हथियार तैनात किए

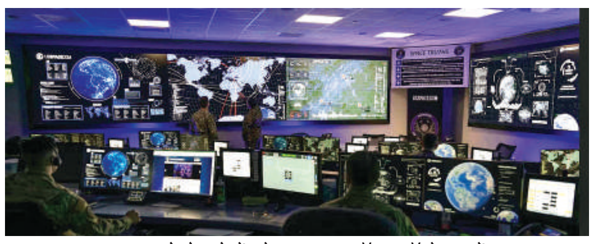
यूएस का कोलोराडो में स्पेस कमांड ज्वॉइंट ऑपरेशन सेंटर

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका ने पहली बार माना है कि उसने अंतरिक्ष में हथियार तैनात कर रखे हैं। अमेरिकी वायुसेना के सचिव ट्रॉय मिंक ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अमेरिका के पास ऑर्बिट में ऐसे हथियार हैं, जिनका इस्तेमाल जरूरत पड़ने पर अमेरिकी सैनिकों को दुश्मन के हमले से बचाने के लिए किया जा सकता है। अमेरिकी अधिकारी ने यह नहीं कहा कि ये हथियार आखिर किस तरह के हैं, कितने हैं और इन्हें कब अंतरिक्ष में भेजा गया था। अमेरिका का यह खुलासा ऐसे समय हुआ है, जब अमेरिका, रूस और चीन के बीच अंतरिक्ष में अपनी ताकत बढ़ाने की होड़ चल रही है। इससे अंतरिक्ष में हथियारों की दौड़ और तेज होने की आशंका भी बढ़ गई है। अमेरिका लंबे समय से रूस और चीन की बढ़ती अंतरिक्ष सैन्य ताकत को लेकर चिंता जताता रहा है। आज के युद्ध में सैटेलाइट बहुत जरूरी हो गए हैं। सेनाएं इनका इस्तेमाल आपस में संपर्क करने, रास्ता पता करने, खुफिया जानकारी जुटाने और मिसाइलों पर नजर रखने जैसे कामों में करती हैं।

अमेरिका का दावा रूस अंतरिक्ष में हमले की तैयारी कर रहा

अमेरिकी स्पेस फोर्स का कहना है कि रूस अंतरिक्ष को भी युद्ध का हिस्सा मानता है। यानी भविष्य में अगर रूस का किसी देश से बड़ा युद्ध होता है तो वह अंतरिक्ष में मौजूद सैटेलाइट और दूसरी तकनीक का इस्तेमाल भी कर सकता है। अमेरिकी अधिकारियों ने रूस के कुछ सैटेलाइट को लेकर भी चिंता जताई है। उनका कहना है कि रूस ऐसी तकनीक पर काम कर रहा है, जिससे जरूरत पड़ने पर दूसरे देशों के सैटेलाइट को नुकसान पहुंचाया जा सके और अपने सैटेलाइट को बचाया जा सके। अमेरिका को रूस के अंतरिक्ष में परमाणु हथियार रखने की संभावित तैयारी की भी चिंता है। अमेरिका का कहना है कि चीन भी अंतरिक्ष में अपनी सैन्य ताकत बढ़ा रहा है। चीन अपनी सेना को आधुनिक बनाने के तहत ऐसी तकनीक विकसित कर रहा है, जिसका इस्तेमाल अंतरिक्ष में मौजूद सैटेलाइट और दूसरे सिस्टम को प्रभावित करने के लिए किया जा सकता है।

संयुक्त सैन्य अभ्यास 'युद्धाभ्यास' का हुआ आगाज

उत्तराखंड और राजस्थान में हुआ भारत-अमेरिका की सेनाओं का आमना-सामना, 600 जवान ले रहे भाग

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया क्षेत्र में जारी युद्ध के मुश्किल दौर में भारत-अमेरिका की थलसेनाएं उत्तराखंड और राजस्थान में एक-दूसरे के आमने-सामने खड़ी हैं। जी हां, मौका है दोनों देशों के बीच आयोजित किए जाने वाले द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास 'युद्धाभ्यास-2026' का। जिसका उद्घाटन मंगलवार को पर्वतीय राज्य के औली विदेशी प्रशिक्षण केंद्र और राजस्थान स्थित महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में किया गया। इस वर्ष युद्धाभ्यास का 22वां संस्करण आयोजित किया जा रहा है और उसमें दोनों देशों के समान संख्या में क्रमशः 600-600 जवान भाग ले रहे हैं। यह जानकारी रक्षा मंत्रालय ने

एक बयान जारी कर दी है।

सैन्य अधिकारियों ने बढ़ाया हौसला

मंत्रालय ने बताया कि इस वर्ष युद्धाभ्यास का आयोजन एक साथ भारत के दो प्रमुख प्रशिक्षण केंद्रों पर किया जा रहा है। जिसमें शुरुआती समारोह के दौरान दोनों देशों के शीर्ष अधिकारियों ने जवानों को संबोधित कर उनकी हौसला अफजाई की है। भारत की तरफ से सेना की 14वीं इन्फैंट्री डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल अमरेश गुंजन और अमेरिकी सेना की 11 वीं एयरबॉर्न डिवीजन की पहली इन्फैंट्री ब्रिगेड कॉम्बैट टीम के कमांडर कर्नल बेंजामिन जैकमैन ने सैन्य कर्मियों को संबोधित किया।

पहले के मुकाबले और प्रगाढ़ होंगे संबंध

युद्धाभ्यास की मदद से भारत-अमेरिका के द्विपक्षीय सैन्य संबंध पहले के मुकाबले और अधिक मजबूत होंगे। सैन्यकर्मियों को अपनी रणनीति, तकनीक और प्रक्रियाओं को आपस में साझा करने का शानदार अवसर मिलेगा। संयुक्त अभियानों के दौरान विभिन्न भूभागों और परिचालन संबंधी वातावरण के बीच समन्वित अंदाज में कार्रवाई करने की क्षमता में भी बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।

ऑपरेटर बोला- महिला हंस रही थी

न्यूयॉर्क में भारतीय मूल की महिला और नेपाली दोस्त ट्रेन की चपेट में आए, मौत

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

अमेरिका के न्यूयॉर्क में एक हादसे में भारतीय मूल की महिला और उसके नेपाली मूल के दोस्त की मौत हो गई। दोनों की उम्र 24 साल थी। घटना शनिवार देर रात की है, जब लोअर मैनहट्टन के स्प्रिंग स्ट्रीट सबवे स्टेशन पर दोनों रेलवे ट्रैक पर बैठे थे और वहां से गुजर रही ट्रेन की चपेट में आ गए।

न्यूयॉर्क पुलिस विभाग (एनवायपीडी) के मुताबिक, न्यू जर्सी के डेटन की रहने वाली मलाइका चित्रे और सेरेविल के रहने वाले नवम कौल शनिवार रात करीब 3:15 बजे ट्रैक पर थे। मंगलवार को सोशल मीडिया पर घटना का वीडियो सामने आया, जिसमें दोनों ट्रेन आने से कुछ सेकंड

पहले ट्रैक पर बैठे दिखाई दे रहे हैं। यह वीडियो एक राहगीर ने बनाया था। ट्रेन ऑपरेटर के मुताबिक, उसने महिला को हंसते हुए देखा था और वह ट्रेन के आते वक्त अपने दोस्त को अपनी तरफ खींच रही थी। ऑपरेटर ने इमरजेंसी ब्रेक लगाने की कोशिश की, लेकिन ट्रेन को समय रहते रोका नहीं जा सका। पुलिस के अनुसार, दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रेन में मौजूद करीब 100 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

भारत ने बोत्सवाना के लिए 10 टन दवाएं भेजीं

नई दिल्ली। भारत ने एचआईवी एड्स के उपचार के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली में सहायता के उद्देश्य से मंगलवार को बोत्सवाना के लिए दस टन एंटी-रेट्रोवायरल दवाएं भेजी। सोशल मीडिया पोस्ट में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा कि इससे भारत के ग्लोबल साउथ साझेदारों के साथ स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग मजबूत करने की देश की प्रतिबद्धता का पता चलता है।

मीडिया ब्रीफिंग में एक सवाल के जवाब में बोले विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल

बांग्लादेश ने ठुकराए भारत के दो निमंत्रण, बुलावे पर नहीं आए प्रधानमंत्री रहमान

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारत की राष्ट्रीय राजधानी में बीते रविवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में बांग्लादेश की अनुपस्थिति की खबरें देश-विदेश के मीडिया की सुर्खियों में छाई रही।

जब इसे लेकर मंगलवार को विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल से पत्रकारों ने साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में सवाल पूछे, तो जवाब में उन्होंने बताया कि नई दिल्ली ने एक बार नहीं बल्कि दो बार बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को भारत की आधिकारिक रूप से यात्रा करने के लिए आमंत्रित किया था। जिसमें पहली बार मौजूदा साल की शुरुआत में हमने उन्हें द्विपक्षीय यात्रा के लिए आमंत्रित किया था और उसके बाद 12 से 13 सितंबर तक हुए ब्रिक्स सम्मेलन में बतौर बिम्सटेक (बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल) के अध्यक्ष के रूप में उन्हें इस वैश्विक स्तर के आयोजन में शिरकत करने के लिए विधिवत रूप से आमंत्रित किया गया था। बताते चलें की मीडिया ब्रीफिंग में रणधीर ने कई अन्य मामलों को लेकर पूछे गए प्रश्नों के जवाब भी दिए हैं।

चीन को बनाया विदेश यात्रा का पहला पड़ाव

बता दें, 17 फरवरी 2026 को बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद अभी तक तारिक रहमान ने भारत की कोई यात्रा नहीं की है। जबकि वह जून महीने में अपनी पहली विदेश यात्रा के तहत चीन की यात्रा कर चुके हैं। जहां उन्होंने बीजिंग के द ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ एक उच्च-स्तरीय बैठक की थी।

अभी तक तारिक रहमान ने भारत की कोई यात्रा नहीं की

बाब-अल-मंदेब पर बनी रहे नौवहन आजादी

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के हमले क्षेत्रीय स्थिरता को कमजोर करते हैं। साथ ही इनके जरिए एक अन्य अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक जलमार्ग बाब-अल-मंदेब पर नौवहन की स्वतंत्रता भी बाधित होती है। जो भारत के लिए पूरी तरह से अस्वीकार्य है।

सऊदी अरब पर हूती हमलों के विरोध में भारत

रणधीर ने एक अन्य प्रश्न के जवाब में बताया, ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर भारत और सऊदी अरब के विदेश मंत्रियों के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा की गई थी। जिसमें हूती के मसले के अलावा क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों को भी शामिल किया गया। विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने लाल सागर के इलाके में तनाव बढ़ने और सऊदी अरब के संप्रभु क्षेत्र पर किए गए हमलों की कड़ी निंदा की है। जिसमें नागरिक ढांचे, आर्थिक संपत्ति भी शामिल है।

इन 3 सिद्धांतों संग आगे बढ़ेंगे संबंध

ब्रिक्स के आयोजन के दौरान हुई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग की द्विपक्षीय बैठक से जुड़े एक सवाल को लेकर रणधीर ने कहा कि इस दौरान दोनों शीर्ष नेताओं की वार्ता में कई मामलों को शामिल किया गया। लेकिन प्रधानमंत्री ने चीनी राष्ट्रपति को भारत की बड़ी चिंताओं से अवगत कराया था। साथ ही उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया था कि दोनों देशों के संबंध पूरी तरह से तीन सिद्धांतों पर टिके हुए हैं। जिनमें आपसी हित, विश्वास और संवेदनशीलता मुख्य रूप से शामिल हैं। वहीं, सम्मेलन के अंत में जारी किए गए नई दिल्ली घोषणापत्र में भी कई मुद्दों को जगह दी गई थी।

24 घंटे में 54 हमले किए

सऊदी अरब ने हूतियों पर दागीं मिसाइलें, मक्का में अलर्ट जारी

एजेंसी ▶▶ दुबई

यमन के हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब के बीच तनाव तेजी से बढ़ गया है। मंगलवार को मक्का में खतरे को लेकर अलर्ट जारी किया गया, जिसकी जानकारी जॉर्डन के निजी सैटेलाइट चैनल ने दी।

यमन में जारी लड़ाई के बीच सऊदी अरब ने हूती विद्रोहियों को निशाना बनाते हुए पिछले 24 घंटों में लाहज, ताइज़, अल-जौफ़, मारिब और हज्जा प्रांतों में 54 हवाई हमले किए, जिनमें ताइज़ प्रांत के खादिर ज़िले का सरकारी परिसर भी निशाना बना और कुछ लोग घायल हुए। हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरी ने आरोप लगाया कि इन हमलों में

खमीस मुशैत और ताइफ़ एयरबेस से उड़ान भरने वाले एफ-15 और टाइफून लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया गया, साथ ही जवाबी कार्रवाई की धमकी भी दी। हूती-समर्थक मीडिया के मुताबिक सऊदी हमलों में ताइज़ के धुबाब और मकबाना ज़िलों में दो बच्चों समेत तीन आम नागरिकों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हुए। इसी बीच इज़राइली सेना ने दक्षिणी लेबनान के बिंत जबील ज़िले स्थित कौनीन शहर में भारी बमबारी की।

श्रीचरणी बनीं देश की सर्वाधिक रेटिंग पाने वाली खिलाड़ी, हासिल किए 804 अंक

श्रीचरणी

एजेंसी ▶▶| दुबई

भारतीय स्पिनर श्रीचरणी ने अपने कॅरियर के सर्वश्रेष्ठ रेटिंग अंकों के साथ मंगलवार को जारी आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत की, जबकि उनकी हमवतन दीप्ति शर्मा चार पायदान ऊपर दूसरे स्थान पर पहुंच गईं।

श्रीचरणी ने श्रीलंका के खिलाफ महिला टी20 एशिया कप के फाइनल में भी 20 रन देकर 4 विकेट लिए, जिससे उनके रेटिंग अंकों की संख्या 804 हो गई है। उन्होंने अपने करियर में पहली बार 800 रेटिंग अंक का आंकड़ा पार किया। यह आईसीसी रैंकिंग में किसी भारतीय खिलाड़ी की बल्लेबाजी या गेंदबाजी में सर्वाधिक रेटिंग है। उन्होंने मिताली राज को पीछे छोड़ा। भारत की पूर्व कप्तान ने 2011 में 780 रेटिंग अंक हासिल किए थे।

श्रीचरणी ने आईसीसी रैंकिंग में तोड़ा मिताली राज का 15 साल पुराना रिकॉर्ड

दूसरे स्थान पर पहुंचीं दीप्ति

शेफाली वर्मा

नंदनी शर्मा

रिकॉर्ड से केवल दो अंक पीछे श्रीचरणी

श्रीचरणी अब महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में सर्वाधिक रेटिंग हासिल करने वाली गेंदबाज बनने से केवल दो अंक पीछे हैं। यह रिकॉर्ड नवंबर 2018 में ऑस्ट्रेलिया की मेगन शट के नाम है। एशिया कप में सर्वाधिक 14 विकेट लेने वाली दीप्ति शर्मा भी चार पायदान ऊपर दूसरे स्थान पर पहुंच गईं।

94वें स्थान पर नंदनी शर्मा

तेज गेंदबाज नंदनी शर्मा ने 10 पायदान आगे 94वां स्थान जबकि लेग स्पिनर प्रेमा रावत ने 50 पायदान की लंबी छलांग लगाते हुए 96वां स्थान हासिल किया।

शेफाली को एक अंक का फायदा

बल्लेबाजी रैंकिंग में शेफाली वर्मा सातवें से छठे स्थान पर पहुंच गई हैं। एशिया कप में शेफाली ने सबसे ज्यादा 236 रन बनाए, जिसमें सेमीफाइनल में 64 और फाइनल में बनाए गए 68 रन भी शामिल हैं। उनके कुल 741 रेटिंग अंक हो गए हैं। वह टीम की अपनी साथी स्मृति मंधाना से सिर्फ एक स्थान और चार रेटिंग अंक पीछे हैं। मंधाना 745 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर हैं। शेफाली ऑलराउंडरों की रैंकिंग में भी पांच पायदान ऊपर 15वें स्थान पर पहुंच गई हैं। उन्होंने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 221 रेटिंग अंक हासिल किए हैं।

खबर संक्षेप

पहली बार अफ्रीका में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप

बुडापेस्ट। विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन पहली बार अफ्रीका में होने जा रहा है जब मंगलवार को कीनिया की राजधानी नैरोबी को 2029 के सत्र का मेजबान चुना गया। कीनिया लंबे समय से लंबी दूरी की दौड़ में एक मजबूत देश रहा है लेकिन उसने अब तक इतने बड़े स्तर की किसी प्रतियोगिता की मेजबानी नहीं की है। इसके बाद 2031 में चैंपियनशिप जर्मनी लौटेगी जहां म्यूनिख इसकी मेजबानी करेगा। विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सबेस्टियन को ने हंगरी में 'अल्टीमेट चैंपियनशिप' के बाद यह फ़ैसला सुनाते हुए कहा, 'अपनी चैंपियनशिप को पहली बार अफ्रीका ले जाना ऐतिहासिक होगा।' उन्होंने कहा, 'एथलेटिक्स कीनिया की संस्कृति का अहम हिस्सा है।' इस फैसले से ट्रैक पर शनदार प्रदर्शन करने वाले देश के तौर पर कीनिया की पहचान तो बढ़ेगी लेकिन साथ ही यह पूर्वी अफ्रीकी देश समीक्षा के दायरे में रहेगा क्योंकि उसके कुछ शीर्ष धावक डोपिंग में पकड़े गए हैं।

सेंट जोसेफ के सहाय को स्पोर्ट्स अचीवर्स अवॉर्ड

भोपाल । एलएनसीटी यूनिवर्सिटी, में आयोजित 5वें एलएनसीटी स्पोर्ट्स अचीवर्स अवॉर्ड समारोह–2026 में सेंट जोसफ कान्वेंट स्कूल खेल शिक्षक विष्णु कांत सहाय को खेल क्षेत्र में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। खिलाड़ियों को निरंतर प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन के लिए विष्णु कान्त सहाय को खेल प्रतिभाओं को निखारने में उनके योगदान के लिए 5वें एलएनसीटी स्पोर्ट्स अचीवर्स अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि अशोक ध्यानचंद, ओलंपियन एवं अर्जुन अवॉर्डी रहे। इस समारोह का उद्देश्य खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना, उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना तथा खेल क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले प्रशिक्षकों एवं विशेषज्ञों को सम्मानित करना है।

जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक एशियन गेम्स

टी20 फॉर्मेट में फिर गूंजेगा भारत का डंका, दो गोल्ड पर टिकी निगाहें

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

एशियन गेम्स में 'क्रिकेट' भारत के लिए एक बार फिर सबसे बड़े 'गोल्ड मेडल' दावेदारों में होगा, जिसमें एक नहीं, बल्कि दो गोल्ड देश के नाम हो सकते हैं।

साल 2023 में आयोजित हांगझोउ एशियन गेम्स में भारतीय पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों ने गोल्ड जीते थे। इस बार जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर के बीच खेले जाने वाले एशियन गेम्स में फिर से भारतीय फैंस को अपने खिलाड़ियों से ऐसी ही आस है। यह मुकाबले टी20 फॉर्मेट में खेले जाने हैं, जिसमें हाल के समय में भारत की पुरुष और महिला टीम का दबदबा नजर आया है।

भारत के पास प्रतिभा और अनुभव का शानदार मिश्रण

एक ओर पुरुष टीम इसी साल मार्च में टी20 वर्ल्ड कप विजेता बनी है, तो दूसरी तरफ बीते रविवार को महिला टीम ने एशिया कप का खिताब अपने नाम किया है। इस टूर्नामेंट में भारत के पास प्रतिभा और अनुभव का शानदार मिश्रण है। पुरुष टीम में कई ऐसे खिलाड़ी मौजूद हैं, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता साबित कर चुके हैं। वहीं, महिला क्रिकेट में हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना और दीप्ति शर्मा जैसी अनुभवी खिलाड़ी हैं। इनके साथ युवा प्रतिभाओं की मौजूदगी टीम को संतुलित बनाती है।

भारत के लिए कड़ी चुनौती

हालांकि, एशियन गेम्स में भारत के लिए चुनौती आसान नहीं होगी, क्योंकि पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश जैसी टीमें भी मजबूत हैं और टी20 क्रिकेट में एक खराब मुकाबला पूरे अभियान की दिशा बदल सकता है। ऐसे में भारत को शुरुआती दौर से ही अपनी रणनीति और खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर ध्यान देना होगा।

टी20 में भारत का बेंच स्ट्रेंथ बेहद मजबूत

टी20 क्रिकेट में भारत का बेंच स्ट्रेंथ बेहद मजबूत है। महिला और पुरुष टीमों के पास ऐसे खिलाड़ी हैं, जिनको दबाव झेलने का अनुभव है। अगर ये खिलाड़ी अपनी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन करते हैं, तो एशियन गेम्स में एक बार फिर भारत के पास गोल्ड जीतने का मौका होगा। भले ही हांगझोउ की सफलता दोहराना आसान नहीं है, लेकिन भारतीय टीमों के मौजूदा प्रदर्शन को देखते हुए 'क्रिकेट' भारत के लिए 'एशियन गेम्स 2026' में सबसे भरोसेमंद पदक उम्मीदों में से एक रहेगा।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टीम का चयन आज

भारतीय राष्ट्रीय चयन समिति बुधवार को जब वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला के लिए टीम का चयन करेगी तो ऋषभ पंत और फिट होकर लौटे हार्दिक पंड्या को शामिल किए जाने की संभावना पर मुख्य रूप से चर्चा होगी। भारत वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 वनडे और 5 टी20 मैच खेलेगा। टी20 मैचों की शुरुआत 6 अक्टूबर से होगी और पूरी संभावना है कि इसके लिए वही टीम चुनी जाएगी, जो एशियाई खेलों में भाग लेगी।

पंड्या की वापसी 20 सितंबर को निर्धारित

पंड्या की प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी 20 सितंबर को निर्धारित है क्योंकि उन्हें पहले ही 6 अक्टूबर से पुडुचेरी में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भारत ए की तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिए चुना जा चुका है। वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे मैचों की शुरुआत 27 सितंबर से तिरुवनंतपुरम में होगी और यह चयन समिति को तय करना होगा कि क्या पंड्या वनडे में 10 ओवर गेंदबाजी करने और 50 ओवर तक फील्डिंग करने के लिए तैयार हैं या नहीं। अगर पंड्या उपलब्ध नहीं होते हैं तो चयन समिति के लिए तेज गेंदबाजी ऑलराउंडरों की कमी समस्या बन जाएगी।

सबसे लंबे समय तक वनडे खेलने वाले बने खिलाड़ी

जिम्बाब्वे के टेलर ने तोड़ा तेंदुलकर का बड़ा रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶| हरारे

जिम्बाब्वे और ऑस्ट्रेलिया के बीच हरारे स्पोर्ट्स क्लब के मैदान पर पहला वनडे मुकाबला खेला जा रहा है। पहले वनडे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने जिम्बाब्वे के खिलाफ टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया है। इस मैच में मैदान पर उतरने के साथ ही जिम्बाब्वे के विकेटकीपर बल्लेबाज ब्रेंडन टेलर ने सचिन तेंदुलकर का सबसे लंबे वनडे करियर का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

वनडे करियर में टेलर के 205 पारियों में 6,704 रन

टेलर जिम्बाब्वे के सबसे सफल बल्लेबाजों में गिने जाते हैं। अपने वनडे करियर में टेलर अब तक 205 पारियों में 6,704 रन बना चुके हैं। वह जिम्बाब्वे की ओर से दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। इस सूची में उनसे आगे सिर्फ एंडी फ्लावर हैं, जिन्होंने 208 पारियों में 6786 रन बनाए। टेलर ने अपने करियर में तीनों फॉर्मेट में जिम्बाब्वे की कप्तानी भी की है। उन्होंने वनडे विश्व कप 2015 में शानदार प्रदर्शन किया था और दो शतक लगाए थे। इनमें से एक शतक उन्होंने भारत के खिलाफ बनाया था। विश्व कप 2015 में भारत के खिलाफ मैच के बाद टेलर ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इसके बाद उन्होंने इंग्लैंड के काउंटी क्लब नॉटिंघमशायर के साथ तीन साल का 'कोलपैक' करार किया। हालांकि, वह इस अनुबंध को पूरा नहीं कर सके और अपने आखिरी सीजन के दौरान ही क्लब छोड़ दिया।

22 साल, 4 महीने का हुआ करियर

टेलर ने रिटायरमेंट और आईसीसी के साढ़े तीन साल के निलंबन के बाद 2025 में इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी की थी। अब वह 2004 में अपने डेब्यू के बाद से 22 साल और 146 दिन तक वनडे क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ी बन गए हैं, जो एक नया रिकॉर्ड है। उन्होंने भारत के दिग्गज सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा, जिनका 1989 से 2012 तक 22 साल और 91 दिनों का शानदार वनडे करियर रहा। अब टेलर सबसे लंबे समय तक वनडे क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ी बन गए हैं।

मप्र ने हरियाणा में दिखाया दम, जीते 23 गोल्ड, 20 रजत, 8 ब्रॉन्ज पदक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

हरियाणा के बहादुरगढ़ में 11 से 13 सितंबर तक आयोजित 22वीं राष्ट्रीय मास्टर्स चैंपियनशिप में मप्र के तैराकों ने परचम लहराया है। इस प्रतियोगिता में कुल 22 गोल्ड 19 रजत एवं 08 कांस्य पदक मप्र के तैराकों ने हासिल किए हैं। उल्लेखनीय है कि भारत के बेंगलुरु में 4 अक्टूबर से 10 अक्टूबर तक पहली बार आयोजित दूसरी एशियन मास्टर्स चैंपियनशिप में भाग लेने वाली भारत की टीम का चयन इस प्रतियोगिता में तैराकों के प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में सर्वाधिक मेडल डॉ विक्रम बाथम एवं दिलीप जोशी ने हासिल किए हैं। डॉ विक्रम ने 4 गोल्ड और 2 सिल्वर व दिलीप जोशी ने 4 गोल्ड और 1 सिल्वर पदक प्राप्त किया है। वही वरिष्ठ तैराक डॉ केसी रैकवार ने 2 गोल्ड ओर 2 सिल्वर जीते।

इन्होंने भी जीते मेडल

अन्य तैराकों के पदकों में डॉ नेहा बघेल ने 2 गोल्ड, 2 सिल्वर, 1 ब्रॉन्ज जीता, कमलजीत अरोरा ने 3 गोल्ड, 1 सिल्वर, सोनल सिसोदिया ने 1 गोल्ड 2 सिल्वर, अभिनभ उपाध्याय ने 1 गोल्ड 2 सिल्वर, शुभम उपाध्याय ने 1 गोल्ड 3 सिल्वर, सुप्रिया जैन ने 1 गोल्ड 1 सिल्वर, डॉ अंजू गुप्ता ने 2 गोल्ड 1 सिल्वर, बबीता चौरे ने 1 गोल्ड 1 ब्रॉन्ज, सुभाष गुप्ता ने 2 सिल्वर,1 ब्रॉन्ज, नंदा मजूमदार ने 1 गोल्ड 2 सिल्वर, शुभ्रा गोयल ने 4 ब्रॉन्ज, हीरा सिलावट और पवी दुबे ने 1-1 सिल्वर, दीक्षा सिलावट, भावना बघेल, रमा ने 1-1 गोल्ड, संजय बाथम ने 1 ब्रॉन्ज, केके झा ने 1 सिल्वर मेडल जीता।

कोरिया के खिलाफ डेविस कप नहीं खेलेंगे भांबरी

एजेंसी ▶▶| सियोल

भारत को दक्षिण कोरिया के खिलाफ डेविस कप क्वालीफायर मुकाबले में अपने अहम युगल खिलाड़ी युकी भांबरी की कमी खलेगी क्योंकि यह अनुभवी खिलाड़ी जांघ की चोट के कारण बाहर हो गया है। इसके कारण टीम को इस महत्वपूर्ण मुकाबले से कुछ दिन पहले अपने युगल संयोजन पर फिर से विचार करना पड़ रहा है। इस मैच का विजेता फाइनल्स में पहुंचेगा। भारत के कप्तान रोहित राजपाल ने पुष्टि की कि भांबरी दूसरे दौर के मुकाबले के लिए उपलब्ध नहीं होंगे।

जांघ की चोट के कारण बाहर हुए युकी

राजपाल ने कहा, 'युकी भांबरी की जांघ की स्थिति ठीक नहीं है और हो सकता है कि वह डेविस कप खेलने के लिए उपलब्ध ना हों इसलिए हम इस पर काम कर रहे हैं कि हमारा संयोजन क्या होगा। हमें डेविस कप से एक हफ्ता पहले ऐसा नहीं करना चाहिए था लेकिन दुर्भाग्य से हमें ऐसा करना पड़ रहा है।'

भारत में फॉर्मूला वन की वापसी की तैयारी, टास्क फोर्स का गठन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने भारत में फॉर्मूला वन रेस की वापसी की दिशा में चुनौतियों की समीक्षा के लिए नीति आयोग के कार्यक्रम निदेशक और सलाहकार युगल किशोर जोशी की अध्यक्षता में एक कार्यबल का गठन किया है। दस सदस्यीय समिति में खेल मंत्रालय के संयुक्त सचिव कुणाल और भारतीय मोटर स्पोर्ट्स महासंघ के अध्यक्ष भी होंगे, जो इस समय अरिंदम घोष हैं। महासंघ के चुनाव इस महीने के आखिर में होने हैं। कार्यबल में वाणिज्य और पर्यटन विभाग के प्रतिनिधि भी होंगे।

इसके अलावा उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र सरकार के प्रतिनिधि, राजस्व विभाग के प्रतिनिधि , बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट और मद्रास इंटरनेशनल सर्किट के प्रतिनिधि, एफएमएससीआई की ओर से नामित तकनीकी विशेषज्ञ शामिल होंगे।

2028 में रेस की मेजबानी

खेलमंत्री मांडविया ने कहा,'इस समिति का काम भारत में मोटस्पोर्ट के विकास के लिए व्यापक तरीके सुझाना और फॉर्मूला वन को फिर से यहां शुरू करने के लिए रोडमैप तैयार करना है ताकि हम 2028 में रेस की मेजबानी कर सकें।'

एशियाई खेलों में अब पदक पर निगाहें

चोटों के चक्रव्यूह से बाहर आईं कुश्ती स्टार निशा दहिया

एजेंसी ▶▶| सियोल

वर्षों से निशा दहिया को हर चोट के बाद यही सवाल परेशान करता था कि मेरे साथ ही ऐसा क्यों होता है। जब सब कुछ ठीक होता दिख रहा था, तभी शरीर ने क्यों साथ नहीं दिया। जिस टूर्नामेंट में उन्हें अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी उसमें निराशा क्यों मिली।

निशा ने अब असफलताओं को सहजता से स्वीकार करना सीख लिया है और अपने करियर में बार-बार बाधा डालने वाली चोटों के बारे में शिकायत करना बंद कर दिया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने यह सीख लिया है कि वह अपने काम पर नियंत्रण बना सकती हैं परिणाम पर नहीं।

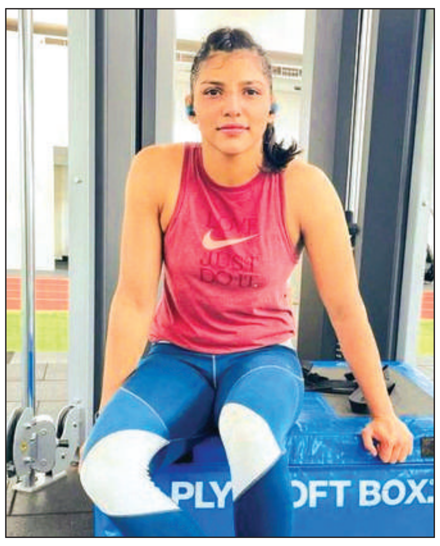

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर ध्यान

मानसिकता में इस बदलाव के साथ जब निशा एशियाई खेलों में महिलाओं के 68 किलोग्राम वर्ग में मैट पर उतरेंगी तो बस अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर ही ध्यान देंगी। निशा ने कहा, ' पहले मुझे लगता था कि भगवान मेरे साथ अन्याय कर रहे हैं। मैं सोचती थी, मेरे साथ बार-बार ऐसा क्यों हो रहा है। लेकिन अब मैं ऐसा नहीं सोचती।' उन्होंने कहा, 'अब मैं समझ गई हूं कि मुझे वही मिलेगा जो मेरे भाग्य में लिखा है। मैं केवल अपने काम पर ध्यान दूंगी, कड़ी मेहनत करूंगी और अच्छी कुश्ती लड़ूंगी।

परिणाम हमारे हाथ में नहीं होता

निशा ने कहा, 'परिणाम हमारे हाथ में नहीं होता है। हर कोई जीत हासिल करना चाहता है। कभी-कभी मुकाबला अनुकूल होता है तो कभी-कभी आप दबाव में आ जाते हैं। पेरिस में मैं अच्छा प्रदर्शन कर रही थी लेकिन फिर चोट लग गई। चोट किसी के नियंत्रण में नहीं होती।' उन्होंने कहा, ' जब आप अच्छी तरह से अभ्यास कर रहे होते हैं, तो सब कुछ सुचारू रूप से चलता है। फिर चोट सब कुछ बिगाड़ देती है और आप अगले छह महीनों तक ठीक से अभ्यास नहीं कर पाते। आप मानसिक रूप से काफी हद तक टूट जाते हैं। मैं तब भगवान से कहती कि वह मेरे साथ ही ऐसा क्यों कर रहे हैं।' लेकिन अब उन्होंने शिकायत करना और अतीत में जीना छोड़ दिया है।

विश्व रैंकिंग में शीर्ष 50 में जगह बनाना लक्ष्य : सिंड्रेला

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारतीय टेबल टेनिस में तेजी से उभरती 17 वर्षीय खिलाड़ी सिंड्रेला दास का लक्ष्य एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना और जल्द से जल्द विश्व रैंकिंग में शीर्ष 50 में जगह बनाना है। सिंड्रेला अभी आईटीटीएफ (अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ) की महिला एकल रैंकिंग में 99वें जबकि युवा वर्ग में 27वें स्थान पर काबिज हैं। उन्हें विश्वास है कि वह जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों में अपनी अच्छी फॉर्म बरकरार रखने में सफल रहेंगी।

पिछले महीने राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप में महिला एकल और अंडर-19 लड़कियों के एकल में खिताब जीतने से कोलकाता की सिंड्रेला पर सबकी निगाहें टिक गईं। उनकी उपलब्धियों में अल्टीमेट टेबल टेनिस के महिला एकल मैच में स्टार खिलाड़ी मनिका बत्रा को हराना भी शामिल है।

एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने की कोशिश

फिटनेस बनाने पर ध्यान केंद्रित

सिंड्रेला ने कहा कि जब वह खेल नहीं रही होती हैं तो मानसिक रूप से मजबूत बनने और अपनी गलतियों का विश्लेषण करने पर ध्यान देती हैं। उन्होंने कहा, ' जब मैच नहीं चल रहे होते हैं तो मैं अपनी फिटनेस और मानसिक रूप से मजबूत बनने पर ध्यान केंद्रित करती हूं। मैं सुबह करीब 3-4 घंटे और शाम को 2-3 घंटे अभ्यास करती हूं और अपनी फिटनेस को भी बराबर समय देती हूं।'

एशियाई खेलों को लेकर बेहद उत्साहित

सिंड्रेला ने कहा, 'मैं एशियाई खेलों को लेकर बेहद उत्साहित हूं। हम निश्चित रूप से स्वर्ण पदक जीतने की कोशिश करेंगे। मेरा लक्ष्य जल्द से जल्द विश्व रैंकिंग में शीर्ष 50 में जगह बनाना भी है।' सिंड्रेला ने कहा कि यह सत्र उनके लिए सबसे अच्छा रहा है और वह राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने में भी सफल रही लेकिन अब भी बहुत कुछ सीखना बाकी है। उन्होंने कहा, 'यह सत्र मेरे लिए बहुत अच्छा रहा है क्योंकि मेरा चयन एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप और युवा ओलंपिक के लिए हो चुका है। मैं अब सीनियर टीम में हूं। बेशक मैंने कई मैच हारे हैं, कई जीते हैं। अभी बहुत कुछ सीखना बाकी है।'

शक्ति सदन और मिशन वात्सल्य अनुदान ई-पोर्टल का शुभारंभ

भोपाल। महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने मंगलवार को मंत्रालय में मिशन शक्ति के शक्ति सदन और मिशन वात्सल्य की अशासकीय बाल देखरेख संस्थाओं के लिए अनुदान ई-पोर्टल का शुभारंभ किया। सरकार ने प्रदेश में इन संस्थाओं को अनुदान देने की अब तक चली आ रही मैनुअल प्रक्रिया को डिजिटल व्यवस्था में बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। आवेदन, दस्तावेज अपलोड, प्रस्ताव परीक्षण, स्वीकृति, भुगतान और प्रगति की निगरानी सहित पूरी प्रक्रिया एक ही ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर होगी।

फाइलों की जगह डिजिटल ट्रैकिंग, हर स्तर पर जवाबदेही

ऑनलाइन पोर्टल से अनुदान प्रस्तावों की प्रक्रिया को ट्रैक किया जा सकेगा। संस्थाओं को बार-बार दस्तावेज और प्रस्ताव लेकर विभागीय कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता कम होगी। प्रस्तावों के परीक्षण और स्वीकृति की प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित होगी तथा भुगतान में लगने वाले समय को न्यूनतम करने में मदद मिलेगी। पोर्टल के लागू होने से अनुदान प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी, कागजी कार्यवाही कम होगी। डिजिटल रिकॉर्ड के कारण दस्तावेजों के संधारण और प्रस्तावों की निगरानी अधिक व्यवस्थित तरीके से की जा सकेगी। विभाग को योजनाओं की प्रगति का आंकलन करने और आवश्यक निर्णय लेने में भी सुविधा होगी।

मध्यप्रदेश में बिजली उत्पादन के लिए हर क्षेत्र में आ रहा है निवेश

बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने में बिजली कर्मियों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश की विद्युत क्षमता का 30 प्रतिशत क्लीन एनर्जी का है। मप्र नवकरणीय ऊर्जा का भी सेंटर बन रहा है। विद्युत कंपनियों में वर्षों से लंबित पदोन्नति का रास्ता साफ करते हुए 9 हजार से अधिक अभियंताओं और कर्मचारियों को पदोन्नति दी गई है। इससे हमारे कर्मचारियों में नया उत्साह और आगे बढ़ने का विश्वास पैदा हुआ है। विद्युत कंपनियों में लगभग 20 वर्षों से लंबित फ्रिज बेनिफिट का भी समाधान किंया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का ऊर्जा विभाग के अभियंता और कर्मचारियों की ओर से आयोजित अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

हजारों कर्मचारियों को मिल रहा लाभ

इसमें नाइट शिफ्ट अलाउंस, कन्वेंस अलाउंस, कंपनसेटरी अलाउंस सहित विभिन्न भत्तों को रिवाइज किया गया। इस निर्णय का लाभ लगभग 25 हजार अधिकारियों और कर्मचारियों को मिल रहा है। विद्युत कंपनियों के अभियंताओं की तीन वेतन विसंगतियों का भी समाधान किया गया है। लंबे समय से चली आ रही इस समस्या के समाधान से हमारे अभियंताओं को राहत मिली है।

बिजली गुल से बिजली फुल स्टेट बना मप्र

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बिजली विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों के प्रयासों से ही मप्र बिजली गुल से बिजली फुल स्टेट बना है। हमारा मप्र बिजली सरप्लस स्टेट है, प्रदेश के पास 29 हजार मेगावाट की विशाल विद्युत क्षमता मौजूद है।

इंजीनियर्स डे पर याद किए गए सर विश्वेश्वरैया

इंजीनियर्स के पास है विकास के स्वप्न को पूर्ण करने का सामर्थ्यः तोमर

भोपाल। किसी भी कॉन्फ्रेंस में चर्चा का यही विषय होता है कि तय उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए हमें क्या साधन चाहिए और इसको क्रियान्वित करने में क्या कठिनाइयां आएंगी। यह जीवन का पाठ है कि बिना कठिनाई के रास्ता पार नहीं होता है। सर एम. विश्वेश्वरैया ने उस दौर में आधुनिक भारत की नींव रखी थी जब देश के पास सीमित संसाधन थे। आज जब हम 21वीं सदी में 2047 के विकसित भारत का स्वप्न देख रहे हैं तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के इस विजन को पूरा करने में हमारे पास संसाधन भी हैं और आप जैसे गुणी इंजीनियर्स भी हैं। मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने ये विचार इंजीनियर्स डे के अवसर पर मध्य प्रदेश डिप्लोमा इंजीनियर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए। कार्यक्रम के अध्यक्षता संगठन के संरक्षक इंजीनियर राजेंद्र सिंह भदोरिया ने की। विशेष अतिथि इंजीनियर संजय वाधवान थे।

उपार्जन के लिए पंजीयन कार्य शुरू

खेती में नवाचार की नई कहानी लिख रहे हैं दमोह के किसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि दमोह जिले ने बीते कुछ वर्षों में खेती-किसानी में एक अलग ही पहचान बना ली है। बुंदेलखंड की वीरभूमि, धर्म, संस्कृति और आस्था की धरती को नमन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां से मोह न छूटे, वो अपना दमोह है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार किसानों के कल्याण के लिए पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है।

अन्नदाताओं की आमदनी बढ़ाना हमारा प्रमुख लक्ष्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रालय से दमोह जिले में हुए बलराम कृषि महोत्सव को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से संबोधित कर रहे थे। दमोह जिले के प्रभारी मंत्री इन्दर सिंह परमार तथा अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) नीरज मंडलोई ने मंत्रालय में हुई वीसी से बलराम कृषि महोत्सव में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि खेत से लेकर बाज़ार तक और खाद से लेकर किसानों के खातों तक हम पक्की और स्थायी व्यवस्थाएं कर रहे हैं।

किसानों से आत्मीय संवाद किया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दमोह जिले के किसानों से आत्मीय संवाद करते हुए कहा कि हमारी सरकार अन्नदाताओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है। हर सुख-दुख में हम सब हमेशा किसानों के साथ खड़े हैं। मुख्यमंत्री ने किसानों से फसल विविधीकरण, नई तकनीक, नवाचार, उद्यानिकी, प्राकृतिक-जैविक खेती तथा गौपालन सहित अन्य दुधारू पशुओं का पालन एवं मछली पालन व्यवसाय अपनाकर अपनी आमदनी बढ़ाने का आह्वान किया। दमोह का चना देशभर में प्रसिद्ध मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दमोह में 86 प्रतिशत कृषि क्षेत्र सिंचित है। दमोह का चना देशभर में प्रसिद्ध है। खाद्य प्रसंस्करण तथा एग्रो प्रोडक्ट्स मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में भी इस जिले में नई-नई संभावनाएं आकार ले रही हैं। किसान गेहूं, चना और धान के साथ ही हाई-वैल्यू क्रॉप की ओर भी बढ़ रहे हैं। दमोह जिले में अश्वगंधा की खेती के प्रोत्साहन के लिए 100 से अधिक किसानों को निःशुल्क बीज एवं कृषि प्रशिक्षण दिया गया है। दमोह जिले में अगले खरीफ सीजन में मखाने का उत्पादन भी नवाचार के रूप में शुरू किया जाएगा।

अनाज का एक-एक दाना भगवान के प्रसाद समान

किसानों की ओर से अपने परिश्रम से उत्पादित अनाज का एक-एक दाना हमारे लिए भगवान के प्रसाद समान है। मुख्यमंत्री ने किसानों को बताया कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान और ज्वार-बाजरा के उपार्जन के लिए किसान पंजीयन मंगलवार 15 सितम्बर से प्रारंभ हो गया है। यह काम 10 अक्टूबर तक चलेगा।

अवैध शराब, ओवररेटिंग और प्रतिबंधित अहातों के खिलाफ करें सख्त कार्रवाई

तत्काल बंद होंगे अवैध अहाते, लापरवाही पर होगी कड़ी कार्रवाई, सागर की घटना की पुनरावृत्ति नहीं होगी बर्दाश्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने आबकारी विभाग के संभागीय उपायुक्तों को सख्त निर्देश दिए हैं कि प्रदेश में तत्काल अवैध रूप से संचालित सभी अहाते बंद कराएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आबकारी नीति में अहातों को प्रतिबंधित किया गया है, इसके बावजूद यदि किसी जिले में दुकानों के आसपास बिना अनुमति मदिरा का सेवन कराया जा रहा है, तो संबंधित लाइसेंसधारियों के साथ संबद्ध अधिकारियों के विरुद्ध तत्काल कड़ी कार्रवाई की जाए।

सख्त कार्रवाई के निर्देश

देवड़ा ने अवैध मदिरा के उत्पादन, संग्रहण और विक्रय पर प्रभावी नियंत्रण के निर्देश देते हुए कहा कि सभी उत्पादन इकाइयों पर विशेष निगरानी रखी जाए। आदतन आबकारी अपराधियों पर कड़ी नजर रखते हुए आवश्यकता पड़ने पर आबकारी अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किए जाएं।

ओवर रेटिंग बर्दाश्त नहीं

देवड़ा ने मदिरा दुकानों पर निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर मदिरा विक्रय यानी ओवररेटिंग को गंभीरता से लेते हुए दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं से निर्धारित मूल्य से अधिक राशि वसूलने की शिकायतों पर तत्काल जांच कर कार्रवाई करे।

जन्मदिन धारकों का किया गया सम्मान

मप्र विद्युत मंडल पेंशनर्स कल्याण संघ ने मनाया अभियंता दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सर मोक्ष गुंडप्प विशेषवरैया जयंती पर मप्र विद्युत मंडल पेंशनर्स कल्याण संघ ने मंगलवार को एक स्थानीय होटल में अभियंता दिवस का आयोजन किया। अध्यक्षता पूर्व एमडी मध्य क्षेत्र आरबी मिश्रा ने की। इस आयोजन में कल्याण संघ के 80 वर्ष से ऊपर के अभियंताओं के साथ सितंबर माह में जन्म दिवस वाले अभियंताओं का सम्मान किया गया। अध्यक्ष व्हीकेएस परिहार परिहार ने वर्तमान परिस्थितियों में पेंशन की व्यवस्था में जानकारी देते हुए संगठन को मजबूत करने का आव्हान किया गया। अध्यक्षीय उद्बोधन में श्री मिश्रा ने भी सभी अभियंताओं को एकजुट होने की अपील की। आभार प्रदर्शन आरजे श्रीवास्तव ने और मंच संचालन श्री अय्यर ने किया। सचिव आरके शर्मा ने भी कल्याण संघ की गतिविधियों पर प्रकाश डाला।

भोपाल पहुंचे ओवैसी, यूसीसी पर भाजपा समर्थकों को घेरा

संविधान देता है हमें धर्म पालन की स्वतंत्रता धार्मिक कानून अन्य समुदाय पर थोपना गलत

भाजपा से वैचारिक मतभेद हैं तो सहयोगी दल समान नागरिक संहिता का विरोध करें

मीडिया से बात करते ओवैसी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी मंगलवार को पार्टी के कार्यक्रम में शामिल होने भोपाल पहुंचे। सेंट्रल लाइब्रेरी परिसर में आयोजित कार्यक्रम से पहले उन्होंने मीडिया से बातचीत में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का विरोध किया। ओवैसी ने कहा कि संविधान नागरिकों को अपने धर्म का पालन करने की स्वतंत्रता देता है। ओवैसी ने भाजपा के सहयोगी दलों से भी यूसीसी का विरोध करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि यदि टीडीएफ, जेडी(यू), कुमारस्वामी, चिराग पासवान और जयंत चौधरी भाजपा की विचारधारा के साथ पूरी तरह खड़े हैं तो बात अलग है। लेकिन यदि इन दलों के भाजपा से अब भी वैचारिक मतभेद हैं तो उन्हें यूसीसी का विरोध करना चाहिए।

अनुच्छेद 14, 25, 26 और 29 का हवाला दिया

ओवैसी ने संविधान के अनुच्छेद 14, 25, 26 और 29 का हवाला देते हुए कहा कि नागरिकों को समानता के साथ अपने धर्म का पालन करने का अधिकार मिला है। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तराखंड, गुजरात और असम में लागू किए जा रहे यूसीसी के जरिए गैर-हिंदुओं पर हिंदू उत्तराधिकार विवाह और दत्तक एवं भरण-पोषण से जुड़े कानून लागू करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने इसे धार्मिक स्वतंत्रता के खिलाफ बताया। ओवैसी ने कहा कि इसी वजह से उनकी पार्टी यूसीसी का विरोध कर रही है। उन्होंने पहले भी यूसीसी को लेकर सवाल उठाए हैं। मध्य प्रदेश विधानसभा से 21 जुलाई को यूसीसी विधेयक पारित हो चुका है।

टीम ने 10 से 14 सितंबर तक लगातार 5 दिन तक किया था सर्वे

केरवा डैम का सर्वे नहीं करने और पानी बहाने को लेकर आपत्ति दर्ज कराई

बड़े तालाब के एफटीएल सर्वे की रिपोर्ट एनजीटी में पेश, अगली सुनवाई में फैसला होने की पूरी उम्मीद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी के बड़े तालाब और कलियासोत डैम की सीमा सर्वेक्षण के बाद मंगलवार को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) में इसकी रिपोर्ट पेश की गई। सुनवाई के दौरान पर्यावरणविद् डॉ. सुभाष सी. पांडे ने केरवा डैम का सर्वे नहीं करने और पानी बहाने को लेकर आपत्ति दर्ज कराई। डैम का पानी फुल टैंक लेवल तक नहीं भरने की बात कही गई। बेंच को बताया कि डैम के पानी को पहले ही बहा दिया जाता है। ऐसे में पानी फुल टैंक लेवल तक पहुंचेगा ही नहीं। डॉ. पांडे ने इससे जुड़े कुछ वीडियो और फोटो भी पेश किए। बेंच ने 15 दिन में पानी को बहने से रोकने के उपाय करने को कहा है। बता दें कि एनजीटी के आदेश पर विशेष टीम ने 10 से 14 सितंबर तक सर्वे किया था।

डैम के एफटीएल में पानी नहीं

बेंच के आदेश पर टीम को केरवा डैम के आसपास भी सर्वे करना था, लेकिन डैम के एफटीएल पर वर्तमान में पानी नहीं था। जिसके कारण ग्राउंड ट्रूथिंग और सर्वे नहीं हो सका। विचार-विमर्श के बाद सभी पक्षों में यह सहमति बनी कि केरवा की वास्तविक स्थिति को स्पष्ट किए बिना आगे की कार्रवाई में कोई जल्दबाजी न की जाए। डॉ. पांडे ने बताया कि जानबूझकर पानी को बहाया जा रहा है। इससे डैम भर नहीं सकेगा और भोपाल के कई इलाकों में पेयजल संकट भी खड़ा होगा। यह आपत्ति पीठ के सामने दर्ज कराई गई है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 30 सितंबर को होगी। अगली सुनवाई में संभवता कोई फैसला बेंच कर सकती है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादकः प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930